बीएसएफ ने किया शहीद के परिवार को सम्मानित

● ओम प्रकाश

भारत सरकार देश के BSF में तैनात जवानों के शहीद होने के बाद उन्हें कई सुविधा देती है। इसी कड़ी में बीएसएफ के तरफ से शहीद के परिजनों के लिए अनोखी पहल शुरू की गई है। शहीद हुए जवान के परिवार,परिजनों के सदस्य को घर बनाने के लिए बीएसएफ मुफ्त में देगा सीमेंट.देश की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों के लिए भारत सरकार समय-समय पर कई सुविधाएं उपलब्ध कराती है ताकि देश की सुरक्षा में लगे जवानों को अपने घर और परिवार की चिंता ना रहे। अब बीएसएफ ने देश के अलग-अलग राज्य और जिलों में शहीद हुए बीएसएफ के जवानों के परिजनों के लिए एक अनोखी पहल शुरू की है। जिसके तहत शहीद के परिजनों को घर बनाने के लिए मुफ्त में 4000 स्क्वायर फीट के घर बनाने में मुफ्त सीमेंट उपलब्ध कराएगी।

शहीद संजय कुमार सिंह

शहीद की पत्नी को सम्मानित करते हुए बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट एनके पाठक

इसी कड़ी में बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट एनके पाठक के नेतृत्व में बीएसएफ की एक टीम रांची पहुंची और शहीद हुए संजय कुमार के परिवार को सम्मानित किया। बीएसएफ में शहीद हुए जवान के परिजनों ने इस पहल का स्वागत किया है। राँची के कोकर के रहने वाले BSF में शहीद हुए संजय कुमार सिंह 2001 में आतंकी हमले में शहीद हुए थे । जवान के परिजनों से BSF अधिकारी ने मुलाकात करने के बाद एक सम्मान के रूप में योजना से जुड़ी जानकारियां दी है। अब परिवार और स्थानीय लोगो BSF के इस पहल का स्वागत करते नजर आ रहे है। देश की सीमा में तैनात जवानों को अक्सर मनोबल बढ़ाने के लिए इस तरह की पहल बीएसएफ करते आई है, ताकि शहीद होने के बाद भी परिवार के लोगों को किसी तरह की कमी ना खले। ध्यान रहता है कि ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं शहीद के परिजनों को दी जाए। मौके पर बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट एनके पाठक के अलावा आरक्षी प्रवीण कुमार मिश्रा, विनोद कुमार राय, तन्मय कुमार एवं पिंटू कुमार मौजूद थे। ●

पुलिस ने विस्फोटक के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

राजधानी रांची में बढ़ते अपराध को रोकने के लिए एसएसपी सुरेंद्र झा ने एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इस एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान आज बरियातू थाना क्षेत्र स्थित विकास विद्या पब्लिक स्कूल के पास पुलिस ने बाइक से ले जा रहे विस्फोटक पदार्थ को जब्त किया है। चेकिंग अभियान के दौरान बाइक पर सवार लोग झोला में रखे विस्फोटक को फेक कर भाग गए। वहीं बाइक चला रहे व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम बलराम सिंह है और वह पिठौरिया थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वहीं फरार व्यक्ति का नाम फिरण गोस्वामी है और वह भी पिठौरिया थाना क्षेत्र का ही रहने वाला है। पुलिस ने कुल 15 पीस पावर जेल विस्फोटक, 26 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और 25 मीटर लंबा डेटोनेटर वायर बरामद किया है। **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

एसएसपी के निर्देश पर अफीम की खेती को किया गया नष्ट

● ओम प्रकाश

अफीम तस्करों पर नकेल कसने के लिए लगातार रांची पुलिस अभियान चलाकर अफीम की खेती को नष्ट कर रही है।

इसी कड़ी में गुरुवार 10 फरवरी को पिठोरिया थाना अंतर्गत रडहा जंगल और पहाड़ी पर लगभग 6 एकड़ में लगे अफीम की खेती को पिठोरिया पुलिस के द्वारा अभियान चलाकर नष्ट किया गया। पिठौरिया थाना प्रभारी रविशंकर ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर लगातार अफीम तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अफीम की खेती को नष्ट किया जा रहा है। इसी कड़ी में हम लोगों को सूचना मिली कि पिठौरिया थाना अंतर्गत कतरिया बेड़ा में अफीम की खेती लहलहा रही है। सूचना मिलने पर एक टीम का गठन कर अफीम की खेती पर पहुंचकर उसे नष्ट किया गया। आगे भी सूचना मिलने पर अभियान चलाकर लगातार अफीम की खेती को नष्ट किया जाएगा। ●

ब्लाइंड केस का पुलिस ने किया पर्दाफाश

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के चान्हो थाना क्षेत्र में 16 जनवरी रविवार को एक नाबालिक का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। मामले में पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सोहन कुमार, कुदुस अंसारी और इरशाद अंसारी है। एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा ने बताया कि एक नाबालिग लड़की को अगवा कर कार में तीन लोगों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। मामला सामने आने के बाद एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा ने ग्रामीण एसपी नौशाद आलम और खलारी डीएसपी अनिमेष नैथानी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। एसआईटी टीम मामले की जांच करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कार में सवार युवक पेट्रोल पंप पर एक हजार दस रुपए का पेट्रोल

लेकर रांची की ओर जाते हैं। एसआईटी टीम ने पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार का रजिस्ट्रेशन नंबर निकाल कर कार के मालिक के घर छापेमारी की । कार का रेजिस्ट्रेशन नंबर रीoी-1170 है। एसआईटी की टीम ने कार मालिक के घर पर छापेमारी की तो पता चला कि यह कार कुदुस अंसारी चलाता है एसआईटी की टीम ने कुदुस अंसारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पता चला कि इस घटना को तीन लोगो ने मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने एक कार, एक चाकू और दो मोबाइल फोन जब्त किया है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि कल सुबह चान्हो थाना क्षेत्र में तीन युवकों ने तीन लड़कियों को दौड़ाना शुरू कर दिया। जिसमे दो लड़कियां भागने में सफल रही थी। जबकि एक नाबालिग लड़की को अपराधियों ने जबरदस्ती कार में बैठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। कार में बैठे अपराधियों को पता चला कि मोबाइल कहीं गुम हो गया है। उन्होंने टेढ़ा पूल के पास गाड़ी रोकी। वहीं से नाबालिग लकड़की मौका पाकर फरार हो गई थी। ●

नवजात बच्ची को मुंबई में बेचने की थी तैयारी

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में हुमन ट्रैफिकिंग का मामला दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। सोनाहातु के रहने वाले दंपत्ति से महिला निखित परवीन ने नवजात बच्ची को 22 हजार में सौदा कर मुंबई में बेचने की फिराक में थी। लेकिन बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना 13 जनवरी गुरुवार शाम की है जब एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने शाम 4 बजे निखत परवीन नामक एक महिला को संदिग्ध हालत में बच्ची के साथ देखा। महिला बच्ची को मुबंई ले जाने की फिराक में थी। बच्चे का प्रमाण पत्र मांगे जाने पर पूरे मामले का खुलासा हुआ। जिसके बाद सीआईएसएफ के जवानों ने महिला को हिरासत में लेकर जिला पुलिस को सूचना दी। जिला पुलिस ने भी तत्परता दिखाते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के साथ मिलकर गिरफ्तार कर लिया। बच्ची के साथ पकड़ी गई महिला को जेल भेज दिया गया है। महिला निखित परवीन 13 जनवरी को दोपहर एक बजे इंडिको के विमान से मुंबई जा रही थी। महिला ने 12 जनवरी को टिकट बनवाया था और खुद मुंबई की रहने वाली निखत परवीन बतायी थी। उसने जो टिकट बनाया था, उसमें बच्चे का कोई जिक्र नहीं था। लेकिन उसके गोद में नवजात बच्चा था। टिकट में बच्चे का जिक्र नहीं होने की बात जब उक्त महिला से पूछी गयी तो वह इंडिगो के काउंटर पर जाकर बच्चे का नाम जुड़वाने लगी, तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। इंडिगो के कर्मचारी ने एयरपोर्ट पुलिस को इसकी जानकारी दी। एयरपोर्ट पुलिस ने निखत परवीन को पकड़ लिया और एंटी ट्रैफिकिंग सेल को सौंप दिया। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल की प्रभारी दुर्गा गुप्ता ने भी जब उससे पूछताछ की और बच्चे का नाम पूछा तो वह सकपका गयी थी। उसके बाद शक गहरा हो गया। बताया जाता है कि सीआइएसएफ के जवानों ने महिला से बच्चे का सर्टिफिकेट मांगा तो उसने बताया कि तीन दिन का बच्चा है। इसके बाद जब मामले की जांच की गयी तो पता चला कि 11 जनवरी को उक्त महिला बिना बच्चे के ही मुंबई से रांची आयी थी। ●

शराबी बेटे से परेशान पिता ने ले ली बेटे की जान

शराबी पति से परेशान माँ ने बेटे संग की आत्महत्या

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र स्थित हुरहुरि गांव में शराबी बेटे से परेशान होकर पिता ने बेटे की बेरहमी से पिटाई की। पिटाई के दौरान बेटे की हालत गंभीर हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन इलाज के दौरान बेटे की मौत हो गई। पिता का नाम रफीक खान है और वह किसान है। मृतक का नाम एकराम खान है और उसकी उम्र 22 वर्ष है। जैसे ही पिता को जानकारी मिली की शराबी बेटे की मौत हो गई है उसके बाद वह घर से फरार हो गया । इस घटना की सूचना मिलने के बाद रातू थाना प्रभारी आभास कुमार अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। रातू थाना प्रभारी आभास ने बताया कि मामले की तहकीकात की जा रही है और मृतक के परिवार वालों का बयान लिया जा रहा है। पुलिस को जानकारी मिली कि एकराम खान दिन प्रतिदिन शराब पीकर घर के लोगों को परेशान किया करता था। जिसकी वजह से पिता अक्सर तनाव में रह रहे थे। रातू थाना प्रभारी आभास ने बताया कि मामले

की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर दो दिन की कड़ी मशक्कत के बाद छापामारी कर पुलिस ने हत्यारे पिता रफीक खान को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी तरफ राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बड़ा तालाब में 12 जनवरी की देर रात को मां और बेटे ने आत्महत्या कर ली । मां का शव 13 जनवरी की सुबह बरामद की गई तो वहीं बेटे का शव 14 जनवरी को बरामद किया गया है। सुबह स्थानीय लोगों ने बड़ा तालाब में एक शव को तैरते हुए देखा। सब को देखते ही इलाके में सनसनी फैल गई। जिसके बाद इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। दोनों शवों की पहचान पुलिस ने कर ली है। मां का नाम ताना बनर्जी है और बेटे का नाम ऋषि बनर्जी हैं। बच्चे की उम्र नौ वर्ष है। दोनों रांची के देवी मंडप के रहने वाले थे।

☞ **शराबी पति कौशिक बनर्जी से अक्सर होता था विवाद :-** ताना बनर्जी का अपने पति कौशिक बनर्जी से शराब पीने की लत की वजह से अक्सर विवाद हुआ करता था। जिसकी वजह से ताना बनर्जी काफी परेशान रहती थी। ताना बनर्जी के पति कौशिक बनर्जी रांची में ही प्राइवेट जॉब करते हैं और वह देवी मंडप के पास रहते थे। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। ●

CISF में नौकरी दिलाने के नाम पर पुलिस ने 2 लोगों को किया गिरफ्तार

राजधानी रांची धुर्वा थाना पुलिस ने सीआईएसएफ में नौकरी दिलाने के नाम पर 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम संतोष और प्रेम मंडल है। पुलिस ने इन लोगों के पास से 30 लोगों के कागजात और फर्जी जॉइनिंग लेटर बरामद किया है। संतोष और प्रेम मंडल ने अब तक बेरोजगार युवाओं से दो करोड़ से ज्यादा ठगी कर चुकी है। धुर्वा थाने की पुलिस ने बताया कि एक कैंडिडेट से नौकरी दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपया ले रहा था। धुर्वा थाना प्रभारी प्रवीण ने बताया कि इन गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले की ज्यादा जानकारी हासिल करने के प्रयास किया जा रहा है। **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

मोरहाबादी गैंगवार का पुलिस ने किया खुलासा

● ओम प्रकाश

रांची के मोरहाबादी में 27 जनवरी की दोपहर दो बजे दो बाइक सवार लोगो ने कालू लामा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम ज्ञानरंजन उर्फ ज्ञानप्रकाश, संदीप कुमार, सोनू कुरेशी, रवीश भारद्वाज और बिट्टू खान है। हालांकि घटना में शामिल मुख्य अपराधी सोनू शर्मा सहित अन्य अपराधी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। जिसकी तालाश मैं पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, आठ जिंदा गोली, दो देसी पिस्टल और एक मोटरसाइकिल जप्त की है। एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा ने बताया कि इस मामले में फरार आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है और कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस मोबाइल लोकेशन और सीडीआर के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। लेकिन अभी तक मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ●

फ्लीपकार्ट का पूर्व डिलीवरी ब्वॉय हुआ गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से 28 तारीख की रात को एक व्यक्ति ने दस लाख 75 हजार रुपये की चोरी की थी। इस घटना की जानकारी अभिषेक कुमार ने 29 तारीख की सुबह नगड़ी थाना पुलिस को दी। इस घटना की जानकारी सामने आने के बाद रांची के एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा ने ग्रामीण एसपी नौशाद आलम के नेतृत्व में एक टीम गठित कर मामले का जांच करने का आदेश दिया। पुलिस ने इस मामले की जांच करते हुए रवि शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। रवि शर्मा नगड़ी थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान पर रहता है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि यह रवि शर्मा फ्लिपकार्ट का पूर्व डिलीवरी ब्वॉय है जिसका परफॉर्मेंस अच्छा नहीं होने के कारण उसे निकाल दिया गया था। गिरफ्तार रवि शर्मा ने बताया कि पिछले कई वर्षो से कार खरीदने के लिए शौक पाल रखा था। लेकिन पैसे नहीं होने की वजह से कार नहीं खरीद पा रहा था। उसने पुलिस को बताया कि अपने शौक को पूरा करने के लिए उसने इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने रवि शर्मा के पास से चोरी के पैसे से खरीदे गए एक कार, एक एप्पल कंपनी का मोबाइल, 90 हजार कैश, एक बाइक एवं बैंक के कागजात बरामद किए है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि इस मामले में ऐसे कई लोगों के नाम सामने आए है जिनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि इस मामले में जितने लोग शामिल होंगे उनको जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ●

सुधा डेयरी के लापता इंजीनियर खादगढ़ा बस स्टैंड से बरामद

● ओम प्रकाश

सुधा डेयरी के इंजीनियर सुजीत कुमार को रांची पुलिस ने खादगढ़ा बस स्टैंड से सकुशल बरामद कर लिया है। सुधा डेयरी के इंजीनियर सुजीत कुमार दिल्ली, कोलकाता मुंबई समेत कई जगहों पर घूमने चले गए थे। लापता इंजीनियर सुजीत कुमार 22 दिसंबर की सुबह 09:40 बजे सुधा डेयरी फॉर्म में हाजिरी बनाने गये थे। उसके बाद से वह लापता चल रहे थे। जानकारी के लिए आपको बता दें कि पुलिस के टेक्निकल सेल ने लापता इंजीनियर सुजीत कुमार के सीडीआर को भी खंगाल लिया था। सीडीआर में यह बात सामने आयी थी कि लापता इंजीनियर ने अंतिम बार कंपनी के किसी कर्मचारी से ही प्रचार-प्रसार को लेकर बातचीत की थी। पुलिस ने चौदह लाख के रोल को लेकर हुई हेराफेरी की भी जांच की लेकिन पुलिस को कोई भी ठोस सबूत नहीं मिल पाया था। पुलिसकर्मियों ने खोजी कुत्तों की मदद से सुधा डेयरी का चप्पा-चप्पा खंगाल था। लेकिन इंजीनियर का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। काफी पूछने पर इंजीनियर सुजीत कुमार के परिवार वालों ने बताया कि वे डिप्रेशन का शिकार हो गए थे और इसी क्रम में घूमने चले गए थे। ●

पटना की सड़कों पर एक बेटी न्याय की मांग रही भीख

● रीता सिंह

निर्भया की वकील सीमा कुशवाहा ने कहा कि पटना की सड़कों पर एक बेटी पिछले 5 दिनों से न्याय की भीख मांग रही है, लेकिन कोई नहीं सुन रहा। मुजफ्फरपुर शेल्टर होम जैसा ही मामला है, समाज कल्याण विभाग ने बिना कोई जांच किए मामले को रफा दफा कर दिया। जो हुआ वो 21वीं सदी के भारत पर धब्बा है, वंदना गुप्ता पर केवल एक पीड़िता नहीं आरोप लगा रही, और भी कई बच्चियां हैं जो अपनी पीड़ा बता रही हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का उद्देश्य इस मुद्दे को उठाना है कि आखिर पटना में लड़कियों के साथ ऐसा क्यों हो रहा है, प्रशासन संवेदनशील नहीं है? लगातार फोन आ रहे हैं, लेकिन पहले कोई एफआईआर तक लॉज करने को तैयार नहीं, उल्टा लड़की को उदण्ड बता रहे हैं, उसके चरित्र पर सवाल उठा रहे हैं, इस पूरे केस में बिहार सरकार को कार्रवाई करना चाहिए। कमिटी का गठन हो, एसआईटी का गठन हो और हाई कोर्ट के मद्देनजर हो, देश की सभी रिमांड और शेल्टर होम से सालाना रिपोर्ट मांगा जाना चाहिए, कोर्ट इनसे रिपोर्ट मांगे, क्या शेल्टर होम लड़कियों का रेप करने के लिए बनाया गया है? ये विषय बहुत गम्भीर है, वंदना गुप्ता को सस्पेंड किया जाए, फिर मामले की पुख्ता जांच हो।●

बीजेपी नेता ने की बजट की तारीफ

● रीता सिंह

बिहार भाजा के प्रदेश अध्यक्ष व वरिष्ठ नेता संजय जायसवाल ने केन्द्रीय बजट पेश किये जाने के बाद कहा कि बिहार सरकार को भी अपना रेवेन्यू कलेक्ट करना पड़ेगा. यह नहीं चलेगा कि दूसरे राज्य पैसे कमाएं और दूसरे प्रदेश को दें. बिहार को आत्मनिर्भर बनाना सरकार का पहला लक्ष्य होना चाहिए। केंद्रीय बजट (Budget 2022) पेश होने के बाद जारी विवाद के बीच बुधवार को बिहार बीजेपी के अध्यक्ष संजय जयसवाल (Sanjay Jaiswal) ने पीसी कर बजट से बिहार को होने वाले फायदे के बारे में बताया. वहीं, इस दौरान बीजेपी नेता ने नीतीश सरकार (Nitish Government) को आत्मनिर्भर बनकर कुछ करने की नसीहत दी. उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में उत्तर प्रदेश के बाद सबसे अधिक शेयर बिहार का ही है. महाराष्ट्र और बंगाल में बिहार से ज्यादा आबादी है, लेकिन उन दोनों राज्यों से पांच प्रतिशत ज्यादा पैसे बिहार को मिलते हैं. संजय जायसवाल ने बजट की तारीफ करते हुए कहा कि बजट में जो इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, वो बहुत अच्छा है. अब बिहार का जो बजट पेश होगा, उसमें हम लोग ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी लेकर बिहार बजट पेश करेंगे. इसके लिए हमारे वित्त मंत्री सभी विभागों से बात भी कर रहे हैं, ताकि हम लोग ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकें. उन्होंने कहा कि राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बिहार को उद्योगों से ही संभव है।●

उद्योग मंत्री ने किया बिहार इंपोरियम का उद्घाटन

● रीता सिंह

राजधानी पटना के मौर्यालोक कंपलेक्स में आज बिहार इंपोरियम का उद्घाटन उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने किया। बिहार इंपोरियम पुराना संस्थान है लेकिन बंद हो गया था इसे फिर से रिनोवेशन कर जीर्णोद्धार किया गया है जिसकी लागत 65 लाख के मदद से किया गया है बिहार इंपोरियम बिहार के हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट के बाजार देने के लिए खोला गया है । मौर्या लोक कॉम्प्लेक्स में बहुत अधिक संख्या में खरीददारी करने लोग आते, तो उन्हें बिहार के बना हुआ हैंडीक्राफ्ट मिले । बिहार के लोगो के लिए समर्पित है। इससे पहले दिल्ली में भी बिहार इंपोरियम खोला गया है। ●

मोदी का एक ही लक्ष्य

कर्म करो, फल कि इच्छा नहीं!

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्यों से लगता है कि गीता के उपदेश को जीवन में उतार लिया है की कर्म करो फल की इच्छा मत करो शायद फल की इच्छा किए बिना काम में लगे रहने की प्रवृति ही है, जो उन्हें लीक से हटकर चलाती है, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का चौथा आम बजट यही कहता है मोदी सरकार ने तत्कालीन राजनीति लाभ के प्रलोभन से परहेज किया, सरकार चाहती तो चुनावी फायदे के लिए लोकलुभावन घोषणाएं कर सकते थे, लेकिन देश और अर्थव्यवस्था के व्यापक हित को तरजीह देना बेहतर समझा गया, मोदी सरकार के इस बजट में पूंजी निवेश को प्राथमिकता दी गई है पूंजी निवेश से विकास दर को बढ़ाना और रोजगार के नए अवसर जुटाना सरकार की प्राथमिकता है जैसा कि पिछले करीब 7 साल का चलन है कि विरोध के लिए विरोध विपक्ष का एकमात्र हथियार है। विपक्ष की नजर में मोदी और उनकी सरकार की कोई विश्वसनीयता नहीं है इसके उलट जनता की नजरों में मोदी से ज्यादा कोई विश्वसनीयता नहीं है। वास्तव में यह संघर्ष मोदी भाजपा बनाम विपक्ष नहीं है यह देश के आम लोगों और विपक्ष के बीच का संघर्ष है यह देश के आम लोगों और विपक्ष के बीच का संघर्ष है मोदी को तो लड़ने की जरूरत ही नहीं पड़ रही है मोदी पर हर हमले का जवाब तो जनता ही दे रही है। इसका मतलब यह नहीं कि भाजपा हर चुनाव जीत रही है या जीतेगी चुनाव हार जीत कोई बड़ी बात नहीं है उससे ज्यादा का विजय रथ रुकता नहीं है चुनाव के बीच में लड़ी जाने वाली छोटी लड़ाइयां है जिनमें हार जीत की अहमियत महज तत्कालिक है, बंगाल के चुनाव को भी देख लीजिए सारे मोदी विरोधियों का जबान एक ही बात है मोदी भाजपा चुनाव हार गए हार तय हुआ है अपने राज्य और ऐतिहासिक संदर्भ में कहें तो राजपाट हार जाता है, बंगाल में भाजपा का ही नहीं जो पार्टियों का करीब 30 साल तक आपको एक शब्द सुनने को नहीं मिलेगा तो पिछले 7 साल में हार जीत की

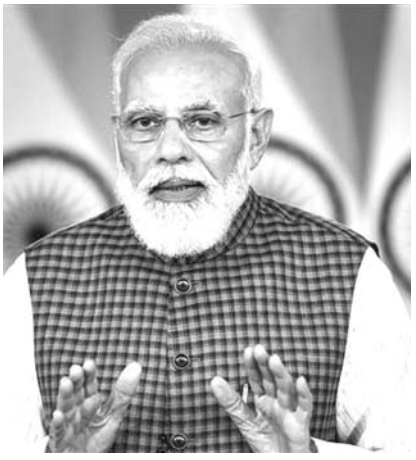

परिभाषा बदल गई है। इस अवधि में मोदी सरकार ने आर्थिक क्षेत्र में इतने बड़े-बड़े काम किए हैं जो आम लोगों को तो दिखाई देते हैं।

मोदी सरकार ने कश्मीर का नासूर अनुच्छेद 370 हटा दिया, तीन तलाक, हलाला का समस्या समाप्त कर दिया गया। पुरुष इस्लामी देशों में रहने वाले वहां जनसंख्या को किस सुरक्षा के लिए नागरिकता कानून में संशोधन किया। तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया विपक्ष ने इसका विरोधा किया सेंट्रल विस्टा का अवसर पर और हर तरीके से विरोध हुआ हालांकि इस पर आम सहमति है कि विभिन्न मंत्रालय जिन भवनों से चलते हैं और मौजूदा संसद भवन की जगह नए निर्माण की जरूरत है फिर भी विरोध केवल इसलिए हुआ यह काम मोदी कर रहे हैं। नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था कि जब आपका दुश्मन गलती कर रहा हो तो आप को खामोश रहना चाहिए, मोदी की यह खामोशी उनकी ताकत और विश्वसनीयता दोनों बढ़ाते हैं उनके विरोधी नफरत के इस दलदल में जितना जोर-जोर से पूछते हैं उतना हीं गहरे धंसते जाते हैं, हाल ही में एक अंग्रेजी पत्रिका ने अपने सर्वेक्षण में बताया कि मोदी की लोकप्रियता अपने निकटतम प्रतिद्वंदी नेता से करीब 8 गुना अधिक है। मोदी देश के इतिहास में अकेले ऐसे नेता है सारे मोदी विरोध ी आजकल मंदिरों की परिक्रमा कर रहे हैं विरोधि यों ने पंथनिरपेक्षता की अपनी ही बनाई परिभाषा से पल्ला झाड़ लिया है लेकिन इस बदलाव को औपचारिक और सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

☞ **केन्द्र और बिहार के भाजपा में सोच के अंतर के कारण/ बिहार से भाजपा की विदाई संभव :-** भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह ने कहा है की बिहार के भाजपा को लगता है कि भारत सरकार के रास्ते पर नहीं चलने की कसम बिहार के भाजपा ने खा ली है। भारत सरकार ने अपनाया है चिराग पासवान को तथा बिहार के भाजपा ने अपनाया पारस नाथ को? चिराग पासवान के साथ बड़ी समूह है तथा पारस पासवान के साथ जन समूह खाली है। 2019 के विधानसभा चुनाव में जदयू ने चिराग पासवान को ठुकराया था जिसके कारण 43 पर आ गए तथा भाजपा 74 पर रहे यदि बिहार के भाजपा अगला विधानसभा चुनाव में चिराग को ठुकराया तथा पारस पासवान को अपनाया, वैसे स्थिति में चिराग पासवान को राजद ने यदि अपना लिया तो एनडीए सत्ता से इतना दूर हो जाएगा की वर्तमान में सत्ता की मलाई चाभने वाले स्वर्गवास जाने की कतार में रहेंगे। मतलब 50 साल से भी ज्यादा सत्ता वापसी मे लग सकता है। बताया जाता है कि राजद के साथ मुस्लिम 18प्रतिशत यादव 16 प्रतिशत तथा चिराग पासवान के साथ लगभग 8प्रतिशत है। तीनों मिलाकर बिहार 42प्रतिशत जनसंख्या हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग 200 से ज्यादा योजनाएं शुरू की तथा 7 साल मौका दिया परंतु बिहार के भाजपा नहीं सुधरा। बिहार के भाजपा चार काम में 7 साल बिता दिया। (1) सत्ता की मलाई चाभना (2) कार्यकर्ताओं से भीड़ जुटवाना (3) नारा लगवाना (4) माला पहनना। अपराध भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के बदले जीरो टॉलरेंस और सुशासन के नारा लगाने में बिता दिया तथा 200 योजनाओं में अधि कांश कागज में ही सिमट कर रह गयी। अगला विधानसभा चुनाव के पहले सत्ता की मलाई चाभते रहो। क्योंकि बिहार में भाजपा ने केन्द्र की किसी भी योजना को जमीन पर उतारने का प्रयास नहीं किया। एक भी भाजपा ने अपनी पहचान नहीं बनाई, नरेन्द्र मोदी के नाम पर चुनाव जीतने वालों की स्थिति आगामी चुनाव में पता चल जाएगा।●

Covid-19 पवेलियन की ओर

बात यह है कि बेगूसराय जिला की स्थापना 2 अक्टूबर 1972 में हुई। यहाँ विगत 50 वर्षों में कई कारखाने खुल चुके हैं। जैसे तेल शोधक कारखाना, उर्वरक कारखाना, डेयरी, एनटीसीपी, हर्ल और पेप्सी एवं अन्य कारखाने यहाँ अवस्थित हैं। इसी चर्चित जिला का मटिहानी एक प्रखंड है। महेंद्रपुर इस प्रखंड का एक ख्याति प्राप्त गांव है। यह पवित्रतम नदी गंगा के तट पर बसा हुआ है। गंगा माता इस गांव से बेहद नाराज हैं(लेकिन सरस्वती माता और लक्ष्मी माता बेहद प्रसन्न है। फलस्वरूप यह गांव धन-धान्य और विद्या से परिपूर्ण है। इसका एक उदाहरण यहाँ प्रस्तुत है :-महेंद्रपुर गांव में एक बहुत ही लब्धप्रतिष्ठित शिक्षक थे, उनका नाम है स्मृतिशेष रामसागर सिंह उनकी 5 पुत्रियाँ हैं। पांचों लहेरियासराय (दरभंगा) मेडिकल महाविद्यालय से एम0बी0बी0एस की डिग्री प्राप्त की हैं। डा/0 मीरा सिंह, डॉ0 मंजू सिंह, डॉ0 वीणा सिंह, डॉ0 बिन्दु सिंह और डॉ0 रीता सिंह इनके नाम हैं। डॉ0 मंजू सिंह लेखक के सहपाठी रह चुकी हैं। इन पांचों बहनों के परिवार का यह आलम है कि इनके यहाँ कुल मिलाकर अभी 35 डॉक्टर हैं। तीसरी पुत्री डक्र0 वीणा सिंह जमुई सदर अस्पताल में पदस्थापित थीं। 2018 में वे सेवानिवृत्त हो गई हैं। इनकी पुत्री है डॉक्टर शालिनी सिंह। डॉक्टर शालिनी सिंह Covid-19 से पहली लहर में और तीसरी लहर में पॉजिटिव हो गई थी। इस पीड़ित डॉक्टर के अनुभव और सुझाव सर्वसाधारण के लिए बहुत ही उपयोगी है। प्रस्तुत है **डॉक्टर शालिनी सिंह** से केवल सच के विशेष प्रतिनिधि **प्रोफेसर रामजीवन साहू** से जो साक्षात्कार हुई वह अग्रवत है :-

★ डॉक्टर शालिनी जी आप सबसे पहले यह बताएं कि आप कोविड पॉजिटिव कैसे हो गई और आपने उस दरम्यान क्या अनुभव की ?

मैं सदर अस्पताल जमुई में मरीजों को देखा करती थी। एक दिन ऐसे मरीज को देखी जो कोरोना पॉजिटिव था। उसी दिन अन्य कई पॉजिटिव मरीज को देखी। दिनांक 1 अगस्त 2020 को मुझे सिर में हल्का दर्द महसूस हुई। फिर उसी दिन गले में भी दर्द महसूस हुई। फिर धीरे-धीरे बुखार भी आने लगी। कुछ दिन के बाद स्थिति बद से बदतर होती चली गयी। उसके बाद मैं समझ गयी कि मैं अब शत-प्रतिशत पॉजिटिव हो गयी हूँ। मैं होम आइसोलेशन में रहना बेहतर समझकर अपने घर में ही उपचार शुरू की। शहर के अन्य डॉक्टरों और अपनी माँ की चिकित्सकीय देखरेख में उपचार शुरू हो गयी। कई दिनों तक ऑक्सीजन पर रहना पड़ा। फिर मैं ठीक हो गई यानि कोविड को पवेलियन भेज दी। वैसे भारत से भी कोविड को पवेलियन की ओर जा रहा है।

★ डॉक्टर शालिनी जी कोविड-19 के लक्षण बचाव और उपचार के कौन-कौन से उपाय हैं?

एक बहुत पुरानी कहावत है कि घायल की गति घायल जाने जो कोई घायल होय। मैं इससे पीड़ित हो चुकी हूँ इसलिए मैं जो कुछ बताऊंगी वह बिल्कुल व्यवहारिक और अनुभव आधारित होगी। ☞ **लक्षण :-** हल्का बुखार, सरदर्द, सर्दी, खांसी, थकान, कमजोरी, स्वाद नहीं आना, सुगंध नहीं आना, सांस लेने में कठिनाई, सांस फूलना, ऑक्सीजन की कमी, बी0पी0 कम होना शरीर का नीला हो जाना, धड़कन तेज होना, आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।

☞ **ब्लैक फंगस के लक्षण :-** बाल का झड़ना, कमर और पेट में दर्द होना आदि। Covid-19 सांस लेने की क्रिया को सबसे अधिक प्रभावित करता है। इसके कारण परेशानियाँ Covid-19 ठीक हो जाने के बाद भी खतरा बनी रहती है।

☞ Covid-19 से बचाव के उपाय :-

1. हाथ को साबुन से 20 सेकंड तक रगड़ रगड़ कर धोना चाहिए।
2. भोजन करने के पूर्व और भोजन के बाद भी 20 सेकंड हाथ को धोना चाहिए।
3. शौचालय से आने के बाद भी इसी तरह हाथ धोना चाहिए।
4. वैसे सेनीटाइजर प्रयोग में लाना चाहिए जिसमें 60% अल्कोहल हो।
5. अगर स्वयं पीड़ित है तो डॉक्टर से मिलने के अतिरिक्त कहीं बाहर नहीं जाना चाहिए।
6. परिजनों से भी 6 फीट की दूरी बनाकर रहना चाहिए, मास्क लगाना चाहिए।
7. मुंह, आंख, नाक को छूना नहीं चाहिए।

उपचार :-

1. Tab Crocin 500 mg (बुखार रहने पर)
2. Tab Azithromycin 500 mg (OD) 5 day's
3. tab Zincovit (OD) 20 Day's
4. Vit. C 500 mg (BD) 20 Day's
5. Tab vit D 60000iu for 4 day's than once weekly 3 months
6. Tab Ivermectin 12 mg (2 tab OD in empty stomach for 2 day's)
7. Tab Montair LC
8. Betadin gargle
9. B complex (OD) 20 Day's
10. Injection Enoxsparin (5/6 injection)

☞ **सावधानियाँ :-** होम आइसोलेशन में जाने से पहले एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए, ताकि पता चले कि आप आइसोलेशन में रहने के लायक है या नहीं। जैसे ज्यादा सांस फूलना, बीपी का कम होना, शरीर का नीला होना, धड़कन बढ़ना, अगर डॉक्टर होम आइसोलेशन की अनुमति दें तभी होम आइसोलेशन में जाना चाहिए। डॉक्टर के संपर्क में लगातार रहना चाहिए। अपना स्वास्थ्य की जानकारी जैसे बीपी Spo2 पल्स लेवल आदि की जानकारी देते रहना चाहिए। जागरूकता से ही इस संक्रमण से खुद भी बचा जा सकता है और दूसरों को भी बचाया जा सकता है।

बिहार केसरी श्री कृष्ण सिंह के जन्म स्थान पर भ्रामक विवाद

● **मिथिलेश कुमार**

बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री आधुनिक बिहार के निर्माता डॉक्टर श्री कृष्ण सिंह का व्यक्तित्व और कृतित्व महान था वे महान स्वाधीनता सेनानी थे समाज सुधार के पक्षपाती थे छुआ छूत के खिलाफ के संदर्भ में भारी विरोध के बाबजूद 800 दलितों के साथ देवघर मंदिर में प्रवेश किया था वही शोषण पर आधारित जमींदारी व्यवस्था को समाप्त किया था। संघर्ष और निर्माण दोनों स्थित में वे समन्वयकारी नेता थे। 1956 में बिहार राष्ट्र भाषा परिषद के वार्षिकोत्सव समारोह में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद, राजपाल डॉक्टर जाकिर हुसैन, राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त एवम् हिंदी के कई मान्य विद्वान साहित्यकारों के समक्ष अपने संबोधन में कहा कि राजनीत और साहित्य एक दिमाग और दूसरा दिल है दिमाग किसी को देखता है उसकी छानबीन करता है और वह उतना जान पाता है। मगर दिल की आंखे इतनी तेज है की यह देख लेती है की वह चीज क्या है और क्या हो सकती है देश के नवनिर्माण में साहित्यकारों के आवश्यकता है जो मनबताबाद के स्वपन के साहित्य में चित्रित कर उन घरों में झोपड़ियों में मानवता की नई आशा उमड़ पड़े।

बिहार केसरी डॉक्टर श्री कृष्ण सिंह का जन्म ननिहाल नवादा जिले के नरहट प्रखंड के बड़े आकार का गांव में 21 अक्टूबर 1887 में हुआ था उनके नाना का नाम रटन सिंह था। खनवा गांव में एक प्राचीन देवी मंदिर है तो एक प्राचीन शिव मंदिर भी है इसके संधार्व में जनश्रुति है सोनितपुर के रहा बाणासुर के द्वारा स्थापित है एक जनश्रुति और है की भगवान बुद्ध राजगीर से गया जाने के कर्म में खनवा में कुछ दिनों तक रुके थे इससे यह स्पष्ट होता है की यह एक प्राचीन गांव है। श्री बाबू का जन्मभूमि होने के बाद भी गांव सदा उपेक्षित रहा है इस उपेक्षा के खिलाफ गांव के उत्साहित युवकों ने बिहार के मान्य नेताओं से संपर्क किया खनवा निवासी श्री बाबू का पौत्र देवेंद्र शर्मा और गांव के उत्साहित युवक गौरव कुमार कहते है श्री बाबू जब मुख्यमंत्री होने के बाद गांव पधारे तब पूरा गांव भावुक हो उठा। 1980 में बिहार केसरी के पुत्र बांदीशंकर सिंह उर्फ स्वराज्य बाबू वारिसलीगंज से विधान सभा का चुनाव लडने पधारे तो इस क्षेत्र के प्राय: कांग्रेसी कार्यकर्ता इन्हे विदेशी कहकर चुनाव में

हराना चाहने लगे थे उस समय मैं(रत्नाकर जी) पत्रकारिता से जुड़ा था बंदी बाबू ने हमसे कहा की मेरे पिता जी का जन्म ननिहाल खनवा में हुआ है वे कहते कहते भावुक हो गए। हमने श्री बाबू के जयंती के मौके पर 1983 में दैनिक आर्यावर्त में लेख लिखा उन दिनों रामजी मिश्र मनोहर आर्यावर्त का चौथा पेज देखते थे जिसमे लेख छापता था उन्होंने मुझसे कहा की उनके पुत्र से एक पत्र लिखा ले। हमने बंदी बाबू को लेख दिखाया तब उन्होंने अपने लेटर पैड पर लिखा मेरे पिता जी का जन्म खनवा में हुआ है और लेख में जो कुछ भी लिखा है वह सच है उसके बाद यह लेख प्रकाशित हुआ था। 31 जनवरी 2022 श्री बाबू के पुण्य तिथि के मौके पर बड़े संख्या में लोगों की उपस्थिती के बीच श्री बाबू को स्मरण किया गया इस कार्यक्रम में श्री बाबू के ननिहाल के परिवार के लोगो के अलावे विशेष रूप से आमंत्रित पूर्व सांसद अरुण कुमार, साहित्यकार राम रतन प्रसाद सिंह रत्नाकर, गोविंदपुर के विधायक डॉ. कामरान उपस्थित थे सर्वप्रथम गर्व गृह में वैदिक रीति से श्री बाबू की मूर्ति का पूजन किया गया और श्रद्धा के पुष्प अर्पित किया गया बाद में श्री सीताराम सिंह की अध्यक्षता में कपीलदेव सिंह के संचालन में और गौरव कुमार ने कहा इधर कुछ दिनों से मौर गांव के एक व्यक्ति के द्वारा पटना उच्च न्यायालय में जन्मस्थान को लेकर मामला दर्ज किया है और मोबाइल में तरह तरह को बाते उछली जा रही है कुछ लोग तो श्री बाबू के बड़े भाई देवकी नंदन सिंह जो ज्योतिषाचार्य थे एवम् ज्योतिष रत्नाकर नामक महत्वपूर्ण पुस्तक के लेखक थे का हवाला दे कर कहना चाहते है की श्री बाबू का जन्म पैतृक गांव में हुआ है इस ढंग के भ्रामक बाते दुखदाई है।

2010 में हजारों लोगो की उपस्थिति में खनवा गांव में एक महती आम सभा का आयोजन हुआ था इस आयोजन के संजोयक संतोष कुमार नाम के ग्रामीण युवक थे उस महती सभा में कई मान्य नेताओं की उपस्थी में गांव में श्री बाबू का जहां जन्म हुआ था उसमे मूर्ति स्थापित करने भवन बनाने का निर्णय लिया गया था बाद में श्री उपेन्द्र कुशवाहा ने 10 लाख रुपया अपने फंड से गर्भगृह का निर्माण के लिए प्रदान किया और डाक्टर महाचंद्र प्रसाद सिंह पूर्व मंत्री ने अपने फंड से श्री बाबू का कांस्य प्रतिमा स्थापित किया। तबसे बड़ी धूम धाम के साथ गांव में श्री बाबू का जन्म तिथि और पुण्य तिथि आयोजन होने लगा जिसमे उपेन्द्र कुशवाहा तत्कालीन सांसद अरुण कुमार, सांसद भोला सिंह, सांसद सीपी ठाकुर, मंत्री गिरिराज सिंह, तत्कालीन बिहार सरकार के मंत्री लालन सिंह, हिसुआ के विधायक अनिल सिंह, प्रसाद गणेश शंकर विद्यार्थी पधारे। गिरिराज सिंह ने चरखा केंद्र स्थापित किया वही तत्कालीन मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने डॉक्टर महाचंद्र सिंह के द्वारा स्थापित का मूर्ति अनावरण किया। 5 नवंबर 2013 को बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार गांव पधारे और एक भव्य आयोजन में खनवा गांव में सुपर पावर ग्रिड जहां से पांच जिले को बिजली मिलती है स्थापित करने का आदेश दिया मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खनवा और राजकीय पॉलीटेक्निक संस्था खोलने का भी आदेश दिया। सभी काम जो बिहार के मुखमंत्री ने कहा था लगभग पूर्ण हो चुका है और खनवा गांव विकास के पथ पर अग्रसर एक आधुनिक गांव के जैसा लगने लगा है यही बात कुछ लोगो को पसंद नही है और जन्म स्थान को लेकर भ्रम पैदा कर रहे हैं लेकिन सत्य तो सत्य है और श्री बाबू का जन्म खनवा गांव में ही हुआ है।●

(आलेख : राम रतन प्रसाद सिंह रत्नाकर)

आशा और निराशा का 16 साल

● **मिथिलेश कुमार**

घनीभूत अंधेरा था। आदमी, को देख भयभीत होते थे। सड़क और खंदक में भेद नहीं था। शाम होते ही लोग घरों में दुबक जाने को विवश थे। अपहरण और नरसंहार मुख्य रोजगार था अर्थात बिहार में जंगलराज था। 2005 में जंगलराज समाप्त हुआ और बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनी। आशा और विश्वास का संचार हुआ। दृढ़ निष्ठा और गहरी संवेदना के साथ बिहार में जंगलराज के नायक जेल में बंद होने लगे और बिहारी कहने में जो शर्म होती थी का दिन गुजरने लगा। एक बिहारी सब पर भारी लोग मानने लगे। एक नया बिहार का संदेश फैला नीतीश कुमार के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा विकास का चक्का तेजी से चलने लगा। 2010 से 2015 का समय में सड़कों पुलों का निर्माण तेजी से होने लग गया और नारी सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ छात्राओं को मिलने लगा। इस बीच राजनीतिक क्षेत्र में आशा भरी स्थिति रही लेकिन स्वर्ण जातियों के बीच भ्रम भी बढ़ने लगा और सत्ता के भूख के दर्शन भी होने लगे। 14 नवंबर 2012 को इंडिया टुडे सप्ताहिक पत्रिका के पेज 56 और 57 पर नीतीश कुमार से सवर्णों का मोह भंग शीर्षक से कवरस्टोरी प्रकाशित हुआ उस लेख में इस लेखक के विचार प्रकाशित हुआ उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मैं इस्तेमाल किए जाने के लिए तैयार संसाधन था एक बार मेरा इस्तेमाल कर लेने के बाद सरकार के नायक को मुझ में कोई रुचि नहीं रही उन्होंने कहा अगड़ी जातियों ब्राह्मण राजपूत भूमिहार और कायस्थ जिनके कुल मिलाकर 16% वोट है का नीतीश कुमार से मोहभंग हो गया। इस स्टोरी के संवाददाता अमिताभ श्रीवास्तव हैं। 2010 में विधानसभा का चुनाव जो संपन्न हुआ उसमें नवादा जिले के सभी सीटों पर जदयू और भाजपा गठबंधन को सफलता मिली थी लेकिन पिछले विधानसभा 2020 के चुनाव में जदयू का तो खाता भी नहीं खुला बीजेपी किसी ढंग से एक सीट पर जीत सकी यह सवर्ण जातियों का मोहभंग का बड़ा उदाहरण है। जदयू के नेतृत्व में पार्टी ने जन चर्चा का आयोजन किया था इसके विषय तय किए गए समदर्शी नेतृत्व व समबेसी विकास के 15 साल बेमिसाल। समदर्शी विकास अगर होता तो बुद्धिजीवियों का मोहभंग नहीं होता पिछले विधानसभा चुनाव में जो डाक द्वारा मत व्यक्त हुआ उससे स्पष्ट है पढ़ा-लिखा वर्ग नाराज और निराश है। बिहार में 30 सालों से साहित्य कला संस्कृति को जीवंत रखने को प्रयासरत वर्ग सबसे अधिक निराश है यह निराशा उस वर्ग की है जो समाज में संवेदना जागृत कर भागो नहीं समाज को बदलो का संदेशवाहक है।

पगडंडी अब सड़क बन गई है बिजली की रौशनी भी है लेकिन समाज का बड़ा वर्ग खनिज संपदा का दोहन कर रहा है और हर ढंग के अपराध बढ़े हैं शैक्षिक वातावरण पर ग्रहण लगा हुआ है साइबर अपराध बहुत ही बड़ा है इन स्थितियों में सुधार का काम सरकार का है। समाज में समन्वय का भाव कमजोर हुआ है गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है बिहार से पिछड़ा झारखंड में बिहार के छात्र शिक्षा प्राप्त करने जा रहे हैं। सांस्कृतिक चेतना के अभाव के कारण भौतिक लाभ के लिए हर ढंग का मर्यादा हनन होते देखा जा रहा है। नीतीश कुमार ने शराबबंदी का बीड़ा उठाया है वह स्वागत करने लायक है लेकिन यह सफल तभी हो सकता है जब समाज का प्रबुद्ध वर्ग का समर्थन सरकार को मिले लेकिन ऐसा दिखता नहीं है लेकिन शराबबंदी स्वागत लायक कदम है कारण शराब पारिवारिक सामाजिक शैक्षिक वातावरण को दूषित करने का साधन है इसी निराशा में आशा का संचार हो यह कामना है।●

(आलेख : राम रतन प्रसाद सिंह रत्नाकर)

पूर्व जदयू कलमजीवी प्रकोष्ठ ने शोक व्यक्त किया

● **रीता सिंह**

जदयू कलमजीवी के पूर्व अध्यक्ष प्रभात चंद्रा ने भारत रत्न तथा लोकप्रिय गायिका लता मंगेशकर के असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा है कि लता मंगेशकर संगीत की दुनिया के बेताज बादशाह थी। वे पिछले छह दशकों से संगीत की दुनिया को सुरों से नवाजी हैं। उन्हें भारत की स्वर कोकिला लता मंगेशकर भी कहा जाता रहा है। उन्होंने अबतक 20 भाषाओं में 30,000 से अधिक गाना गाई हैं। लता मंगेशकर की गानों की आवाज सुनकर कभी किसी की आँखों में आँसू आते थे, तो कभी सीमा पर खड़े जवानों को हौसला मिलता था। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे पिछले कई दिनों से बीमार चल थी। प्रभात चंद्रा ने अपने पूर्व सहयोगी उपाध्यक्ष श्री शैलेश कुमार, डॉ सी०एन० प्रसाद, महासचिव श्री जितेन्द्र कुमार सिन्हा, श्री अनुराग समरूप, श्रीमती रश्मि लता, सचिव श्री उज्ज्वल राज, सुश्री अंकिता पल्लव सहित अन्य सदस्यों इस दुख की घड़ी में दो मिनट का मौन रहकर दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा परिजनों एवम् इष्टमित्रों को दुख सहने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।●

डुमरावां के दो सौ सपूत कर रहे वतन की रखवाली

सेना के सभी अंग में तैनात हैं डुमरावाँ के जवान, देश की सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं

चंद्रशेखर आजाद

रविशंकर कुमार

संगम श्याम

संतोष कुमार शर्मा

● मनीष कुमार कमलीया

पकरीबरावां प्रखंड मुख्यालय से लगभग 05 किलोमीटर दूरी पर एक डुमरावाँ गाँव है। यह गांव प्रखंड ही नहीं जिले में भी चर्चित गांव है। चर्चा में रहने की वजह है कि यहां के हर चौथे पांचवें घर से एक-एक बेटा देश की हिफाजत में लगे हैं। सेना की नौकरी यहां के युवाओं को पहली पसंद है। देश में सेना की कहां पे भर्ती हो इस गांव के युवाओं का दबदबा होता है। कुछ का चयन लगभग पक्का होता है। युवाओं के जोश के चलते यह गांव एक तरह से सैनिक गांव के रूप में जाना जाता है। अब तक यहां से लगभग दो सौ से अधिक युवा देशभर सेना में भर्ती होकर देश की सेवा कर रहे हैं।

☞ **सेना के सभी अंग में तैनात हैं डुमरावाँ के जवान :-** देशभक्ति में अग्रिम माने जाने वाले डुमरावाँ के युवाओं ने हर युद्ध में अपने बलिदान से इतिहास लिखा है। कुछ तो ऐसे हैं जहां एक घर से दो बेटा सेना में मिलेगा। ऐसे परिवार भी हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी सेना में अपनी सेवाएं निभा रहे हैं। इन परिवारों के लिए यह परंपरा बन चुकी है। जिसे हर पीढ़ी अपने कंधों पर लेकर चल रही है। यानी यह कहना गलत नहीं होगा कि जब जब देश के लिए बलिदान देने की बात आई है तो डुमरावाँ के युवाओं ने कभी पीठ नहीं दिखाई और भारत मां की आन, बान व शान के लिए हंसते हंसते शहादत का जाम पिया है। सेना के सभी अंग में तैनात हैं डुमरावाँ के जवान डुमरावाँ के युवा देश की सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

☞ **गांव और जिले का बढ़ा रहे मान-सम्मान :-** यहां के युवा देश के विभिन्न हिस्सों में देश सेवा कर मान बढ़ा रहे हैं। कोई आर्मी तो कोई सीआरपीएफ तो कोई पुलिस बल में अपनी सेवा दे रहे हैं। गांव के लोगों को यहां के युवाओं पर गर्व होता है, क्योंकि बड़ी तादाद मैं यहां सैनिक मौजूद है। यहां का बेटा राज्य के साथ देश का बेटा कोने कोने में नक्सलियों और आतंकवादियों से लोहा ले रहे हैं।

☞ **डुमरावाँ की बेटियां भी नहीं है किसी से कम :-** यदि डुमरावाँ के बेटियों की बात की जाए तो देश के प्रति सेवा भाव का जज्बा उनमें बेटों से कम नहीं है। राजेश शर्मा की बेटी संगम श्याम ने सीआरपीएफ में बतौर सब-इंस्पेक्टर पद पर पदभार संभाले हुए हैं।

☞ **एक ऐसा गांव जहां हर युवा देखता है देश सेवा का सपना :-** ऐसा गांव जहां हर युवा सेना में जाकर देश सेवा का सपना देखता है। युवा प्रतिदिन कठिन अभ्यास करते हैं। गांव के अभिभावक भी बच्चों की हर जरूरत को पूरा करते हैं ताकि वे अपने सपने को पूरा कर सके। रवि शंकर कुमार एवं संतोष दोनों भाई सीआरपीएफ में कमान्डेंट तो वहीं रमेश कुमार और राजेश कुमार दोनों भाई आर्मी सेना में क्लर्क पद पर देश की सेवा कर रहे हैं। रजनीश कुमार एसएसबी में इंस्पेक्टर, चंद्रा शेखर आजाद सीआरपीएफ, राजीव कुमार सीआरपीएफ, संगम श्याम सब-इंस्पेक्टर समेत दर्जनों अन्य देश की सीमा पर तैनात है। गांव के युवाओं में यह जज्बा इन्हीं सैनिकों ने भरा है। सपना पूरा हो, इसके लिए युवक दिनरात एक कर अभ्यास में जुटे रहते हैं। सुबह और संध्या पहर जब प्रैक्टिस के समय आमना-सामना होता है तो एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ मच जाती है। छुट्टियों में घर आने वाले सैनिक इन्हें प्रशिक्षित करते हैं। डुमरावाँ गांव के शिक्षाविद विपिन सिंह ने बताया कि गांव का बच्चा बच्चा देश सेवा का सपना देखता है। अपनी मेहनत के दम पर कई युवाओं ने मंजिल हासिल की है। आशा है यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। ●

38 बिहार बटालियन का मनाया गया स्थापना दिवस

● ललन कुमार

38 बिहार बटालियन एनसीसी बिहार शरीफ के प्रांगण में 38 बिहार बटालियन एनसीसी का स्थापना दिवस मनाया गया बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजीव बंसल ने केक काटकर 38 बटालियन का 59बा स्थापना दिवस मनाया। कर्नल बंसल ने बताया कि 1 फरबरी 1963 को 38 बटालियन एनसीसी बिहार शरीफ में स्थापित किया गया था। अभी इस बटालियन के अंतर्गत संपूर्ण नालंदा नवादा और पटना के बाढ़ एवं बख्तियारपुर तक आता है एवं इसके अंतर्गत 7 कॉलेज 17 स्कूल मिलाकर कुल 2650 (छात्र - छात्रा) का संख्या है और बटालियन स्तर पर 01 ऑफिसर,09 जूनियर कमीशन अफसर, 16 नन कमीशन अफसर,14 सिविल स्टॉप है एवं इस बटालियन के पहले कमांडिंग ऑफिसर मेजर ए के मुखर्जी थे। ज्ञात हो कि एनसीसी की स्थापना पंडित हृदयनाथ कुंजरू ने 1948 में की थी। आज एनसीसी विश्व का सबसे बड़ा वर्दीधारी संगठन है। 38 बटालियन स्थापना दिवस के अवसर पर सर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एनसीसी ऑफिसर पूर्व कैरेट और सिविल स्टाफ को राजीव बंसल ने सम्मानित भी किया सम्मानित होने वालों में अनुग्रह नारायण सिंह

बाढ़ के एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ अनुज कुमार, सरदार पटेल मेमोरियल कॉलेज बिहारशरीफ के एनसीसी ऑफिसर डॉ शशिकांत कुमार टोनी, कॉलेजिएट हाई स्कूल के केयरटेकर श्री चंद्र प्रसाद, पटेल कॉलेज के पूर्व सीनियर अंडर ऑफिसर बलवीर कुमार, जीडीएम कॉलेज हरनौत के पूर्व सीनियर अंडर ऑफिसर अंकित कुमार, प्रधान लिपिक विजय शंकर प्रसाद ,अखिलेश्वर कुमार आदि शामिल हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर कैप्टन डॉ अनुज कुमार ने पंडित हृदयनाथ कुंडू एवं सात शहीद का तस्वीर कमांडिंग ऑफिसर को भेंट की। सभी बच्चों में एनसीसी ऑफिसर आर्मी के जवान के साथ कमांडिंग अफसर कर्नल राजीव बंसल ने तस्वीर खिंचाई सभी के साथ केक खाया जलपान किया एवं चाय की चुस्की के साथ एनसीसी 38 बिहार बटालियन का इतिहास और स्थापना काल की खट्टी मीठी बातों को सभी के बीच शेयर किया इस अवसर पर सूबेदार मेजर बाबूलाल मल्ही सूबेदार धर्मेंद्र भारद्वाज, शाहनवाज खान, महेंद्र कुमार बुड्ढा ,धान बहादुर राणा, हवलदार प्रकाश, अनिल थापा, हेमंत गुरुंग, राजेश थमन, हीरा, राजकुमार के अलावा रवि, टुनटुन, दिवेश, अमन, डोली ,रिया ,अर्पिता आलिया, सुहाना सहित सैकड़ों एनसीसी कैडेट परेड इंस्ट्रक्टर स्टॉप एनसीसी ऑफिसर की उपस्थित में भारत माता की जय और 38 बिहार बटालियन की जय के नारे से बटालियन परिसर गूंज उठा। ●

खाकी

सुनसान सड़क पर,
जब अंधियारा शोर मचाता है,
तभी खाकी का दस्तक,
राहत सा दे जाता है।
दिन दुपहरी चौक चौराहा,
धक्का-मुक्की टे-टे-पे-पे के बीच,
जब खाकी नजर आता है।
राहत का सांस,
अपने आप गले उतर जाता है।
सज संवर इतराते इठलाते,
मेरे पग मनचलों से टकराते हैं
तभी खाकी का छलक,
साहस को दुगुना कर जाते हैं।
यह खाकी हैं।
दूरदराज अनदेखी डगड़ वाली,
बिटिया के तन पर जब चढ़ती है,
एक नहीं, दो दो परिवारों का,
बोझ अपने आप संभालती है।

प्रस्तुतिः- सरिता रानी

हर राज्य से पहुंचती है पुलिस
झारखण्ड का जामताड़ा बन गया नवादा

● **मनीष कुमार कमलीया/राजेश प्रसाद**

कभी सूफी-संतों की धरती के नाम से जाने-जाने वाले बिहार के नवादा जिले की पहचान अब साइबर अपराध के गढ़ के रूप में की जाने लगी है। यहां के अपराधियों की गिनती अंतरराज्यीय अपराधियों में होने लगी है। यही कारण है कि औसतन हर माह यहां दूसरे राज्य की पुलिस साइबर अपराधियों की तलाश में दस्तक देने आने लगी है। पिछले दो वर्षों में साइबर अपराध से जुड़ी जिले एवं पुलिस अनुमंडल पकरीबरावां में 30 से अधिक बड़ी घटनाएं सुर्खियों में रही। जिसमें 130 अपराधी गिरफ्तार किये गये। इनमें से 19 मामले ऐसे हैं, जो दूसरे राज्यों से जुड़े हैं। 19 में से 9 मामले 2020 एवं 10 मामले 2021 के हैं, जबकि 02 मामले 2022 के हैं। इन मामलों में शामिल अपराधी नवादा जिले से अधिक पकरीबरावां पुलिस अनुमंडल के हैं, परंतु इनका अपराध क्षेत्र दूसरे राज्यों में रहा। घर बैठे ऑनलाइन ठगी कर इन अपराधियों ने दूसरे राज्यों के लोगों को अपना शिकार बनाया और झांसा देकर विभिन्न बैंक अकाउंटों में इनसे राशि ट्रांसफर करा चपत कर दिया है।

★ इन राज्यों में अधिकांश घटनाएं :- जिन राज्यों के लोगों को यहां के अपराधी शिकार बनाते रहे हैं, इनमें से अधिकांश महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, झारखंड, यूपी, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्य शामिल हैं। पिछले दो वर्षों में इन राज्यों में ठगी की घटनाएं दर्ज करायी जा चुकी हैं। मोबाइल नंबर के सत्यापन और लोकेशन के आधार पर इन राज्यों की पुलिस अपराधियों की तलाश में नवादा पहुंचती रही है।

★ कोरोना काल में आयी तेजी :- साइबर अपराध की घटनाओं में कोरोना काल में काफी बढ़ोतरी हुई। खासकर इन मौकों पर ऑनलाइन खरीदारी व पेमेंट के कारण लोग अक्सर ठगी के शिकार होते रहे। ऑक्सीजन सिलिंडर और रेमडेसिविर इंजेक्शन के नाम पर भी जमकर ठगी की गयी। इनमें नवादा के अपराधियों का लिंक दिल्ली की साइबर सेल को मिला है। पुलिस कई बार नवादा आ चुकी है, परंतु अपराधियों का सही लोकेशन नहीं मिल सका है। मामलों में अभी भी जांच चल रही है। मामला करोड़ों की ठगी से जुड़ा है।

★ वारिसलीगंज एवं पकरीबरावां इलाका है सेफ जोन :- यूं तो जिले भर में साइबर अपराध की जड़ें पैठने लगी है और इनकी नस्लें भी तैयार होने लगी हैं। परंतु नवादा मुख्यालय से दूर वारिसलीगंज एवं पकरीबरावां का इलाका अपराधियों के लिए मुफीद और सेफ जोन बना है। वारिसलीगंज, काशीचक, शाहपुर और पकरीबरावां थाना क्षेत्र साइबर अपराधियों की फैक्ट्री बना है, जहां हर रोज नये अपराधी तैयार हो रहे हैं। इन इलाकों में बकायदा अपराधियों के लिए ट्रेनिंग सेंटर खोल रखे गये हैं, जहां इन्हें हर रोज अपराध के नये-नये ट्रेंड सिखाये जा रहे हैं। इनकी पाठशालाएं स्कूलों और कॉलेजों की बजाय गांवों की खेतों व बधारों में लगती है।

★ हर रोज तैयार हो रही नई अपराध शैली :- जिले में हर रोज साइबर अपराध की नई शैली तैयार हो रही है। चेहरा-पहचानो और इनाम पाओ से शुरू हुआ यह खेल अब लोन दिलाने से लेकर नौकरी दिलाने तक पहुंच चुका है। अपराधी कभी लोन दिलाने, पेट्रोल पंप दिलाने और कभी लॉटरी निकलने के नाम पर झांसा देकर लोगों को लाखों करोड़ों का चूना लगा रहे हैं।

★ इंटरनेट दे रहा अपराध को हवा :- साइबर अपराध को हवा देने का काम इंटरनेट कर रहा है। इंटरनेट के माध्यम से दूसरे राज्यों के उपभोक्ताओं और अभ्यर्थियों का नाम व पता संबंधित साइट पर सर्च कर अपराधी निकाल ले रहे हैं और संबंधित विभाग का अधिकारी बन इन्हें फोन कर इनका डिटेल्स बताकर उन्हें झांसे में लेकर ठगी कर रहे हैं। लैपटाप का काम अब एंड्रॉयड मोबाइल कर दे रहा है।

★ 2022 की बड़ी साइबर घटनाएं :-

☞ 15 फरवरी 2022 :- पकरीबरावां एसडीपीओ के नेतृत्व में स्वाट की एक टीम गठित की गई। इस बीच गठित टीम द्वारा तुरंत थालपोश में ट्यूबवेल के पास बगीचे में छापेमारी की गई। गांव के खेत में जमे साइबर अपराधी पुलिस को देखते ही भागने लगे। इस दौरान 33 अपराधियों एवं कई एलोक्ट्रॉनिक सामग्री को दबोचने में सफलता मिली।

☞ 14 फरवरी 2022 :- चकवाय पंचायत की नवनिर्वाचित मुखिया मृत्युंजय कुमार के विरुद्ध स्थानीय थाना में जालसाजी में संलिप्त होने की प्राथमिकी दर्ज थी। 27 दिसंबर 2021 को आरोपी मुखिया को शपथ ग्रहण करना था। जिसे गिरफ्तार के लिए पुलिस के अधिकारी प्रखंड कार्यालय में इंतजार करते थे। लेकिन गिरफ्तारी के भय से आरोपी मुखिया शपथ ग्रहण नहीं पहुंचे। वहीं 14 फरवरी 2022 को प्रखंड कार्यालय में शपथ ग्रहण के तत्पश्चात पुलिस ने आरोपी मुखिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

★ 2021 की बड़ी साइबर घटनाएं :-

☞ 24 दिसम्बर 2021 :- छत्तीसगढ़ पुलिस ने लाखों की धोखाधड़ी मामले में नवादा के इस्लाम नगर से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके विरुद्ध छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अम्बिकापुर थाने में मामला दर्ज था। आरोपित झारखंड के गिरिडीह जिले के गांडे थाना क्षेत्र के अहारडीह गांव के रहने वाले थे।

☞ 24 दिसम्बर 2021 :- अरवल जिले के कुर्था थाना की पुलिस टीम ने वारिसलीगंज थाना क्षेत्र की भेड़िया-फतहा गांव में छापेमारी कर एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से ढाई लाख रुपया कैश, मोबाइल, पैन कार्ड आदि बरामद किये गये। उसके विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज था।

☞ 23 दिसम्बर 2021 :- पुलिस ने वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के चकवाय गांव में छापेमारी कर धोखाधड़ी करने में जुटे 17 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 01 लाख 35 हजार 716 रुपये, 14 मोबाइल, 05 एटीएम कार्ड, 01 चेकबुक व 09 बैंक पासबुक व कई दस्तावेज बरामद किये गये।

☞ 23 दिसम्बर 2021 :- झारखंड साइबर थाने

की पुलिस ने वारिसलीगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या 20 स्थित पटेल नगर मुहल्ले में छापेमारी कर एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध झारखंड साइबर थाना कांड संख्या 47/21 है। उसके पास से दो मोबाइल, एटीएम कार्ड आदि बरामद किये गये।

☞ 11 दिसम्बर 2021 :- मुफस्सिल पुलिस ने तेतरिया बेलदारी गांव में छापेमारी कर धोखाधड़ी मामले में शामिल एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी की एक बाइक, एक लैपटॉप, तीन मोबाइल व 45 हजार रुपये कैश बरामद किये गये। वह साइबर कैफे के माध्यम से ठगी कर रहा था।

☞ 03 दिसम्बर 2021 :- नवादा की एसआईटी ने शाहपुर ओपी के भागवत बिगहा गांव में छापेमारी कर रंगेहाथ एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तीन एंड्रॉयड मोबाइल व एक कॉपी समेत कई दस्तावेज बरामद किये गये। इस मामले में कुल 15 अपराधियों को नामजद किया गया।

☞ 30 नवम्बर 2021 :- महाराष्ट्र की मुम्बई साइबर क्राइम ब्रांच की पुलिस ने 10 लाख की ठगी मामले में काशीचक थाना क्षेत्र के चंडीनावां व अकबरपुर थाना क्षेत्र के लखमोहना गांव में छापेमारी कर तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 35 एटीएम और 1.80 लाख रुपये नकद जब्त किये गये।

☞ 31 अक्टूबर 2021 :- झारखंड साइबर सेल की लातेहार जिले की पुलिस ने साइबर फ्रॉड के एक मामले में वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के कोचगांव और बाघी गांवों में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से पांच मोबाइल बरामद की गयी।

☞ 26 अक्टूबर 2021 :- महाराष्ट्र के नासिक उपनगर थाने की पुलिस ने 1.30 लाख की ठगी मामले में वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के भवानी बिगहा गांव में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से ठगी में प्रयुक्त मोबाइल व सिम के अलावा कई अन्य दस्तावेज भी बरामद किये गये।

☞ 05 सितम्बर 2021 :- मुफस्सिल पुलिस ने अकौनाडीह गांव स्थित एक साइबर अपराधी के घर पर छापेमारी कर 10 लाख 18 हजार 300 रुपये कैश, दो जिन्दा कारतूस, विभिन्न बैंकों के 14 एटीएम कार्ड, पांच पासबुक व चेकबुक, 15 पीस सोने के गहने तथा 07 मोबाइल बरामद किये। एक महिला गिरफ्तार की गयी।

☞ 12 जुलाई 2021 :- नगर थाने की पुलिस ने एटीएम स्कैन करने की कोशिश करते एक फ्रॉड को गिरफ्तार कर लिया। घटना तीन नंबर बस स्टैंड स्थित सेंट्रल बैंक एटीएम के समीप की है। उसके पास से एक स्कैनर व तीन एटीएम कार्ड बरामद किया गया। उसका एक साथी भाग निकला।

☞ 09 जुलाई 2021 :- हरियाणा पुलिस ने अपसढ़ गांव में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया था। इनके विरुद्ध हरियाणा के रोहतक सोनीपत पुलिस थाने में लग्जरी वाहन देने के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी का मामला दर्ज था। इनके पास से मोबाइल व सिम के अलावा कई दस्तावेज बरामद किये गये।

☞ 24 जून 2021 :- महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस ने लाखों की धोखाधड़ी मामले में वारिसलीगंज के चकवाय पंचायत की मीरबिगहा गांव में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से धोखाधड़ी में प्रयुक्त आधा दर्जन मोबाइल, एटीएम कार्ड व कई दस्तावेज जब्त किये गये।

☞ 01 जून 2021 :- महाराष्ट्र पुलिस ने करोड़ों की ठगी के मामले के मास्टर माइंड अंतरराज्यीय साइबर अपराधी पकरीबरावां थाना के हथियरी गांव के नीतीश कुमार को वारिसलीगंज से गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध औरंगाबाद साइबर थाने में पेट्रोल पंप के नाम पर एक व्यवसायी से 57 लाख ठगी का आरोप था।

☞ 07 मई 2021 :- आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) पटना ने ऑक्सीजन सिलिंडर व रेमडेसिविर के नाम पर ठगी मामले में वारिसलीगंज व शाहपुर ओपी क्षेत्र में छापेमारी कर सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से 47 हजार 250 रुपये नगद, 12 मोबाइल व कई दस्तावेज जब्त किये गये।

☞ 15 फरवरी 2021 :- उत्तराखंड की पुलिस ने कादिरगंज के ओहारी गांव में छापेमारी कर ठगी मामले में आरोपित एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। मामला एक महिला से नौकरी दिलाने के नाम पर 12 लाख की ठगी से जुड़ा था। देहरादून साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में कांड संख्या 25/2020 दर्ज था।

☞ 15 फरवरी 2021 :- हिमाचल प्रदेश की पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में आरोपित युवक को छापेमारी कर कादिरगंज के पटवासराय गांव से गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध बैंक में नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप है। मामले में दिल्ली, नोयडा, हिमाचल प्रदेश व पटना से सात अन्य गिरफ्तार किये गये।

★ 2020 की बड़ी साइबर घटनाएं :-

☞ 19 जनवरी 2020 :- यूपी के नोयडा के सिद्धार्थ नगर थाने की पुलिस ने शाहपुर ओपी क्षेत्र में एक साइबर अपराधी के घर पर छापेमारी की। अपराधी भाग निकला। पुलिस ने उसके घर की संपत्ति कुर्क कर ली। उसके विरुद्ध सिद्धार्थ नगर थाने में धोखाधड़ी के मामले में कांड संख्या 27/18 दर्ज था।

☞ 29 जनवरी 2020 :- हिमाचल प्रदेश की पुलिस ने पतंजलि कंपनी का एजेंसी देने के नाम पर 15 लाख की ठगी मामले में वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के अपसढ़ पंचायत की भवानीबिगहा गांव में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 9.97 लाख बरामद कर लिये गये।

साइबर अपराधियों के विरुद्ध पुलिस का शिकंजा कसा जा रहा है। हाल के दिनों में सैकडों साइबर अपराध से जुड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके गिरोह के काफी सदस्य पुलिस के टारगेट पर हैं। स्थानीय पुलिस के अलावा तकनीकी विंग भी इस पर काम कर रहा है।

सायली सावलाराम डी,
एसपी, नवादा।

☞ 01 फरवरी 2020 :- हिमाचल प्रदेश की पुलिस ने लॉटरी में लग्जरी कार निकलने के नाम पर 16.50 लाख रुपये की ठगी मामले में शाहपुर के पार्वती गांव से एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 1.05 लाख कैश, चार मोबाइल, लैपटॉप, सिम व एटीएम कार्ड आदि बरामद किये गये।

☞ 04 फरवरी 2020 :- हिमाचल पुलिस ने लॉटरी निकलने का झांसा देकर धोखाधड़ी के आरोप में वारिसलीगंज थाने के मकनपुर गांव में छापेमारी कर एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश के चम्बा थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज था।

☞ 05 फरवरी 2020 :- राजस्थान की जोधपुर पुलिस ने रजौली में छापेमारी कर पकरीबरावां थाना क्षेत्र के उसरी गांव के साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध नकली वेबसाइट बनाकर लोगों से धोखाधड़ी के आरोप में राजस्थान के जोधपुर थाने में मामला दर्ज था।

☞ 05 जून 2020 :- पुलिस ने वारिसलीगंज

थाना क्षेत्र के बाघी गांव से छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 14 मोबाइल, एक लैपटॉप, दो प्रिंटर, व एक अपाची बाइक बरामद की गयी। साथ ही विभिन्न राज्यों के ठगी का शिकार लोगों के नाम व मोबाइल नंबर आदि बरामद किये गये।

☞ 24 जून 2020 :- नगर थाने की पुलिस ने शहर के रेलवे स्टेशन के समीप स्थित एसबीआई के एटीएम से दो बदमाशों को धोखाधड़ी की कोशिश करते गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से विभिन्न बैंकों के 18 एटीएम कार्ड बरामद किये गये। दोनों ने गुरुग्राम व नवादा में दो घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की।

☞ 04 जुलाई 2020 :- यूपी पुलिस ने वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के कोचगांव पंचायत के कांधा गांव में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके विरुद्ध यूपी के फैजाबाद जिले के अयोध्या नगर थाना समेत अन्य थानों में ऑनलाइन धोखाधड़ी कर लाखों की हेराफेरी कर लेने के कई मामले दर्ज थे।

☞ 30 अगस्त 2020 :- छत्तीसगढ़ पुलिस ने डीआरडीओ के रिटायर वैज्ञानिक से 14.5 लाख ठगी मामले में वारिसलीगंज के चकवाय बलवापर व मीरबिगहा में छापेमारी कर पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 05.23 लाख कैश,दो लैपटॉप,19 मोबाइल,18 एटीएम कार्ड, सिम, पासबुक जब्त किये गये।

☞ 05 सितम्बर 2020 :- नवादा नगर थाने की पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 1. 82 लाख कैश व विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड समेत कई डायरी व अन्य दस्तावेज बरामद किये गये। तीनों वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के चकवाय- मीर बिगहा गांव के रहने वाले थे।

☞ 17 सितम्बर 2020 :- राजस्थान के अलवर जिले में साइबर ठगी मामले में पुलिस ने एक साइबर अपराधी को अकबरपुर के बाला बिगहा गांव से गिरफ्तार कर लिया। अपराधी पर अलवर के थाने में झूठे विज्ञापन के माध्यम से विभिन्न खातों में रुपये ट्रांसफर करा लेने का आरोप था।

☞ 19 दिसम्बर 2020 :- तेलंगाना पुलिस ने पेट्रोल पम्प का लाइसेंस दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी मामले में तीन साइबर अपराधियों को वारिसलीगंज थाना क्षेत्र की ठेरा पंचायत के जलालपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। इनके विरुद्ध 13.30 लाख की धोखाधड़ी मामले में गुद्दीपल्ली थाना में कांड संख्या 103/20 दर्ज था।

☞ 22 दिसम्बर 2020 :- वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के गंभीरपुर गांव में छापेमारी कर पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से चार लाख कैश, 12 मोबाइल, 06 एटीएम कार्ड और विभिन्न राज्यों के ठगी के शिकार लोगों के नाम व मोबाइल नंबर बरामद किये गये। ●

नवादा के अधिकांश गांवों में फैल चुका है हैलो गिरोह का नेटवर्क

● राजेश प्रसाद

नवादा जिले के पकरीबरावां पुलिस अनुमंडल क्षेत्र के अधिकांश गांवों में हैलो गिरोह के ठगों का नेटवर्क फैल चुका है। कई गांवो में संचालित हैलो गिरोह के प्रशिक्षण सेंटर में दूसरे राज्यों से मोटी रकम देकर मंगवाए गए उक्त राज्य के क्षेत्रीय भाषा के जानकार प्रशिक्षक होते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त युवा गिरोह से जुड़कर धंधा शुरू करते हैं। जो महज कुछ महीनों बाद दो या चार चक्के की लग्जरी वाहन का स्वामी बन जाता है। जिसे देख क्षेत्र के कम उम्र के लड़कों का आकर्षण हैलो गिरोह के प्रति बढ़ रहा है। क्षेत्र के कई धंधेबाज युवा बहुत ही कम दिनों में लखपति बन जाते हैं। कोरोना संक्रमण के बाद लागू हुआ लॉक डाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में रोजगार या मजदूरी करने वाले क्षेत्र के युवा घर लौट गए थे। जो धीरे धीरे गिरोह से जुड़कर मोटी कमाई का जरिया बना लिया है। वैसे युवा अब दूसरे राज्य में मजदूरी करने जाना नहीं चाहते हैं। इस कारण लॉक डाउन अबधि में प्रखंड के अधिकांश ग्रामीण इलाको में हेलो गिरोह का व्यापक प्रसार हो गया है। अनुमंडल क्षेत्र में कहाँ कहाँ सक्रीय है हेलो गिरोह:- पकरीबरावां थाना क्षेत्र के तलपोस, कोनन्दपुर, उसरी, हथियारी, बौढाना, पोकसी, केशौरी वारिसलीगंज प्रखंड के सोरहीपुर, कंधा, भवानीबीघा, भेड़िया, फतहा, बलबापर, चकवाय, अपसढ़, बाघी, गोसपुर, धनबीघा, जलालपुर, आजमपुर, कोचगांव, पैंगरी, बरनावा, मुर्गियाचक, सौर, बेलदारिया, गोडापर, दरियापुर, शेखपुरवा, मकनपुर, चंडीपुर, गोपालपुर समेत थाना क्षेत्र के अधिकांश गांवो में गिरोह अपना पांव पसार चुका है। गिरोह में 12 बर्ष से लेकर 40 बर्ष के युवक युवतियां इसे रोजगार के रूप में अपना कैरियर बना ठगी का नेटवर्क से जुड़ रही है।

कई प्रकार से होती है ठगी:-करीब दो दशक पहले तक नालंदा जिले कतरीसराय में आयुर्वेदिक दवाइयों के माध्यम से सफेद दाग के धब्बों को जड़ से समाप्त करने के नाम पर विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में विज्ञापन छपवाकर ठगी के धंधे का शुभारंभ हुआ। जो हाल के दशक में बढ़कर वारिसलीगंज इलाको के अलावे सीमावर्ती नालंदा, शेखपुरा तथा जमुई जिले के विभिन्न हिस्सों में हैलो गिरोह का रूप में बिस्तार हो गया है। इस बीच चेहरा पहचानो-इनाम पाओ, मोबाइल टॉवर, पेट्रोल पम्प आवंटन, एटीएम क्लोनिग, कार्ड लॉक हो जाने की सूचना देकर पीन की जानकारी, परीक्षा में अच्छे अंकों से पास करवाने, गैस एजेंसी दिलवाने, लॉटरी में जीत बताकर लग्जरी कारों आदि का प्रलोभन देकर बिहार समेत देश के अन्य राज्यो के लोगो को मोबाइल

फोन के माध्यम अपना शिकार बनाकर बैंक खाता में राशि मंगवाई जाती है। कहां होता है प्रशिक्षण:- पकरीबरावां थाना क्षेत्र के तलपोस, कोनन्दपुर, उसरी एवं वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के चकवाय, सोरहीपुर तथा पैंगरी गांव में वजाप्ता ट्रेनिंग सेंटर संचालित है। ट्रेंनिग कोई क्लास या हॉल में नहीं बल्कि खेत खलिहान या फिर बगीचे में एकत्रित होकर दिया जाता है। उक्त स्थान पर पुलिस नहीं पहुंच सके इसलिए संबंधित रास्ते पर एक पहरेदार होता है जो पुलिस आने की त्वरित सूचना उपलब्ध करवाता है। क्षेत्र के कम पढ़े लिखे युवा आठ से 10 दिनों का प्रशिक्षण बाद गिरोह द्वारा मोबाइल फोन एवं संबंधित व्यक्ति जिसे ठगना होता है उसका मोबाइल नम्बर देकर झांसे में फसाना होता है। खाते में आई राशि की निकासी में संबंधित बैंक एटीएम गार्ड से लेकर प्रबंधक तक गिरोह से मिले होते हैं। फलत: निकाली गई राशि में निर्धारित शेयर वितरित होता है।

पुलिस की दबिश होता है बेअसर:-करीब आठ बर्ष पहले पकरीबरावां के तत्कालीन एसडीपीओ रामपुकार सिंह के नेतृत्व में डीआईयू कई टीम ने वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के सोरहीपुर गांव को अहले सुबह घेर कर सघन छापेमारी किया था। जिसमें ठगी के आरोप में 27 ग्रामीण युवाओ को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। तब दो चार महीने गिरोह की सक्रियता मंद पड़ गई थी। उसके बाद पड़ोसी जिलों की विभिन्न थाना की पुलिस सहित 20 दिसम्बर 20 को ठेरा पंचायत की जलालपुर गांव से पेट्रोल पम्प आवंटन के नाम पर 14 लाख ठगी के आरोप में तेलंगाना पुलिस तीन युवाओ को गिरफ्तार कर साथ ले गई। जबकि 19 दिसंबर 19 को छत्तीसगढ़ के रायपुर की पुलिस खानापुर गांव के निक्कू कुमार के घर छापेमारी किया। 2019 में ही केरल पुलिस चकवाय निवासी एक युवक को मोटी रकम के साथ पटना से गिरफ्तार कर साथ ले गई। उससे पहले 2018 में गुजरात पुलिस वारिसलीगंज के चांदनी चौक के पास घर बना कर रह रहे दरियापुर निवासी कल्लू कुमार को मोटी रकम के साथ गिरफ्तार कर साथ ले गई। जबकि राजस्थान, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश आदि स्थानों की पुलिस सोरहीपुर, कंधा, मीरबीघा, चकवाय, अपसढ़ आदि गांवो में छापेमारी कर चुकी है। ●

मैना डीआईजी टोला में एलटीएफ की टीम ने की छापेमारी

● अब्दुल कय्युम

अररिया जिला में शराब माफियाओं के खिलाफ पुलिस व एन्टी लिकर टास्क फोर्स की टीम ने लगातार अलग अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी अभियान चला रही हैं। इसी कड़ी के तहत 21 जनवरी को गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ पुष्कर कुमार के नेतृत्व में एलटीएफ की टीम ने जिले के पलासी थाना क्षेत्र के मैना डीआईजी मुसहरी टोला में छापेमारी की। इस दौरान शराब की भठ्ठियों को भी नष्ट किया। जानकारी के अनुसार अररिया एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि मैना मुसहरी टोला में अबैध रूप से शराब की भठ्ठी चलाई जा रही हैं। सूचना के बाद एसडीपीओ पुष्कर कुमार, पलासी थानेदार शिव पूजन कुमार,जोकीहाट थानेदार घनश्याम कुमार, बैरगाछी ओपी अध्यक्ष मेनका कुमारी और एंटी लिकर टास्क फोर्स की टीम ने छापेमारी अभियान चालया। इस के क्रम शराब की भठ्ठियों को ध्वस्त किया तथा में करीब 300 लीटर कच्चा शराब को नष्ट किया गया। तथा 25 लीटर तैयार माल भी बरामद हुआ। छापेमारी के दौरान एक महिला एक पुरुष की गिरफ्तारी हुई है। एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने

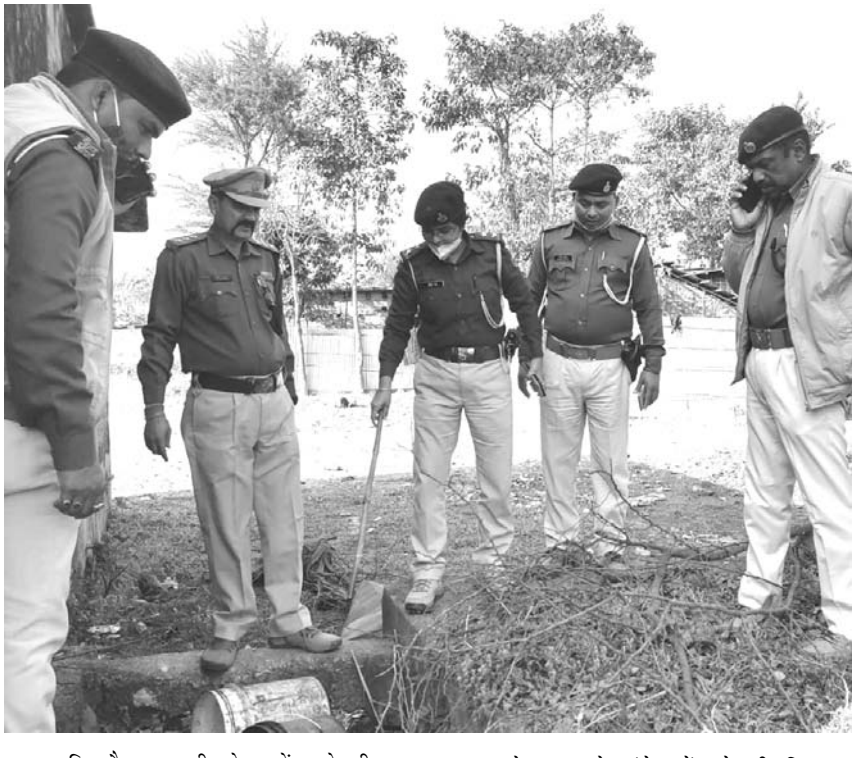

बताया कि मैना मुसहरी टोला में छापेमारी कर शराब की भठ्ठी को ध्वस्त करते हुए 300 लीटर देशी शराब को भी नष्ट किया। जबकि 25 लीटर शराब के साथ दो धंधेबाजों को भी गिरफ्तार किया गय्या। गिरफ्तार व्यक्तियों में कुंती देवी व मिट्टू ऋषिदेव शामिल हैं। ●

प्रदीप की गिरफ्तारी से सीमावर्ती क्षेत्र में लगेगा अपराध पर अंकुश

अपहरण जैसे संगीन घटना पर लगेगा विराम। खास बात यह कि नेपाल के बैंक प्रबंधक के अपहरण व एक करोड़ रुपये की फिरौती मामले में प्रदीप नेपाल जेल में सजा काट चुका है। गिरफ्तार अपराधी का गिरोह भारत-नेपाल सीमा के दोनों ओर अपराधिक घटना को अंजाम देता है। शातिर प्रदीप की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी उपलब्धि मान रही है। गिरफ्तार शातिर प्रदीप थानांतर्गत वार्ड संख्या 11 निवासी जगरनाथ विश्वास का पुत्र है। शातिर के पास से पुलिस ने एक लोडेड पिस्टल 1.9 किलोग्राम गांजा, 12 हजार 580 रुपये नगद, एक चोरी की बाइक सहित बाइक की तीन नंबर प्लेट भी बरामद किया है। प्रस्तु है धर्मेन्द्र सिंह की रिपोर्ट :-

फारबिसगंज पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय अपराधी प्रदीप कुमार विश्वास को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। विगत 20 जनवरी की रात शिक्षक शंकर कुमार मंडल के अपहरण एवं 20 लाख की फिरौती के मामले में पुलिस को प्रदीप की तलाश थी। गिरफ्तारी के भय से अपराधी पूर्णिया इलाके में अपराधिक घटना को अंजाम दे रहे थे। खास बात यह कि नेपाल के बैंक प्रबंधक के अपहरण व एक करोड़ रुपये की फिरौती मामले में प्रदीप नेपाल जेल में सजा काट चुका है। गिरफ्तार अपराधी का गिरोह भारत-नेपाल सीमा के दोनों ओर अपराधिक घटना को अंजाम देता है। शातिर के पास से पुलिस ने एक लोडेड पिस्टल 1.9 किलोग्राम गांजा, 12 हजार 580 रुपये नगद, एक चोरी की बाइक सहित बाइक की तीन नंबर प्लेट भी बरामद किया है। गिरफ्तार शातिर से पूछताछ के दौरान एसडीपीओ राम पुकार सिंह, थानाध्यक्ष एनके यादवेन्दु व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। अररिया एसपी श्री अशोक कुमार सिंह, ने कहा कि 20 जनवरी की रात शिक्षक का अपहरण फिरौती के लिए किया गया था। पुलिस ने उसी रात ताराबाड़ी खमगड़ा से एक अपराधी को गिरफ्तार किया था। अपहृत शिक्षक को सकुशल बरामद किया था। शातिर प्रदीप की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी उपलब्धि मान रही है। गिरफ्तार शातिर प्रदीप थाना अंतर्गत वार्ड संख्या 11 निवासी जगरनाथ विश्वास का पुत्र है। फारबिसगंज कॉलेज चौक से पुलिस ने उक्त केस के अभियुक्त प्रदीप कुमार विश्वास को गांजा, हथियार, चोरी के बाइक आदि के साथ गिरफ्तार किया है। प्रदीप नेपाल के एक अपहरण कांड में सात वर्षों तक नेपाल के जेल में सजा काट चुका है। वह माह महीने पूर्व ही जेल से बाहर आया था। प्रदीप के

प्रदीप के विरूद्ध स्पीडी ट्रायल कराकर सजा दिलवाई जाएगी, सभी पूर्व के जमानत को रद्द कराया जाएगा। यह बहुत शातिर अपराधी था इनकी गिरफ्तारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अशोक कुमार सिंह, एस.पी. अररिया

विरूद्ध स्पीडी ट्रायल कराकर सजा दिलवाई जाएगी। सभी पूर्व के जमानत को रद्द कराया जाएगा। यह बहुत शातिर अपराधी था इनकी गिरफ्तारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इनकी गिरफ्तारी से सीमावर्ती क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगेगा। अपहरण जैसे संगीन घटना पर विराम लगेगा। शिक्षक अपहरण मामले में अभी एक गिरफ्तारी शेष है जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। आपको बताते चले कि गिरफ्तार शातिर अपराधी प्रदीप कुमार विश्वास का नेटवर्क भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के अलावा अन्य कई जिलों में रहा है। सिर्फ फारबिसगंज थाना अंतर्गत उसके खिलाफ 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दर्ज मामलों में फारबिसगंज थाना कांड संख्या 405/2007, फारबिसगंज थाना कांड संख्या 252/2009 थाना कांड संख्या 523/2011 थाना कांड संख्या 52/2013, थाना कांड संख्या 53/2013, थाना कांड संख्या 54/2013, थाना कांड संख्या 124/12 एवं अन्य शामिल हैं। सभी में चोरी, लूट, अपहरण एवं एनडीपीसी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज है। वे कई मामलों में जमानत पर हैं जबकि कई जमानत के रद्द होने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इनके सभी जमानत को रद्द करवाने की बात कही है। इधर एसपी ने शिक्षक अपहरण मामले में अररिया और फारबिसगंज एसडीपीओ पुष्कर कुमार और राम पुकार सिंह की तारीफ की तथा गिरफ्तारी को लेकर पूरी टीम को पुरस्कृत करने की बात कही। ●

लाखों की चोरी मामले में जेबरात के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

● अब्दुल कय्युम

अररिया जिला के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड पथ पर राजा मार्किट स्थित एक गहना के दुकान में चौरो ने लाखों रुपया का गहना चौरी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अशोक कुमार सिंह ने मौके पर पहुच कर मामले की छानबीन की। इस क्रम में खोजी कुत्ते की भी मदद ली गयी। इस के बाद एसपी द्वारा एक टीम गठित की गई। गठित टीम में एसडीपीओ पुष्कर कुमार, मुख्यालय डीएसपी सुबोध कुमार, फारबिसगंज डीएसपी राम पुकार सिंह, सर्किल इंस्पेक्टर विश्वजीत कुमार, नगर थानाध्यक्ष कुमार अभिनव, बैरगच्छी ओपी अध्यक्ष मेनका रानी आदि को शामिल किया गया था। एसपी द्वारा गठित टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान और सीसी टीवी फुटेज के आधार पर चोरी में शामिल तीन चोरो को गिरफ्तार करने मे सफलता हाशिल की। घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने नगर थाना में पीसी के माध्यम से बताया कि पुलिस गहना जेवेलर्स के दुकान में चोरी के मामले में इस में शामिल तीन चोरो को पुलिस गिरफ्तार करने में सफलता पाई हैं। जिस में जोकीहाट थाना क्षेत्र के नईम, अररिया थाना क्षेत्र के सुफियान,पलासी सोनगरा के शहीद को गिरफ्तार किया गया हैं। एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने बताया कि घटना की रात की मोबाइल नंबर के आधार पर नईम को गिरफ्तार किया गया। नईम के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर सूफिया के घर से चोरी की कुछ जेबरात भी बरामद किया गया। एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने बताया घटना पांच लोगों ने मिलकर किया हैं। तीन की गिरफ्तारी हो चुकी हैं। घटना में शामिल दो अन्य को भी शीघ्र गिरफ्तार किया जायेगा। ●

डीएम-एसपी ने किया यातायात पुलिस चौकी का उद्घाटन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज बस स्टैंड के मुख्य द्वार पर डीएम डा. आदित्य प्रकाश और एसपी डा. इनामुल हक मेगनू ने फीता काटकर यातायात पुलिस चौकी का उद्घाटन किया। इसके बाद डीएम व एसपी ने आधुनिक उपकरणों से लैस मोबाइल गश्ती बाइकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएम डा. आदित्य प्रकाश ने कहा कि जाम की समस्या से निदान के लिए यातायात पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है। इसके अलावे शहर में दो और यातायात पुलिस चौकी का निर्माण किया जाएगा। बहुत जल्द गांधी चौक और फलचौक के समीप एक यातायात पुलिस चौकी खोला जाएगा। बहुत जल्द यातायात थाना किशनगंज मे खुलेगा। जिसको लेकर विभागीय पहल शुरु की जाएगी। यातयात थाना खुलने से लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगा। वहीं एसपी डा. इमानुल हक मेगनू ने बताया कि लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस चौकी खोला गया है। शहर में दो और यातायात पुलिस चौकी भी खोला जाएगा। यातायात पुलिस चौकी में फिलहाल इंस्पेक्टर स्तर के एक पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की गई है। साथ ही दो दर्जन पुलिस जवान की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। पुलिस चौकी में 24 घंटा पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। हाईवे या आसपास दुर्घटना होने पर एंबुलेंस का इंतजार ना कर मोबाइल बाइक पुलिस तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाएंगे। शहर में गश्ती के लिए आधुनिक उपकरण लगे पैंथर मोबाइल की शुरुआत की गई है। कुल 10 बाइक हैं। ये सभी बाइक आधुनिक उपकरणों से लैश हैं। इन सभी बाइक पर फास्टट्रैक कीट उपलब्ध हैं। छोटी मोटी दुर्घटना पर पुलिसकर्मी फास्टट्रैक देकर उन्हें अस्पताल पहुंचाएंगे। इन बाइकों पर जीपीएस भी लगे हुए हैं। इनकी निगरानी वरीय पुलिस अधिकारी करेंगे। पैंथर मोबाइल पूरे शहर का गश्त लगाएगी। यातायात पुलिस चौकी तो खोल दिया गया। लेकिन जाम की समस्याओं से निपटने के लिए जनसहयोग भी आवश्यक है। लोगों को स्वयं भी जागरूक होना पड़ेगा। इस दौरान एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी, मुख्यालय डीएसपी अजित प्रताप सिंह चौहान, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष हीरा पासवान, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष त्रिलोक चंद जैन, सर्किल इंस्पेक्टर श्याम किशोर यादव, इंस्पेक्टर राजेन्द्र प्रसाद, थानाध्यक्ष सतीश कुमार हिमांशु, यातायात प्रभारी विनय कुमार सिंह, पार्षद मोहम्मद कलीमुद्दीन, देवेन यादव, शफी अहमद आदि मौजूद थे। ●

अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए टीकाकृत होना अतिआवश्यक : सिविल सर्जन

निर्धारित लक्ष्य की तुलना 15 से 18 साल के 36 फीसदी किशोरों का हो चुका है टीकाकरण

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले में शतप्रतिशत टीकाकरण को ले चार दिवसीय टीकाकरण महाअभियान के प्रथम दिन 4000 से अत्यधिक लोगों ने टीकाकरण करवाया। सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में कोविड टीकाकरण महाअभियान में लोगों द्वारा टीकाकरण के प्रति रुचि दिखाई गई। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर ओमिक्रोन से बचाव एवं सुरक्षित रहने के लिए जिले में सोमवार से चार दिवसीय टीकाकरण महाअभियान का आयोजन किया गया है जिसमें 15-17 उम्र के छात्र-छात्राओं के साथ 18 वर्ष के अधिक उम्र के टीकाकरण से वंचित सभी लोगों को टीका लगाने के साथ स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कार्यकर्त्ताओं, फील्ड वर्करों एवं 60 आयुवर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गो को प्रीकॉशन डोज से टीकाकृत किया जा रहा है। हालांकि वैसे भी बुजुर्ग जो किसी न किसी गंभीर रोग से ग्रसित है उन्हें भी कोविड-19 टीकाकरण की प्रीकॉशनरी डोज दी जा रही है। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने जिले के सभी छात्र-छात्राओं के साथ स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं, फील्ड वर्करों एवं 60 आयुवर्ष से अधिक उम्र के गंभीर रोग से ग्रसित व्यक्तियों को समय पर अपनी प्रीकॉशनरी डोज लेने के लिए अपील की है।

☞ **अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए टीकाकृत होना अतिआवश्यक :-** सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने जिले के बुजुर्गो एवं उनके परिजनों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी अपने आस-पास के बुजुर्ग अभिभावकों को कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर ओमिक्रोन से बचाये रखने के लिए जरूरी है कि हम सभी को अपनी प्रीकॉशनरी डोज नियत समय पर आवश्यक रूप से लेनी चाहिए। क्योंकि हम भी समाज के कर्णधार हैं। हम सभी का कार्य ही कुछ ऐसा है कि हमें अपने दायित्वों के निर्वहन के क्रम में अधिक से अधिक लोगों से मिलना पड़ता है। ऐसे में यदि खुद ही संक्रमित हो गये तो फिर परिवार को संभालना मुश्किल हो जाएगा। वहीं 60 आयुवर्ष से अधिक उम्र के गंभीर रोग से ग्रसित व्यक्तियों से अपील की जा रही हैं कि वे लोग अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या टीकाकरण केंद्र पर जाकर अपना टीकाकरण अवश्य लगवा लें। ताकि खुद के साथ समाज को भी सुरक्षित रखने में सहभागिता सुनिश्चित कर सकें। वहीं अपने निकटतम सगे-संबंधियों को टीकाकरण को लेकर प्रेरित करें। जबतक आप सुरक्षित नही रहेंगे तब तक किसी और को सुरक्षित रखने में आप असमर्थता जाहिर करेंगे। इसलिए समय पर सभी लोग टीका जरूर लगा लें।

☞ **190 टीकाकरण स्थलों पर मेगा टीकाकरण अभियान का आयोजन :-** सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने बताया कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर ओमिक्रोन से बचाव एवं सुरक्षित रहने के लिए एवं टीकाकरण को गति देने के लिये जिलाधिकारी की अगुआई में चार दिवसीय महा टीकाकरण अभियान में जिले से कोरोना संक्रमण वायरस को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक भवन, स्कूल एवं महाविद्यालयों समेत कुल 190 टीकाकरण स्थलों पर मेगा टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया। जिले में लक्षित आबादी की लगभग 81.36 प्रतिशत आबादी को प्रथम डोज का टीकाकरण किया जा चुका है। जिलाधिकारी डॉ आदित्य प्रकाश ने कहा कि जिले में अबतक लगभग 16.65 (खबर लिखे जाने तक) लाख डोज से ज्यादा दिए जा चुके हैं। 9.57 लाख से अधिक लोगों को प्रथम तथा 6.97 लाख से अधिक लोगों को टीके की दूसरी डोज लगायी जा चुकी है। वहीं 8957 व्यक्ति को प्रीकॉशन डोज भी लगायी गयी है। जिलाधिकारी डॉ आदित्य प्रकाश ने महाअभियान में बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी निभाने के लिये आम जिलावासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिले के शत प्रतिशत लोगों का टीकाकरण से ही संक्रमण से विजय पा सकते है। उन्होंने बताया कि आगामी, 08, 10 एवं 12 फरवरी को भी राज्यव्यापी विशेष टीकाकरण अभियान संचालित किया जाना है। इस दौरान ऑन स्पॉट टीकाकरण को लेकर सभी जरूरी इंतजाम होंगे।

☞ **संक्रमण की तीसरी लहर से बचाव को लेकर बूस्टर डोज लेना जरूरी :-**सिविल सर्जन

महा-अभियान की सफलता के लिए डीएम ने आभार प्रकट किया

डीएम डॉ आदित्य प्रकाश ने जिलावासियों से शतप्रतिशत टीकाकरण के लिए चलाये गये कोविड-19 चार दिवसीय टीकाकरण महा अभियान की सफलता के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि आगामी परीक्षाओ को देखते हुए मैट्रिक एवं इंटर के ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। जिले में लोगों को महामारी से सुरक्षा प्रदान करने हेतु ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण के साथ टेस्टिंग किया जा रहा है जिससे समाज का और प्रशासन दोनों को ही लाभ होगा। बाहर से आने वाले यात्रियों की भी कोविड जाँच सुनिश्चित की जा रही है। समाज को कोरोना के तीसरी लहर से सुरक्षित रखने का एक मात्र उपाय टीकाकरण है। उन्होंने सामूहिक सहयोग से अभियान के शतप्रतिशत सफलता का महत्व बताया और इससे समाज का और प्रशासन दोनों को ही लाभ होने की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि समाज के लोग सुरक्षित रहेंगे तो उनके बीच काम करने वाले पदाधिकारी एवं कर्मी भी सुरक्षित रहेंगे। आम लोगों को संबोधित करते हुए उन्हें टीकाकरण के लिये जागरूक व प्रेरित करेंगे। इस दौरान ऑन स्पॉट टीकाकरण को लेकर सभी जरूरी इंतजाम होंगे। ताकि लाभुकों का टीकाकरण भी किया जा सके।

ने बताया जिले में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों, फील्ड वर्करों एवं 60 आयुवर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग को 10 जनवरी से बूस्टर डोज दी जा रही है। इसलिए सभी लक्षित लाभुक चाहे वह किसी भी गंभीर रोग से ग्रसित ही क्यों न हो वह अपने नियत समय पूरा होते ही अपना बूस्टर डोज लेने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या टीकाकरण केंद्र पर जाकर अपना टीकाकरण करा लें। ताकि समाज को सुरक्षित रखने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सके। क्योंकि जिले में टीकाकरण महाअभियान के तहत 15 से 17 वर्ष तक के युवाओं को टीकाकृत किया जा रहा है। वहीं 18 आयुवर्ष से अधिक उम्र के लाभार्थियों को टीके की पहली डोज एवं दूसरी डोज दी जा रही है। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गो को कोरोना की तीसरी लहर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बूस्टर डोज यानी प्रीकॉशनरी डोज लगाने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

जिले में कोविड-19 संक्रमण की तीसरी लहर के खिलाफ लड़ाई के लिए व्यापक पैमाने पर इंतजाम है। इस महामारी से लोगों को स्थाई निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। संक्रमण की गति को बढ़ावा नहीं मिले, इस उद्देश्य से जिले मे मंगलवार को मैट्रिक एवं इंटर के परीक्षार्थियों के टीकाकरण महा-अभियान का आयोजन किया गया है। जिले में मैट्रिक परीक्षा से पूर्व अधिक से अधिक किशोरों के टीकाकरण के उद्देश्य से चार दिवसीय विशेष अभियान के सफल रहा कुल 04 दिनों में 18 हजार से अधिक लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। कोरोना का टीका लेने वालों में 15 से 18 साल के किशोरों की भागीदारी अधिक देखी गयी। गौरतलब है कि 07 फरवरी से 12 फरवरी के बिच जिले में विशेस टीकाकरण अभियान चलाया गया था जिसका मकसद 15 फरवरी से आयोजित होने वाले मैट्रिक परीक्षा के पूर्व जिले में अधिक से अधिक किशोरों का शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देश पर विशेष टीकाकरण अभियान का संचालन किया गया था। 04 दिवसीय विशेष अभियान जानकारी देते हुए जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ मंजर आलम ने बताया कि अभियान के क्रम में 2699 किशोरों को पहला व 2974 को दूसरा डोज का टीका लगाया गया। टीकाकरण से जुड़ी उपलब्धि पर संतोष जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि जिले के किशोर कोरोना टीकाकरण को लेकर बेहद उत्साहित है। लिहाजा 15 से 18 साल के किशोरों के टीकाकरण को लेकर निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 36 फीसदी किशोरों का टीकाकरण संपन्न हो चुका है। लिहाजा किशोरों के शतप्रतिशत टीकाकरण को लेकर विभागीय स्तर से जरूरी प्रयास किये जा रहे हैं। इस क्रम में मैट्रिक परीक्षा से पूर्व अधिक से अधिक किशोरों के टीकाकरण को लेकर प्रयास किये जा रहे हैं। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने कहा कि वैक्सीन ना सिर्फ पूर्णतः सुरक्षित है बल्कि, इस घातक महामारी से बचाव के लिए काफी प्रभावी है। यही नहीं, कोविड से बचाव के लिए सबसे बेहतर और कारगर उपाय भी है। इससे ना सिर्फ कोई एक व्यक्ति विशेष सुरक्षित होगा बल्कि, पूरा समुदाय सुरक्षित होगा। सभी लोग खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे। अभियान के दौरान सभी टीकाकरण केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन वाइल की व्यवस्था रही। वहीं,ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी सुनिश्चित की गई थी। ताकि सभी लाभार्थी सुविधाजनक तरीके से वैक्सीन ले सकें और अधिकाधिक युवाओं का वैक्सीनेशन सुनिश्चित हो सके। सिविल सर्जन ने सभी जिलेवासियों से अनुरोध करते हुए कहा कि कृपया सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। मास्क का उपयोग करें। अनावश्यक रूप से भीड़-भाड़ इक्कठा न करें। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें एवं अपना तथा अपने परिवार का ख्याल रखें। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ मंजर आलम ने कहा कि अभियान की सफलता के लिये जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर जन जागरूकता अभियान का संचालन किया जा रहा है। एक अधूरा दो से टीकाकरण के पूर्ण होने का संदेश विभागीय अधिकारी व कर्मी जन-जन तक पहुंचाने के प्रयास में जुटे हैं। उन्होंने सामूहिक सहयोग से अभियान के शतप्रतिशत सफल होने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत शतप्रतिशत लोगों को कोरोना का टीका लगाने का लक्ष्य है। इसमें प्राथमिकता के आधार पर दूसरे डोज एवं प्रीकॉशन डोज का टीकाकरण संपन्न कराया जाना है। ●

अब तक वैक्सीनेशन का ग्राफ

कुल टीकाकरण	:	16,98,706
पहला डोज	:	9,69,778
दूसरा डोज	:	7,19,095
प्रीकॉशन डोज	:	9,833
15 से 17 आयु वर्ग	:	52,710
18 से ऊपर आयु वर्ग	:	16,30,059

अपराधियों ने दिया था डकैती की घटना को अंजाम

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले के कोचाधामन प्रखंड अंतर्गत मस्तलिया गांव में 02 फरवरी को 15-20 की संख्या में आये अपराधियों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया था। अपराधी नगदी, सोने चांदी के जेवरातों को लेकर फरार हो गए थे। जिसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही कोचाधामन थानाध्यक्ष सुमन सिंह ने अन्य थाना को सूचित कर दलबल सहित घटनास्थल पर पहुंच गए एव भागते हुए एक संदिग्ध को अपने गिरफ्त में लिया है। जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने अन्य पांच लोगों को तीन मोटरसाइकिल सहित अपने गिरफ्त में लेकर सघन पूछताछ में लगी थी।

रविवार 6 फरवरी को एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि 2 फरवरी को कोचाधामन थाना क्षेत्र के मस्तलिया गॉव में घटित डकैती की घटना का सफल उद्भेदन तथा घटना में संलिप्त 07 अपराधकर्मियों को लूटी गई राशि एवं जेवर के साथ गिरफ्तार किया गया है। कोचाधामन थानाक्षेत्र के मस्तलिया गॉव में 2 फरवरी की रात्रि समय करीब 11:30 बजे परमेश्वर प्रसाद साह पिता स्व० रामचन्द्र साह के घर पर अज्ञात अपराध कर्मियों के द्वारा हथियारके बल पर भय दिखाते हुये घर में रखे नकद रूपया, सोना, चॉदी का जेवरात की लूटपाट कर ली गई थी। इस घटना के संबंध में कोचाधामन थाना कांड सं०-38/22 दिनांक-03.02.2022 धारा-395/397 भा०द०वि० के अन्तर्गत दर्ज किया गया। आपको बताते चलें कि कांड के त्वरित उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक, डॉ एनामुल हक मेंगनु के दिशा निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अनवर जावेद अंसारी के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया। इस टीम में सदर थानाध्यक्ष, किशनगंज सतीश कुमार हिमांशू, कोचाधामन थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह, बहादुरगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार, पौआखाली थानाध्यक्ष एकबाल अहमद खां एवं तकनीकी शाखा के कर्मी सुमित कुमार एवं प्रमोद कुमार शामिल थे। उक्त टीम द्वारा आसूचना संकलन एवं तकनीकी अनुसंधान के सहायता से 07 संदिग्धो को पकड़ा गया। उनसे पूछताछ के क्रम में उन्होनें अपना नाम क्रमश लालबाबु, मो० मुस्तफा, हलीम, जाकीर, अफरोज, जुबैर, मो० अकबर बताया गया। पकड़ाये अपराधकर्मियों की निशानदेही पर लूटी गई राशि 27,500 रूपये, चाँदी का जेवर करीब 526 ग्राम, 08 मोबाईल फोन एवं घटना में प्रयुक्त 03 मोटरसाईकिल तथा लोहे का 03 औजार भी बरामद किया गया। पकड़ाये अपराधकर्मियों द्वारा बताया गया की घटना का मुख्य सरगना सुशील मोची है। एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी ने बताया कि मुख्य सरगना एवं शेष संलिप्तों की गिरफ्तारी तथा लूटी गई शेष सामानों की बरामदगी हेतु लगातार छापामारी किया जा रहा है।

★ बरामदगी :

- ☞ घटना में प्रयुक्त लोहे का औजार-03
- ☞ मोबाईल फोन-03
- ☞ मोटरसाईकिल-03
- ☞ चॉदी का जेवर-526 ग्राम
- ☞ 27,500 रूपया नकद

★ टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी :

- ☞ पु०नि० सतीश कुमार हिमांशु, थानाध्यक्ष किशनगंज।
- ☞ पु०अ०नि० सुमन कुमार सिंह, थानाध्यक्ष कोचाधामन।
- ☞ पु०अ०नि० संजय कुमार, थानाध्यक्ष बहादुरगंज।
- ☞ पु०अ०नि० एकबाल अहमद खां थानाध्यक्ष पौआखाली।
- ☞ सुमित कुमार एवं प्रमोद कुमार तकनीकी शाखा।

मिली जानकारियों के अनुसार बुधवार रात लगभग 11.45 की घटना बताई जाती है, जब मस्तलिया गॉव के व्यापारी परमेश्वर प्र. साह के घर पर 15-20 की संख्या में अपराधियों ने हमला कर दिया और दरवाजा तोड़कर घर के अन्दर घुस गये। इस दौरान कुछ अपराधी मकान के छत पर भी चढ़कर आसपास की निगरानी में लग गये। घर के अंदर घुसे अपराधियों ने जमकर लूटपाट और घर मालिक तथा संबंधियों के साथ मारपीट शुरु कर दिया। इस क्रम में गृहस्वामी परमेश्वर

प्रसाद, बेटा शिवराज, दीपक कुमार सहित गृहस्वामी को मारपीट कर जख्मी कर दिया। जिसे पुलिस ने इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोचाधामन भेजा है, जहाँ पॉच लोगों का उपचार किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शी अशोक कुमार एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने घटनास्थल पर बतलाया है कि घर में बच्ची की शादी के लिए परमेश्वर साह के द्वारा रखा 1.90 हजार, दीपक साह के पास से 1. 50 हजार एवं शिवराज से 60 हजार की नगदी लूट ली गई। वहीं घर की औरतों के शरीर में पहना सोने एवं चॉदी के जेवरात भी अपराधियों ने छीन लिये। जिसका वजन बताने में फिलहाल परिवार के सदस्यों ने असमर्थता जताया है। जबकि पुलिस के पहुंचने की सूचना मिलते हीं अपराधी इधर उधर से भाग निकले। कहा गया है कि कोचाधामन थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह को घटना की सूचना 11.57 पर दी गई और थाना से काफी दूरी पर मस्तलिया पहुंचने में थानाध्यक्ष ने बिजली की तेजी दिखाई और बगल के थाना को भी सूचना दी। जिससे बहादुरगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार, किशनगंज सदर थानाध्यक्ष सतीश कुमार हिमांशु, अंचल पुलिस निरीक्षक किशनगंज एस के यादव, अंचल पुलिस निरीक्षक अमर प्रसाद, धनपूरा टीओपी प्रभारी वीर प्रकाश अपने दलबदल के साथ घटनास्थल पर पहुंचने में भी देर नहीं किये। जिनके प्रयास से अबतक 07 संदिग्ध लोग पुलिस गिरफ्त में आये। वही 02.02.22 को जब किशनगंज के एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी मुख्यालय से बाहर थे को किशनगंज एसपी डॉ एनामुल हक मेंगनु का मस्तलिया डकैती कांड के शिध्र उद्भेदन का निर्देश फोन से मिला। फिर क्या था एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी अपनी लम्बी सफर को तयकर रात 08 बजे मस्तलिया गॉव पहुंच गये। जहाँ पिड़ित गृह स्वामी रामेश्वर साह एवं घायल परिजनों से मिलकर घटना की गहराई से जॉच की और कांड के शिध्र पर्दाफाश का आश्वासन देकर लौट गये। जहाँ इनके साथ थानाध्यक्ष कोचाधामन सुमन कुमार सिंह मौजूद थे। जिन्हें एसडीपीओ ने इशारे इशारे में कुछ बातें बतलाई और मुख्यालय के लिए रवाना हो गये। इसके साथ हीं एसपी श्री मेंगनु के द्वारा गठित एसआईटी ने आगे और तेज कार्रवाई शुरु कर दी। फलत: 06.02.22 को इस कांड का सफल उद्भेदन करते एसआईटी प्रमुख अनवर जावेद अंसारी ने टीम के साथ अपराधियों को गिरफ्तार कर किशनगंज एसपी को इसकी सूचना दी। जहाँ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के जरिये डकैती कांड के खुलासे की खबरें पूरे जिले में आग की तरह फैल गई। गौरतलब है कि ग्रामीण के मुताबिक गृह स्वामी बंधक के कारोबारी बतलाये गये हैं। जबकि इनके पुत्र दीपक सीएसपी संचालक हैं और भाई शिवराज के साथ मिलकर अनाज खरीद बिक्री का करोबार भी करते हैं। सूत्रों के मुताबिक पुलिस अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही थी जो कि घटित डकैती की घटना का ने SP के दिशा निर्देश पर SDPO अनवर जावेद अंसारी के नेतृत्व में एसआईटी ने सफल उद्भेदन तथा घटना में संलिप्त 7 अपराधीकर्मी को लूटी गई राशि, जेवर, तीन मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।●

सदर थाना पुलिस ने साइबर ठग को किया गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

सदर थाना पुलिस ने बैंक खाते से रुपए उड़ाने के मामले में एक फ्रॉड के आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई शहर के दिलावरगंज से की गई है। जहां आरोपी विष्णु चौहान पिता रमेश चौहान को पुलिस ने खाता से रुपए उड़ाने को लेकर कार्रवाई की है। आरोपी इस फ्रॉड को अंजाम देने में दिल्ली के एक दोस्त आकाश के साथ मिला हुआ था। पुलिस तफ्तीश में इसका खुलासा हुआ। गिरफ्तार विष्णु के मोबाइल से पुलिस को कई साक्ष्य हाथ लगे हैं। आरोपी के मोबाइल से पुलिस को 22 बैंकों के खाता नंबर मिले हैं। आरोपी का खुद का इलाहाबाद बैंक खाते को भी पुलिस ने जब्त किया है। खाते की जांच करने पर पता चला फोन-पे के माध्यम से निजी खाते पर ट्रांजैक्शन किया करता था। विष्णु को सबसे ज्यादा पैसा फोन-पे से मिला है। सदर थाना पुलिस ने साइवर सेल के मदद से साइवर ठग को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पूछताछ में आरोपी विष्णु ने बताया कि दिल्ली के दोस्त आकाश सिंह भी स्थानीय केला बगान किशनगंज का निवासी है। छठ पर्व के दौरान किशनगंज आए थे और इसी दौरान विष्णु से

दोस्ती हुई थी। दोस्ती होते ही दिल्ली के आकाश ने ऑफर दिया था। जिसमे कहा गया था लोगों के बैंक खाता नंबर उपलब्ध कराओं। जिससे ठगी कर पैसा भेजूंगा और उक्त रुपए में से दो हजार प्रति ठगी कॉल वाला रुपया तुम को देंगे और बाकी रुपया तुम फोन-पे के माध्यम से हम वापस कर देना। पुलिस के द्वारा पूछताछ करने पर विष्णु ने अपना जुर्म कबूल कर बताया कि अब तक कई लोगों को ठगी का शिकार बनाया है। लाखों रुपए लोगों के बैंक खाते से उड़ाए हैं। सदर थानाध्यक्ष सतीश कुमार हिमांशु ने कहा कि साइबर सेल की मदद से साइबर ठगी के आरोप में विष्णु चौहान को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में जुड़े कई लोगों के नामों का खुलासा किया है। टेक्निकल सेल की मदद से जांच व कार्रवाई जारी है। वहीं गिरफ्तार विष्णु के खिलाफ सदर थाना में आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर शनिवार को जेल भेज दिया। वही जिला पुलिस कप्तान डॉ इनामुल हक मेंगनु ने साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सभी एसएचओ को सतकर्ता बरतने को लेकर अहम निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अपने-अपने थाना क्षेत्र के साइबर ग्रुपों में जागरूकता का मैसेज डालेंगे। एसपी स्वयं भी मुख्य साइबर सेनानी ग्रुप में मैसेज डालकर लोगों से सतर्कता बरतने की अपील करते हुए बचाव के टिप्स भी बताए। साथ ही व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सप्ताह में एक बार ग्राफिक्स और छोटे वीडियो के माध्यम से लोगों के बीच जागरूकता फैलाना का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे मामलों में किसी के भी साइबर ठगी का शिकार होने पर पीड़ित व्यक्ति थाना तो जाते हैं लेकिन साइबर क्राइम करने वाले इतने शातिर होते हैं कि ऐसे मामलों के निपटारे को लेकर पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। कई बार तो ठगी का शिकार होने के बाद भी लोग मामला दर्ज नहीं करवाना चाहते हैं। जिले में भी ऐसे आधे दर्जन से भी ज्यादा मामले सामने आये हैं। एसपी डॉ. इनामुल हक मेगनू ने कहा कि ऑनलाइन खरीददारी के दौरान सतर्कता बरतनी चाहिए। सतर्कता बरतते हुए समय समय पर अपने बैंकिंग पासवर्ड को बदलते रहना चाहिए ●

आगाज संस्था के द्वारा शिविर का किया गया आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में आगाज इनिसेटिव संस्था के द्वारा रक्त की कमी से जूझ रहे लोगों की जीवन रक्षा के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक डॉ इनामुल हक मेंगनु ने फीता काटकर किया। रक्तदान के मौके पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि युवाओं व समाजसेवियों को रक्तदान के मौके पर आगे आना चाहिए। रक्तदान द्वारा रक्त की कमी से जूझते लोगों के प्राण की रक्षा होती है, इसलिए सभी लोगों को रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं है। सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अनवर आलम ने बताया कि दोपहर 2 बजे तक 12 यूनिट ब्लड डोनेशन द्वारा प्राप्त हुआ है। साथ ही 05 नेगेटिव यूनिट वाले व्यक्ति को अलर्ट मोड़ में रखा गया है। उन्होंने बताया कि ब्लड डोनेट करने से लोगों का स्वास्थ्य ठीक रहता है। शरीर मे नए खून का निर्माण होता है। दिल, ब्लड प्रेशर भी ठीक होता है। रक्तदान सिविर कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ इनामुल हक मेंगनु ने रक्तदान महादान को चरितार्थ करते हुए कहा कि रक्त की कमी से किसी भी असहाय, जरूरतमंद की मृत्यु न हो इसी के उद्देश्य से आगाज इनिसेटिव संस्था के युवाओं, व समाजसेवियों ने रक्तदान में हिस्सा लिया है। उन्होंने बताया कि रक्तदान में आम लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। लोग रक्त की कमी से जूझ रहे लोगों की प्राण रक्षा के लिए रक्तदान करें। इस दौरान उन्होंने बताया कि 18 से 60 वर्ष की आयु के स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान के पूर्व रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम द्वारा ब्लड लिया जाता है। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं।

रक्तदान सिविर में उपस्थित सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने बताया की रक्तदान द्वारा विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों के प्राण बचाए जाते हैं। आज आगाज इनिसेटिव संस्था के द्वारा रक्तदान सिविर का आयोजन काफी सराहनीय है उन्होंने कहा कि दुनिया में रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। साथ ही शरीर मे रक्त की पूर्ति के लिए अनार, चुकंदर, टमाटर, निम्बू, हरी साग, सब्जियों, मौसमी फलों के सेवन को खून की कमी दूर करने के सबसे बेहतर उपायों में से एक माना जाता है। जो लोग एनीमिया से पीड़ित होते हैं, उनके लिए चुकंदर बेहद ही फायदेमंद है। इसमें लोहे की अच्छी मात्रा पाई जाती है, साथ ही इसमें फाइबर, कैल्सियम, पोटैशियम, सल्फर और विटामिन भी होते हैं, जो शरीर में खून की कमी को पूरा करते हैं। आप चुकंदर को सलाद के रूप में भी खा सकते हैं या उसका जूस बनाकर भी पी सकते हैं।

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ मंजर आलम ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए समय समय पर रक्तदान आवश्यक है। रक्तदान करने से शरीर मे साफ स्वच्छ रक्त का निर्माण होता है। रक्तदान करने से दिल, ब्लडप्रेशर, सहित कई बीमारियों का खतरा कम होता है। वही रक्तदान से आत्मिक आनंद की सुखद अनुभूति होती है। मेरे द्वारा दिये गए रक्त से किसी मानव का जीवन तो बचेगा। इस अवसर उन्होंने लोगों से वर्ष में एक बार जरूर रक्तदान करने की अपील की। वही सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अनवर आलम ने बताया कि सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पर आज आगाज इनिसेटिव संस्था एवं सिमांचल की आवाज एवं सिमंचाल इंस्टिट्यूट के द्वारा रक्तदान सिविर का आयोजन किया गया जो काफी सराहनीय है। यहाँ लगभग हर ग्रुप के रक्त उपलब्ध हैं। जिससे रक्त की कमी से जूझते लोगों की मदद की जाती है। साथ ही रक्त कमी के गम्भीर मरीजों को मुफ्त में रक्त उपलब्ध कराया जाता है। वहीँ उन्होंने बताया कि ज्यादातर थैलेसीमिया के मरीज यहां रक्त की प्राप्ति करते हैं।

रक्तदान शिविर में पुलिस अधीक्षक डॉ इनामुल हक मेग्नु, सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अनवर आलम, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ मंजर आलम, एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी एवं आगाज संस्था के अध्यक्ष मो आसिफ रहमानी , उपाध्यक्ष बीयू ए अली, सचिव एस के आदिल बिन असद एवं अन्य शामिल थे, वही बीयू ए अली, सद्दाम अलीग, जियाउर रहमान, दिलशाद रहमान, मुनाजिर हुसैन, शहराज आलम, रितेश कुमार, एस के सिंह, अरसद हुसैन, मो० नफीस, एवं मनोज हासदा ने भी रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले को पुलिस अधीक्षक ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आज का शिविर सफल रहा तथा जिला के लोगों को यह मैसेज मिला कि किशनगंज के लोग पीड़ित मानवता की सेवा में काफी तत्पर हैं। रक्तदान शिविर में युवा पत्रकारों ने भी बढ़-चढ़ के भाग लिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोविड से बचने के लिए आवश्यक निर्देशों का पालन आवश्यक है। ●

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने पति का उतारा मौत के घाट

● धर्मेन्द्र सिंह

प्रेमी के साथ मिलकर पति की गला रेतकर मौत के घाट उतारने की साजिशों बाली, देशियाटोली हत्याकांड पार्ट 02 का किशनगंज पुलिस ने एसपी के नेतृत्व में किया पर्दाफाश। प्रेमी युगल की गिरफ्तारी के साथ, खेत में फेका गया गला रेतने बाला चाकू और दुपट्टा बरामद। आपको बताते चलें कि बहादुरगंज थानांतर्गत गुंजनमारी, वार्ड नं. 12 से सूचना मिलती है कि-किसी ने अनवर आलम का किसी ने गला काट दिया है। सूचना पाकर बहादुरगंज पुलिस घटनास्थल की जॉच कर वादी अयूब आलम के ब्यान पर थानाकांड सं०-28/22 को भा०द०वि० की धाराऐं 341, 323, 324, 307 एवं 34 को दर्ज किया गया। जिसमें वादी ने अपने दामाद अनवर आलम पर मो. रेहान एवं साथियों के साथ द्वारा हमला करने का उल्लेख किया था। कांड दर्ज होने के बाद प्राप्त सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के बाद इलाजरत जख्मी अनवर आलम का ब्यान विडियोग्राफी के माध्यम से लिया गया जो चौकाने बाला निकला और मामले में एक नया मोड़ आ गया। अनवर आलम ने बतलाया कि-घटना की शाम को इनकी पत्नी प्यारी बेगम ने फोन कर इन्हें शाम को दारुल उलूम चौक पर बुलाई और साथ लेकर स्टेडियम में जाकर बातें करने लगी। बातचीत के दरम्यान प्यारी बेगम ने अचानक पीछे से अपना दुपट्टा डालकर पति अनवर का मुंह ढक दिया। तथा छुपकर बैठे अपने प्रेमी मो. रेहान को जल्दी गला काटने को कही। रेहान ने अनवर पर हमला कर गला काटा जाने लगा तो अनवर ने भी जोर लगाकर अपने को छुडाने की कोशिश की। जहाँ जान बचाने की कोशिशों के बीच अनवर को अपनी पत्नी प्यारी की ऊंगली मिली जिसमें दॉत काटकर वह चिल्लाते निकल भागा। जहाँ से ग्रामीणों ने उसे इलाज के लिए बहादुरगंज अस्पताल पहुंचाया। जहाँ से बेहतर ईलाज के लिए उसे सदर अस्पताल किशनगंज लाया गया। जहाँ उसका ईलाज चल रहा है। आपको बताते चलें कि जख्मी अनवर की पत्नी प्यारी बेगम को गिरफ्तार कर पुलिस के द्वारा पूछताछ किया गया तो उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बतायी कि उनकी शादी दिनांक-06.08.2021 को अनवर आलम के साथ हुई थी। शादी के पूर्व से मो० रेहान आलम से इनकी बातचीत थी और ये शादी से खुश नहीं थी, जिसके कारण उन्होंने मो० रेहान के साथ मिलकर षड्यंत्र के तहत घटना को अंजाम दिया गया। तत्पश्चात मो० रेहान को गिरफ्तार कर पूछताछ किया गया। उन्होंने भी अपने जुर्म को स्वीकार किया एवं मो० रेहान की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू को खेत से बरामद किया गया है। किशनगंज पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक, एनामुल हक मेंगनु के निर्देश पर SDPO अनवर जावेद अंसारी के नेतृत्व में थानाध्यक्ष, बहादुरगंज संजय कुमार के द्वारा उक्त कांड में त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड का सफल उद्भेदन किया गया।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

एसडीपीओ ने जिले के सभी थानाध्यक्षों के साथ की बैठक

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी ने अपने कार्यालय में सभी थानाध्यक्षों के साथ गुरुवार को बैठक की। जिसमें शराबबंदी कानून को लेकर सभी थानाध्यक्ष व सर्किल इंस्पेक्टर को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून को कारगर बनाने के लिए प्रत्येक दिन वाहन जांच अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि शराब तस्करों

पर कार्रवाई को लेकर सीमा पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाएं। शराब तस्करों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखें। ऐसे तस्करों की सूची तैयार करें। किसी भी सूरत में तस्कर अपने मंसूबे में सफल न हो सके। बंगाल से आने वाले मालवाहक वाहन, बोर्ड लगी कार, निजी कार तक की जांच करें। एसडीपीओ ने कहा कि बच्चों व महिलाओं पर हो रहे अपराध पर अंकुश लगाया जाना है। विधि व्यवस्था के मद्देनजर संबंधित क्षेत्र के थानाध्यक्ष विशेष रूप से सतर्क रहेंगे। क्राइम मीटिंग में लंबित कांडों की समीक्षा की गई। जिसमें समय से कांडों के निष्पादन, वारंटियों की गिरफ्तारी आदि का निर्देश दिया गया। क्राइम मीटिंग में सर्किल इंस्पेक्टर श्याम किशोर यादव, थानाध्यक्ष एसके हिमांशु, ठाकुरगंज थानाध्यक्ष मोहन कुमार, ठाकुरगंज सर्किल इंस्पेक्टर सुनील कुमार, बहादुरगंज सर्किल इंस्पेक्टर अमर प्रसाद, दिघलबैंक थानाध्यक्ष सुनील कुमार, कोचाधामन थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह, पहाड़कट्टा थानाध्यक्ष आरिज अहकाम, कुर्लीकोर्ट थानाध्यक्ष बेदानंद कुमार, बहादुरगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार, पौआखाली थानाध्यक्ष इकबाल अहमद खां, गलगलिया थानाध्यक्ष नीरज कुमार निराला, पोठिया थानाध्यक्ष कुंदन कुमार, टेढ़ागाछ थानाध्यक्ष तरुण कुमार तरुणेश, महिला थानाध्यक्ष पुष्पलता कुमारी मौजूद थे। ●

यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर शहर का लिया जा रहा जायजा

● धर्मेन्द्र सिंह

सड़क को जाम मुक्त बनाने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद अब सड़क पर यत्र-तत्र वाहन पार्किंग करने वालों पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। शहर में मनमानी तरीके से वाहन लगाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस सदर पुलिस के सहयोग से अभियान चलाया जाएगा। शहर में बेवजह लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए यातायात पुलिस इसकी तैयारी में जुट गई है। बीच सड़क पर वाहन खड़ी करने वाले वाहन चालकों से अब जुर्माना की राशि भी वसूल की जाएगी। दो दिन पूर्व भी शहर के नेमचंद रोड के पास सड़क के बीच खड़े दो वाहन चालकों से जुर्माना वसूला गया है। यातायात प्रभारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर शहर का जायजा लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों का पालन किये जाने को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शहर में मनमानी तरीके से वाहन लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे वाहनों को जब्त कर जुर्माना की राशि वसूल की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक दिन अभियान चलाया जाएगा। हालांकि पुलिस द्वारा अवैध पार्किंग को लेकर अभियान चलाए जाने की तैयारी की जा रही है। लेकिन बाजार जाने वाले लोग पार्किंग स्थल के अभाव में अपनी गाड़ी कहां खड़ी करे यह चिंता का विषय है। ●

उदवंतनगर सीएचसी में स्थायी चिकित्सा पदाधिकारी नहीं

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर के उदवंतनगर प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में बीते ढाई साल से स्थाई चिकित्सा पदाधिकारी नहीं हैं। इतने दिनों से यह अस्पताल प्रतिनियुक्ति के डॉक्टर द्वारा प्रभार में चलाया जा रहा है। मूल रुप से पीरो के अगिआंव बाजार स्थित पीएचसी में स्थापित डॉ पीपी सिंह बीते ढाई साल से उदवंतनगर सीएचसी में प्रतिनियुक्ती पर हैं और चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर बने हुये हैं। लगातार इसकी सिकायत सिविल सर्जन से करने के बाद भी कोई बदलाव नहीं हो रहा है और नियमों को ताक पर रख कर ढाई साल से डॉ पीपी सिंह को उदवंतनगर सीएचसी का चिकित्सा पदाधिकारी बनाया गया है। जबकि नियनानुसार प्रतिनियुक्ति छह महिने से ज्यादा की नहीं होनी चाहिये और प्रतिनियुक्ति वाले डॉक्टर प्रभारी नहीं बनाये जा सकते हैं। सीएचसी में डॉक्टरों की कमी भी नहीं है। ऐसे में अस्पताल में स्वास्थ व्यवस्था से जुड़े कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अस्पताल में चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर से लेकर अन्य डॉक्टर व स्वास्थ कर्मी लगातार गायब पाये जा रहे हैं। ईलाज के लिये अस्पताल पहुंचे इलाके के लोगों को बेहतर स्वास्थ सुविधा नहीं मिल पा रही है। बता दें कि उदवंतनगर प्रखंड में एक मात्र सरकारी अस्पताल है, जिसे पीएचसी से सीएचसी करते हुये भवन विस्तार से लेकर अन्य सुविधाओं की आपूर्ति कराई गई। लोगों को सरकार द्वारा सभी तरह की सुविधायें

देने का प्रयास किया गया है। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी भी नहीं हैं, लेकिन डॉक्टर समय से रोस्टर के अनुसार ड्यूटी नहीं करते हैं। ऐसे में लोगों को स्वास्थ लाभ लेने में परेशानी हो रही है। बता दें कि बीते कुछ ही दिन पहले उदवंतनगर सीएचसी में दो नवजात बच्चों की मौत जन्म के कुछ ही देर बाद हो गई थी। घटना के बाद हंगामा भी हुआ था। उस वक्त भी अस्पताल में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी गायब थे और घटना के दो-तीन घंटे बाद पहुंचे थे। फिर अगले ही दिन एसीएमओ के निरीक्षण के दौरान भी चिकित्सा प्रभारी गायब पाये गये थे। उस घटना में भी अब तक किसी तरह की कोई कार्रवाई होने की जानकारी नहीं है।

☞ **दांत का ओपीडी बंद रहने पर बैरंग लौट जाते हैं मरीज :-** उदवंतनगर सीएचसी में स्थित दंत विभाग का ओपीडी लगातार बंद रहता है। लगातार दांत के डॉक्टर के अस्पताल नहीं आने से दांत के मरीजों को अस्पताल से बैरंग वापस लौटना पड़ता है। बता दें कि सीएचसी में दंत विभाग के डॉ विशाल कुमार स्थापित हैं जो सप्ताह में एक दिन आते हैं या लगातार गायब ही रहते हैं। अब ऐसे में दांत के मरीजों को बिना ईलाज कराये वापस लौटकर किसी प्राईवेट डॉक्टर से ईलाज कराना पड़ रहा है। हैरत की बात तब होती है जब लगातार गायब रहने वाले डॉक्टर पर सिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। इनको देख अन्य डॉक्टर भी समय से अस्पताल आने में आना कानी करते हैं। ऐसे में परेशानी तो इलाके के मरीजों को होती है।

☞ **बारह साल में एक साल हटे फिर करा ली पोस्टींग :-** उदवंतनगर सीएचसी में लेखा पाल के पद पर स्थापित संदीप कुमार बीते वर्ष 2008 में अस्पताल में पहली बार नियुक्त किये गये थे। उसके बाद लगातार 10 साल इस अस्पताल में रहने के बाद एक साल के लिये चरपोखरी सीएचसी भेजे तो गये थे। लेकिन फिर से इन्हें उदवंतनगर अस्पताल में ही पोस्टींग कर दी गई। तब से लेखा पाल संदीप उदवंतनगर सीएचसी में ही जमे हुये हैं।

☞ **प्रसव होने के बाद मांगी जाती है मोटी रकम :-** उदवंतनगर सीएचसी में किसी भी महिला के प्रसव होने के बाद ड्यूटी पर तैनात जीएनएम और एएनएम द्वारा नवजात बच्चे की मां या परिजनों से दो से पांच हजार रुपये तक जबरन मांगी जाती है। रुपये नहीं देने पर बच्चे को उसकी मां को नहीं देती हैं। इसकी सिकायत भी लोग सीएचसी में जांच के दौरान आये अधिकारी से कर बैठे थे। हालांकि तब मौजूद जीएनएम ने इस बात से इंकार किया था। ●

मुख्यमंत्री कार्यक्रम से संबंधित मामले में पदाधिकारियों द्वारा बरती जा रही लापरवाही

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के सरकारी कार्यालयों के कर्मी बेलगाम हो गए हैं। आम जनता के कार्यों को न तो सही से निष्पादन कर रहे हैं न ही अपने वरीय अधिकारियों के आदेश का अनुपालन।ऐसे में कहा जा सकता है कि सरकार के कर्मी सरकार के आदेश की धज्जियां उड़ा रहे हैं। जनता के दरबार मे मुख्यमंत्री कार्यक्रम में ऐसे सैकडों मामले सामने आए है जहां सरकारी कर्मी द्वारा जानबूझकर परेशान करने का आरोप लगा है। भोजपुर जिले के नव गठित नगर पंचायत गड़हनी का अभिन्न अंग तीन घरवा टोला को संपर्कता प्रदान करने के लिए जिले के सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार अविनाश कुमार जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से गुहार लगाए थे। जिसके बाद परियोजना पदाधिकारी सह उप निदेशक नगर विकास एवम आवास विभाग पटना के द्वारा पत्रांक 1277 दिनांक 22 सितंबर 2021 को कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत गड़हनी को पत्र भेजकर दो सप्ताह के अंदर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के लिए निदेशित किया गया था। साथ ही उसकी एक प्रति आवेदक अविनाश कुमार को देने की बात कही गई थी। चुकी जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में जो भी मामले आते हैं उसे निष्पादन करके पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। चार माह बीत जाने के बावजूद सबंधित मामले में नगर पंचायत गड़हनी के कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा आवेदक को प्रतिवेदन की कॉपी उपलब्ध नहीं कराई गई है न ही जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम पोर्टल पर कोई प्रतिवेदन अपलोड है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिम्मेवार अधिकारी द्वारा जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में आने वाले सबंधित मामले जिन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता देना है उसे कैसे नजर अंदाज किया जा रहा है।

उस स्थिति में आम जनता के साथ क्या होता होगा इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। मिली जनाकारी के अनुसार आवेदक अविनाश कुमार द्वारा जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बीते वर्ष 15 जुलाई को आवेदन किया गया था। जिसके बाद 20 सितंबर 2021 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष उन्होंने भोजपुर जिले के नगर पंचायत गड़हनी के तीन घरवा टोला तक पक्की सड़क व रास्ते मे पड़ने वाले नदीं में पुल निर्माण की मांग की थी। जिसके बाद नगर विकास विभाग द्वारा एक्शन लेते हुए नगर पंचायत गड़हनी से प्रतिवेदन की मांग की गई थी। बावजूद प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराया गया। जिसके बाद विभाग के नोडल बिनोदानंद झा द्वारा प्रथम स्मार पत्र पत्रांक 1411 दिनांक 08-10-2021 को एवम द्वितीय स्मार पत्र 1697 दिनांक 29 नवम्बर 2021 कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत गड़हनी को भेजकर कृत कार्रवाई का अनुपालन प्रतिवेदन की मांग की गई है। आवेदक सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार अविनाश कुमार ने इस मामले में केवल सच को बताया कि जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम महज एक दिखावा है। उन्होंने कहा कि आजादी के सात दशक बीत जाने के बाबजूद भोजपुर जिले के गड़हनी का तीन घरवा आज भी संपर्कता प्रदान नहीं कि गई है। ऐसे गंभीर मसले को लेकर जनता के दरबार में मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया गया बावजूद सड़क व पुल निर्माण तो दूर इनके कर्मी जांच प्रतिवेदन देना मुनासिब नहीं समझते हैं। जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि जब तक तीन घरवा टोला को पक्की सड़क व रास्ते मे पड़ने वाली नदी में पुल का निर्माण नहीं कर दिया जाता संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि लापरवाह कर्मी पर कार्रवाई एवम अविलम्ब सड़क व पुल निर्माण की मांग को ले अगिआंव विधायक मनोज मंजिल को विधानसभा पटल पर उठाने की मांग की गई है।●

कुशवाहा बीज एवं लक्ष्मी खाद भंडार पर हो सकती है कार्रवाई

गड़हनी के दो खाद दुकानदारों पर कार्रवाई को लेकर बीडीओ बीरेन्द्र कुमार के द्वारा डीएम को अनुशंसा भेजा गया है।बीडीओ के अनुसार गड़हनी के दो खाद दुकानदार कुशवाहा बीज भंडार व लक्ष्मी खाद भंडार के द्वारा 11 व 12 जनवरी को युरिया का उठाव आरा मिल रोड के लक्ष्मी फर्टिलाइजर से यूरिया किया गया था। कुशवाहा बीज भंडार के द्वारा 250 बोरा यूरिया का उठाव किया गया था जबकि लक्ष्मी खाद भंडार के द्वारा 300 बैग यूरिया का उठाव किया गया था। उक्त दोनों दुकानदारो पर कालाबाजारी का आरोप लगाते हुए बीडीओ के पास शिकायत की गई थी। शिकायत मिलने के बाद बीडीओ ने कृषि समन्वयक मो० निजामुद्दीन अंसारी के द्वारा स्टॉक का जांच कराया। जांच के दौरान पाया गया कि बिना स्टॉक सत्यापन कराये यूरिया की बिक्री कर दिया गया है। जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद बीडीओ ने डीएम को पत्र लिखकर दोनों खाद दुकानदारों पर कार्रवाई की अनुशंसा की है।

रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह

पुलिस अधीक्षक ने 73वें गणतंत्र दिवस पर किया झंडोत्तोलन

● गुड्डू कुमार सिंह

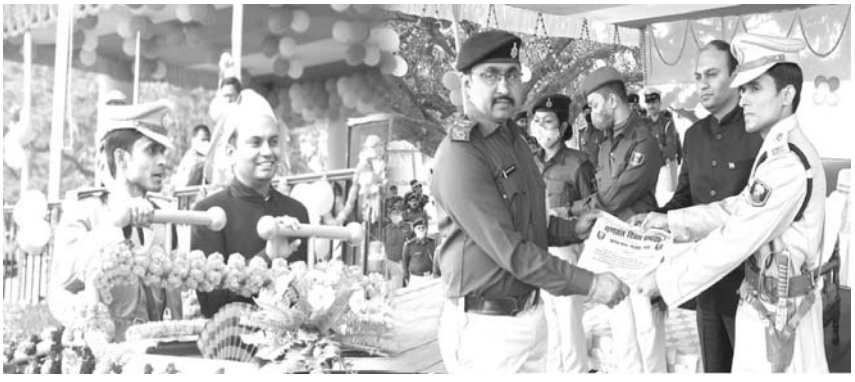

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस केंद्र भोजपुर में करोना रोकथाम प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए जिला पदाधिकारी एवं जिला के अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी ने झंडोत्तोलन किया। इस समारोह में भोजपुर पुलिस के 6 टुकड़ियों के द्वारा उत्कृष्ट एवं शानदार परेड का प्रदर्शित किया गया। परेड का नेतृत्व एवं प्लाटून परेड का प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न प्लाटून को पुरस्कृत किया गया। जिसमें विशेष रूप से महिला प्लाटून की नेतृत्व करने वाले पुलिस अवर निरीक्षक प्रियंका कुमारी गुप्ता को 5000 रुपया की नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। हाल के दिनों में घटित कई संवेदनशील घटनाओं को तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर आवेदन करते हुए अपराधियों के गिरफ्तारी साथ ही पंचायत चुनाव के सफल समापन मादक पदार्थों के कारोबार के विरुद्ध कारगर कार्रवाई हो पूर्व की तुलना में आरा शहरी क्षेत्र के यातायात में अपेक्षित सुधार की भी चर्चा की गई। भविष्य के लिए भी अपराध नियंत्रण विधि व्यवस्था साधारण एवं यातायात व्यवस्था को और शुभम तथा सुचारू बनाने की दिशा में कार्य करने का लक्ष्य रखा गया। नागरिकों से सरकारी संपत्ति की सुरक्षा अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था में पुलिस को सहयोग करने का अपील किया गया। गणतंत्र दिवस की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए पुलिसकर्मियों एवं आम नागरिकों को संविधान के बारे में कार्य करने का एवं संविधान द्वारा सौंपे गए दायित्वों का निर्वाहन करने की अपील की गई। सुरक्षा दायित्व एवं सेवा भाव बनाए रखने हेतु सभी पुलिसकर्मियों को संकल्प दिलाया गया। मद्य निषेध कम्युनिटी पुलिसिंग सूचना संकलन विधि-व्यवस्था साधारण एवं कारगर छापेमारी तथा सराहनीय कार्य के लिए बज्र कंपनी सीव आईवएवटीव तथा डीवआईव यूव टीम के अतिरिक्त नवादा थाना के सव अव नी व कैसर अली, उमेश मंडल, कृष्णगढ़ थाना, चरपोखरी थाना, अध्यक्ष प्रशांत कुमार एवं गीद्या ओपी थाना अध्यक्ष पुवअव नीव पूनम कुमारी, को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया इसके अतिरिक्त पुलिस केंद्र आरा में प्रशिक्षण पा रहे 3 प्रशिक्षुओं को अनुशासन तथा लग्नशीलता के लिए एवं इनके अनुदेशक हवलदार बिहारी तिवारी को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।●

किन्नरों के दरवाजे पर अपराधियों ने किया फायरिंग

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के सरैया में रविवार की रात किन्नरों के दरवाजे पर अपराधियो ने फायरिंग की। घटना से नाराज किन्नरों ने सोमवार की सुबह आरा सरैया मुख्य मार्ग को आगजनी कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। घटना कृष्णगढ़ थाना इलाके के सरैयां की है। जहां सरैयां में एक साथ रहनेवाली किन्नरों के घर के बाहर बीती रात असामाजिक तत्वों ने पहले पटाखा छोड़ा और फिर दरवाजे पर हवाई फायरिंग करते हुए भाग निकले। जाम कर रही किन्नरों के मुताबिक घटना से डर कर सभी किन्नर रात में ही कृष्णागढ़ थाने पहुंचे जहां पुलिस ने उन्हें उनके साथ किसी के मजाक किए जाने की बात कहते हुए वापस लौटा दिया। इसी बात से नाराज होकर सोमबार की अहले सुबह ही 50 से ज्यादा की संख्या में किन्नरों ने सरैयां बाजार को आगजनी कर जाम कर दिया और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। नाराज किन्नरों के मुताबिक स्थानीय बदमाश अक्सर उन्हें परेशान करते हैं और बीती रात भी उन्होंने उनके घर का बाहर आकर फायरिंग की जिसकी सूचना देने के बाद भी पुलिस ने उन पर कार्रवाई करने की जगह उन्हें वापस लौटा दिया। सड़क जाम कर रही किन्नरों ने स्थानीय बदमाशों पर कार्रवाई न किये जाने और मौके पर एसपी-डीएम को बुलाने की मांग करते हुए सड़क जाम और प्रदर्शन किए जाने की बात कही। फिलहाल मौके पर जाम जारी है। गाड़ियों की लंबी कतार लग गई है। जिससे लोगो को काफी परेशानि हो रही है। मौके पर पहुंची पुलिस किन्नरों को समझाने का प्रयास कर रही है लेकिन किन्नर मानने को तैयार ही नही हैं।●

बेहतर कार्य के लिए विजय कुमार को मुख्यमंत्री शिवराज ने किया सम्मानित

● गुड्डू कुमार सिंह

भारत देश मे जब भी स्वच्छ शहर की चर्चा होती है तो मध्यप्रदेश के इंदौर का नाम सबसे पहले लिया जाता है। इंदौर पांच वर्षों से लगातार देश मे सबसे साफ सुथरा शहर के नाम का खिताब इंदौर लेता आया है। शहर को सुंदर व स्वच्छ बनाने में स्वच्छता कर्मी व शहर वासियों का भरपूर सहयोग रहता है। इंदौर शहर के स्वच्छता कर्मियों को सही दिशा देने में फीडबैक फाउंडेशन इंदौर नगर निगम के मैनेजर विजय कुमार लांजीवार का अतुलनीय योगदान रहा है। देश के 73 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नेहरू स्टेडियम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विजय कुमार लांजीवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। प्रशस्ति पत्र इंदौर नगर निगम को स्वच्छ सर्वेक्षण 2021, वाटर प्लस सर्वेक्षण, सेवन स्टार रेटिंग कार्यों में उत्कर्ष प्रदर्शन के लिए दिया गया है। बता दें की विजय कुमार लांजीवार मध्यप्रदेश, बिहार सहित देश के कई राज्यों को खुले में शौच से मुक्त कराने में समुदाय के व्यवहार परिवर्तन गतिविधियों का नेतृत्व कर चुके हैं। विजय कुमार मूल रूप से मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिला के सबसे ज्यादा आदिवासी बहुल्य ब्लॉक हराई के मूल निवासी हैं। विजय कुमार को सम्मानित होने पर भोजपुर के सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार अविनाश कुमार राव ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि फीडबैक फाउंडेशन के विजय सर के नेतृत्व में भोजपुर को खुले में शौच से

मुक्त कराने में अतुलनीय योगदान रहा है। ●

प्रखण्ड परिसर गड़हनी में किसान करेंगे धरणा-प्रदर्शन

● गुड्डू कुमार सिंह

उर्वरक खाद के वितरण में हो रही कालाबाजारी व किसानों को सही समय पर खाद उपलब्ध नहीं कराये जाने को लेकर राजद किसान के अध्यक्ष सुरेश सिंह के नेतृत्व मे राजद का एक प्रतिनिधिमंडल प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी से मिल ज्ञापन सौंपा। इस दौरान राजद प्रखण्ड अध्यक्ष रफी रिजवी ने कहा कि किसानो को समय से खाद नही मिलना बहुत बड़ी समस्या का कारण बनती जा रही है।

कृषि पदाधिकारी से बार-बार मिलने के बाद भी किसानों को सही समय पर खाद उपलब्ध नही कराया गया और ना ही कालाबाजारी रुक रही है। कृषि पदाधिकारी से मिलकर एक अल्टीमेटम दिया गया है अगर 10 फरवरी के पहले तक उर्वरक खाद की सही वितरण नहीं हुआ तो 11 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय जनता दल गड़हनी प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेगा।

जिसकी सूचना बिडिओ गड़हनी को भी दिया गया।इस मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, जिला सचिव भिखारी राम, किसान राजद अध्यक्ष सुरेश सिंह, उपप्रमुख धर्मेंद्र सिंह, पंचायत समिति सदस्य हरेंद्र सिंह, विजय यादव बलिगाँव सहित कई किसान उपस्थित थे।●

मुआवजे की मांग को लेकर किया गया सड़क जाम

● गुड्डू कुमार सिंह

सड़क हादसे में जख्मी युवक की इलाज के दौरान आज हुई मौत के बाद लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। देर शाम आरा के गायत्री मंदिर के पास हुए आगजनी और जाम की वजह से दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लग गई.घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है। जब मौलाबाग निवासी मनीष पाल अपनी बाइक से वापस घर लौट रहा था तभी दूसरे बाइक ने उसे ठोकर मार दी जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई । घटना के बाद आरा सदर अस्पताल में इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया जहां आज इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों सहित अगिआंव विधायक मनोज मंजिल के नेतृत्व में माले नेताओं ने गायत्री मंदिर के पास की सड़क को जाम कर दिया और आगजनी करते हुए मुआवजे की मांग करने लगे। काफी देर के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और आरा सीओ ने मृतक के परिजनों को पारिवारिक लाभ की राशि देते हुए मुआवजे की राशि जल्द देने का आश्वासन देते हुए जाम हटवाया। ●

स्वच्छता और सुशासन की दौर में हो चरपोखरी

प्रखण्ड को सुचारू एवं सुदृढ़ तरीके से चलाने के लिए सबसे अहम है समय-समय पर बैठक आयोजित करवाना एवं उसमें मीडिया की उपस्थिति भी जरूरी है, क्योंकि मीडिया के बिना कोई भी बैठक अधूरा ही रहता है। ये बातें जिला भोजपुर के चरपोखरी प्रखण्ड प्रमुख **रामचंद्र सिंह यादव** ने केवल सच पत्रिका प्रतिनिधि **मणिभूषण तिवारी** एवं **अनिल कुमार पाठक** से साक्षात्कार के दौरान बतायी। आगे और भी उन्होंने कई प्रश्नों का जवाब दिया। प्रस्तुत है उसके अंश :-

★ बैठक में मीडिया की भूमिका क्यों जरूरी है?

बैठक में अधिकारी क्या कहते हैं, जन प्रतिनिधि क्या कहते हैं एवं उनकी जनता के कार्य में कितनी संवेदना है, इसको आइना के रूप में मीडिया ही उजागर करती है। इसलिए मीडिया के बिना कोई भी बैठक अधूरा है।

★ प्रखण्ड परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता की देखभाल कौन करता है?

ये जिम्मेवारी तो प्रखण्ड एवं अंचल के सभी कर्मचारी, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि का है। परन्तु, अभी हाल ही में पंचायत चुनाव संपन्न हुआ है और मैंने अभी ठीक से कर्मचारी- पदाधिकारी को समझा नहीं तो पहली बैठक में ही साफ-सफाई एवं स्वच्छता की बात होगी ताकि किसी को शिकायत का मौका ना मिले।

★ आप अपने प्रखण्ड के जन वितरण के दुकानदारों से सप्लाई विभाग में काम करने वाले कर्मियों के क्रिया-कलापों से भलिभांति परिचित है। कोरोना काल में सरकार ने उपभोक्ताओं को डबल राशन वितरित करने का आदेश दिया है, परन्तु लोगों को उनका पूरा राशन नहीं मिलता है। ये व्यवस्था कैसे और कब सुधरेगी?

मैं प्रखण्ड प्रमुख होने के हैसियत से आपको बता देना चाहता हूं कि दोषी लोगों को सस्पेंड करने का अधिकार सरकार ने सिर्फ सरकारी पदाधिकारियों को दे रखा है। अगर यह अधिकार जन प्रतिनिधियों को मिल जाये तो मेरा प्रखण्ड क्या, पूरा बिहार सुधर जायेगा।

★ राशन कार्ड से हजारों कि संख्या में कार्डधारियों का नाम हटा दिया गया है, जैसे कि एक राशन कार्ड में एक परिवार के 5 या 7 लोग है तो उसमें से दो या तीन लोगों का नाम हटाया जा चुका है। इसका जिम्मेवार आप किसको मानते हैं?

इसका पता लगाना थोड़ा मुश्किल काम है परन्तु नामुमकीन नहीं है। लेकिन सिर्फ पता लगा लेना ही समस्या का समाधान नहीं है। दोषी लोगों पर कार्रवाई करने का भी अधिकार होना चाहिए प्रखण्ड प्रमुख को।

★ आपके प्रखण्ड परिसर में किसान भवन का मेन गेट का पीलर क्षतिग्रस्त है। क्या ये किसी को दिखाई नहीं देता या फिर किसी हादसे का इंतजार हो रहा है?

इसपर सभी का ध्यान होना चाहिए, परन्तु मैं धन्यवाद देना चाहता हूं मीडिया को, जो बने-बिगड़े की सभी पहलुओं को आइना दिखाकर हमें जागरूक करने का प्रयास करते हैं। इस मुद्दे को भी बैठक में शामिल किया जायेगा।

★ दाखिल खारीज मामले में कई राजस्व कर्मचारी घूसखोरी की सीमा पार करते हुए अनेक लोगों को वर्षों से घूमा रहे हैं? क्या इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए?

बिल्कुल कार्रवाई होनी चाहिए। परन्तु ये अधिकार किसके पास है ये बात किसी से छुपी नहीं है और आप भी जानते हैं कि जनप्रतिनिधि सिर्फ एक मुखौटा के तरह कार्य करता है। हम लोग जनता के प्रतिनिधि हैं परन्तु जरूरत इस बात की है कि सरकार और कानून हमें कुछ और अधिकार दे ताकि सरकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में और मदद मिल सके।

★ आपके प्रखण्ड परिसर में एक पुस्तकालय भी है जो कि कई महीनों से बंद पड़ा है, इसके पीछे क्या कारण है?

इस मामले को बैठक में शामिल किया जायेगा और मैं तो कहता हूं कि ऐसा पुस्तकालय प्रखण्ड के हर गांव में हो। इससे समाज के कई लोग लाभान्वित होते हैं। ये एक गरीब लोग एवं बच्चे-बुजर्गों से लेकर तमाम उन लोगों के लिए वरदान साबित होगा, जिनको पठन-पाठन में रूचि है।

★ यूरिया खाद की कालाबाजारी कैसे थमेगी?

सरकार ने चाहा तो सब संभव है। मैं इस पर ज्यादा क्या कहूं। सरकार चलाने वाले लोग या सरकारी कर्मचारी या साफ शब्दों में कहूं तो किसानों को भरमाने और फुसलाने तथा धमकाने और उनका शोषण कार्य सदियों से हो रहा है, परन्तु सुशासन का ढ़ोल पीटने वाले लोगों को ये भी सोचना चाहिए की सही मायने में लोगों पर शासन करना ही सुशासन या फिर उनके दर्द को समझना भी सुशासन है। क्या लाचारी और बेरोजगारी को थोपना सुशासन हो सकता है।

★ आप ऐसा क्या करने वाले हैं, जो अब तक के किसी प्रखण्ड प्रमुख ने ना किया हो?

मैं चाहता हूं कि जिस तरह ओ.डी.एफ. घोषित भोजपुर जिला का पहला प्रखण्ड चरपोखरी बना था, उसी प्रकार स्वच्छता एवं सुशासन के दौर में भी चरपोखरी प्रखण्ड पहला प्रखण्ड घोषित हो।

नम आंखों से माँ शारदे की प्रतिमा का विसर्जन

प्रखण्ड क्षेत्र के पुरानी बाजार शिव मंदिर गडहनी ब्लॉक रोड उतरपट्टी गाँव सहित विभिन्न स्थानो पर रखे गये माँ शारदा की प्रतिमाओं का विसर्जन बनास नदी गडहनी मे किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के अनुसार वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा अर्चना के बाद खोईछा भराई का कार्यक्रम सम्पन्न किया तत्पश्चात सोमवार को बाजे गाजे के साथ विसर्जन किया। विसर्जन जुलुस में शामिल छात्र छात्राओ द्वारा माँ शारदा की जयघोष करते हुए प्रतिमाओं के साथ नगर के सभी प्रमुख मार्गो का भ्रमण किया गया। विसर्जन जुलुस मे शामिल लोगों द्वारा किये जा रहे जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस दौरान डीजे के धुन पर बच्चे झुमते नजर आये। मूर्ति विसर्जन के दौरान छात्र छात्राओ मे एक गजब का उत्साह देखा गया। जुलूस गाँव के एक छोर से दुसरे छोर होते हुए अन्त मे गाँव से पुरब स्थित बनास नदी पहुंचा जहाँ माँ सरस्वती की दिन के दो बजे तक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना छमा प्रार्थना किये जाने के बाद देवी देवताओं की प्रतिमाओं को नदी में विसर्जित कर दिया गया। मूर्ति विसर्जन में शक्ति ओझा, नीरज गुप्ता, कुन्दन सोनी, दीपक केशरी, दीपक सोनी, समर गुप्ता, राजेश सोनी, विश्वजीत ओझा, गोलू चंदन, मधुकर कुमार, कमेन्द्र सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने नम आँखो से विदाई दी गई। **रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह**

कोरोना की कहर पर साबित खिदमत की कड़ी नजर

● बिन्ध्याचल सिंह

'तो हरा के छोडा के छोड ब'' उपयुक्त भोजपुरी वाक्य उस वक्त चरितार्थ होते पायेंगे जब साबित खिदमत फाउन्डेशन के द्वारा कोराना काल में बक्सरवासीयो की विपति काल में परमार्थी सोच के साथ आम जनता की रोजमर्रा की वस्तुऍ उपलब्ध कराते आ रहे है। जरा सोचिये–20 मार्च 2020 से पुरा भारत बंद कमरा में जिंदगी जीने के लिये मजबुर था वही साबित खिदमत फाउन्डेशन के चिकित्सकीय परिवार शहरवासियो को घर–घर राशन व मास्क उपलब्ध कराते रहे। ऐसा नही की पुरे विश्व पर महामारी आई तो फाउन्डेशन जिले–वासियो को अपनी मानवता का परिचय देता है बल्कि कडाके की ठंढ में भी साबित खिदमत फाउन्डेशन हर जरूरतमंद को कम्बल व अलावा बॉटते देखा जाता है। सितम्बर के अंक में केवल सच ने 72 नम्बर पृश्ठ पर साबित खिदमत की खबर को प्राथमिकता से प्रकाशित किये थे जो जिले के विभित्र जगहो से प्राप्त हुई थी। प्रिय पाठकगण पिछले अंक में जानकारी दी जा चुकी है कि साबित खिदमत के द्वारा चौकिया गॉव में पेय जल कि व्यवस्था की गई है। महीना के प्रत्येक ग्यारह तारीख को साबित खिदमत फाउन्डेशन के निर्देशक द्वारा अन्न के साथ आवश्यक वस्तुऍ भी जरूरतमंद को उपलब्ध कराते रहते है। आपको बताते चले

कि जिस प्रकार जिला प्रशासन अपनी कर्तव्यनिष्ठता मे लापरवाही नही करता उसी प्रकार साबित खिदमत के निर्देशक डॉक्टर दिलशाद आलम अपनी परमार्थी सोच और मानव सेवा में लापरवाही नही करते यही वजह है कि उनकी कार्य जिला व बिहार से बाहर निकलकर फिल्मी हस्तियॉ तक पहुॅच चुकी है। जिसका प्रमाण दिनांक–25/08/2021 को पटना के होटल लेमन ट्री में एक आयोजीत कार्यक्रम में देखने को मिला। आपको बातते चले कि 13 व 14 फरवरी को केवल सच प्रतिनिधि ने साबित खिदमत के निर्देशक डॉक्टर दिलशाद अहमद से विस्तृत जानकारी के लिये चीनी मिल स्थित अस्पताल परिसर में दस्तक दिये थे,परन्तु महाशय की व्यवस्तता के कारण विशेश जानकारी प्राप्त नही हुई। एक जानकारी के अनुसार साबित खिदमत फाउन्डेशन में बहुत दूर–दूर के रोगी अपनी स्वास्थ्य कामना लेकर आते है और स्वस्थ्य होकर ही जाते है। दूर–दूर से आने वाले रोगीयो में पश्चिम से उतर प्रदेश के बनारस, पुरब में बिहार के गया जिला, दक्षिण मे सासाराम, कोचस दिनारा जबकि उतर में बलिया वैसे बलिया तो मानो कि बक्सर का अंग ही है। अन्त में आपको को बताते चले कि साबित खिदमत फउन्डेशन के सचिव साबित रोहतास्वी जी है। ●

शतक में शवदाह पंजीयन रसीद बक्सर

● बिन्ध्याचल सिंह

'सा रे माझी पागल तो है तो पतवार बदल के का होइ'' उपयुक्त मुहावरा जिला प्रशासन के उपर तब चरितार्थ होते पायेंगे जब जिलाधिकारी महोदय के द्वारा आहुत कि गई विभागीय समीक्षात्मक बैठक के दौरान जिला के पदाधिकारीयो के द्वारा धरातल की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। अर्थात दुसरे शब्द में–समीक्षात्मक बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय को धरातल की जानकारी उपलब्ध न कराना ही जिला में भ्रष्टचार का कारण है। प्रिय पाठकगण आपलोगो को बताते चले कि बक्सर जिला अन्तर्गत भ्रश्टचार की सुची में सबसे उपर कृषि विभाग, भु–अर्जन आईसीडीएस, डीआरडीए और अंचल कार्यालय है। इतना ही नही उद्यान विभाग,जिला भू–अर्जन और डीआरडीए सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 की हडी–पसली एक कर देते हैं। जिसका प्रमाण जिला उधान कार्यालय के पत्रांक–304, 434, 346, 485, 348, 432, 389–2021 जिला भू–अर्जन के पत्रांक–212और1578–2021 एवं डीआरडीए पत्रांक–1889,2213–2021 और इन सभी भ्रष्टचारी विभागों का गृरू नगर परिषद्, बक्सर है। जहॉ शव पंजीयन रसीद के लिये 30रू. की जगह पर 100रू. ली जाती है वो भी तानाशाह बनकर, जिसका प्रमाण शवदाह पंजीयन रसीद संख्या–156288 जिसके निर्गत कर्ता उपेन्द्र पाण्डेय जी है।

जिसपर दिनांक 31/12/2021 अंकित है। 31/12/2021 के रात्रि जब भावदाह पंजीयन रसीद के लिये काउन्टर पर पहुॅचा तो 30रू. की रसीद देखकर मैंने 30रू. पॉकेट से आदरणीय पाण्डेय जी को देने लगे तो उन्होने कहा कि 100रू0 दिजीए मैने कहा–30रू. की रसीद है। इस पर उन्होने अपनी दी हुई कलम मेरे हाथो से लेते हुये रसीद की कॉपी ऐसे बन्द किये मानो भारतीय सेना दुश्मनो पर आक्रमण कर रही है। कुछ तर्क–वितर्क के बाद मै जैसे ही 100रू. की नोट पाण्डेय जी को दी मानो पाण्डेय जी वैसे टुट पडे जैसे गुड पर चींटीया। रसीद लेने से पहले मैंने कहा–इसकी जानकारी जिलाधिकारी महोदय को सुबह दे दुॅगा, इस शब्द को सुनते ही पाण्डेय जी की चेहरा थोडी मुरझाई परन्तु दुसरा शब्द मैंने कहा इसकी जानकारी कार्यपालक पदाधिकारी, बक्सर को भी दुगॉ इस शब्द पर खडे एक व्यक्ति ने कहा–प्रत्येक महीना बीस हजार देना पडता है। वैसे आपको जिला के किसी भी पदाधिकारी को जानकारी देना है तो दे सकते है। ●

आतंरिक सुरक्षा एवं लॉ एण्ड ऑर्डर को बिगाड़ने की साजिश

● ललन सिंह

भरकाऊ बयानो, अवसरवाद की राजनीति, चुनावी माहौल में अराजकता, भ्रष्टाचार का दीमक, नेताओं में विचारधारा की कमी, सच बात यह है की चुनाव के समय जनसेवा के आड़ में सियासत को पेशा बनाकर सत्ता स्वार्थ की पूर्ति के अवसरवादी राजनीतिक दलों की घोषणाएं विशेषकर चुनाव के अवसर पर लोक लुभावन घोषणाएं एक तरफ से भ्रष्टाचार एवं रिश्वत ही जैसा है एवं आम जनता के आंखों में धूल झोंकने जैसा ही है। इसके साथ एक खतरनाक साजिश विदेशी ताकतों का, जिसमें पाकिस्तान और उनसे आईएसआई साथ पाले हुए आतंकी संगठनों, जिसमें लश्कर, जैश, हिजबूल और अब हाल के दिनों में अलकायदा, हक्कानी और तालीबानियों के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष साथ भारत के आंतरिक सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। भारत में कुछ संगठन और राष्ट्रविरोधी लोगों का इनके साथ एवं समर्थन का प्रयास भी खतरनाक एवं विशेषकर पांच राज्यों के चुनावी राजनीति को लेकर सामाजिक एवं आपसी प्यार और भाईचारे साथ ही आंतरिक सुरक्षा एवं लॉ एण्ड ऑर्डर को बिगाड़ने की रणनीति पर आधारित प्रयास होते नजर आ रहे हैं। मर्यादा की रेखा को पार करके हर राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा नफरती भाषणों से देश का लोकतंत्र और आम जनमानस पर कष्टदायक हालात का सामना करना पड़ रहा है। जहरीले बयानों से एक-दूसरे समुदाय को चोट पहुंचता है, पर ऐसा विदित होता है कि सरकारी तंत्र जान बुझकर चुप्पी साध लेता है, जबकि भड़काऊ एवं जहरीले बयानों पर कानूनी कार्यवाही की आवश्यकता है, जो देशहित में जरूरी है।

एक बात साफ है कि राजनीति, समाज और देश को दिशा देने के उद्देश्य पर कार्य करती है, पर सच यह है कि देश की राजनीति वोट और सत्ता पर काबिज होने के लिए लोगों में विभाजनकारी तौर-तरीकों को जाति, धर्म के आधार पर प्रभावित करने के प्रयास में है। इस बात को झुठलाया नहीं जा सकता। समस्या देश में केवल आर्थिक भ्रष्टाचार का ही नहीं है बल्कि देश में जातिगत, धर्म और क्षेत्रवाद के नाम पर बांटकर अपने वर्चस्व को कायम करने का प्रयास चुनावी एवं हर स्तर की राजनीति पर कब्जा की कोशिश हो रही है, जिससे कुछ लोग इसका लाभ नेता और कुछ लोग जरूर उठाते हैं। किंतु समाज के बड़े तबके और सामान्य लोगों को क्षति ही उठानी पड़ती है। सरकार के नीति और कार्यक्रमों पर सही तौरपर जमीनी स्तर पर लोगों को फायदा नहीं मिल पाता और इसका परिणाम देश की उन्नति में बाधक बन रहा है। हमारे देश के राजनेता चाहे कितने भी दावे करते रहे पर सच यह भी है की बड़ी तादाद में ऐसे नेता हैं जो हर दल में आर्थिक एवं नैतिक कदाचार में लिप्त हैं। हालांकि हमारे माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगातार निर्देशों एवं न्याय निर्णयों से भ्रष्टाचारी एवं कदाचार और कानून के विपरीत कार्यों में संलग्न लोगों को सक्रिय राजनीति में मौका न दिया जाये के आदेश के बावजूद हमारे राजनीतिक दलों द्वारा सत्ता के स्वार्थ के कारण

पूरी तौरपर इस तरह लोगों से दूरी नहीं बना पाते, कारण केवल चुनावी राजनीति की जीत की वजह और गारंटी।

भड़काऊ भाषणों से चाहे वह जाने में हो या अनजाने में, उसका दुष्परिणाम देश को भुगतना होता है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन, आंदोलन से सत्ता पक्ष की कमियां और गलतियों पर सुधार हेतु दबाब बनता है, इसमें कोई शक नहीं है। यह भी बात सच है कि सत्ता पक्ष एवं विरोधी पक्ष के संवाद से ही शांति एवं सौहार्द साथ ही देश में विकास के गति में तेजी आयेगी एवं दोनों पक्षों की खाई को भी पाटा जा सकता है, जो लोकतंत्र के लिए बेहतर मार्ग को प्रसस्त करता है। पिछले समय में विधानसभा और संसद, इन महत्वपूर्ण स्थानों पर केवल हंगामा और दलीय आरोप-प्रत्यारोपों और आक्रमक बयानबाजी ही देखने और सुनने को मिला। इस हालात और माहौल से समय की बर्बादी एवं देश के सर्वोच्च सदनों एवं प्रतिनिधियों पर आर्थिक व्यय से कुछ भी हासिल नहीं हुआ। सच यह भी है कि आम आदमी ही इन मुल्यों को चुकाता हुआ दिखा, क्योंकि जिसके विकास के लिए इन प्रतिनिधियों को चुनकर भेजा, उनके द्वारा सकारात्मक कोई भी कार्य होता नहीं दिखा और आम जनता ठगा सा एवं लाचार सा अपने आप को महसूस कर रहा है। इस हालात का जिम्मेदार कौन है? इस पर सभी नेताओं एवं रारजनीतिक दलों को जरूर विचार करना होगा, क्योंकि सवाल तो उठता है देश के जन-मानस के सोच में।

जब भी आज के अवसरवादी राजनीति की बातें होती है, तो वंशबादी राजनीति पर चिंता होना भी स्वभाविक है। लगभग देश के हर राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय दल हो या क्षेत्रीय, राजनीतिक दल कमोवेश यह वंशवादी पारिवारिक समस्या सभी दलों में अपना पैर जमा चुका है। सक्रिय राजनीति में यह समस्या कोढ़ के समान है। लोकतंत्र में इसको झूठलाया नहीं जा सकता। वंशवाद वाली प्रथा स्वतंतत्रता के बाद हर दल में पूरी तौरपर फूला है, जिसके जिम्मेदार नेता और हम आम मतदाता भी है, इसमें कोई शक नहीं है। जाति, धर्म और क्षेत्रवाद भी वर्तमान के राजनीतिक माहौल में जर्बदस्त ढ़ंग से सक्रिय है। इसका खास कारण सत्ता पर काबिज के लिए नेताओं का स्वार्थ और इन सब अवसरवादी राजनीति का असर देश के लोकतंत्र पर भारी, सक्रिय राजनीति में देश के शिक्षित युवाओं, कार्यकर्ताओं का दिलचस्पी में कमी होने के कारण कई पर कुछ कारण साफ चुनावी प्रक्रिया में जाति, धर्म और ध न-बल साथ ही पारिवारिक विरासत का होना भी समस्या और सत्ता पर अधिपत्य हेतु नेताओं का और दलों का स्वार्थी सोच भी कारण है और इन कारणों से देश में अमूमन एक बड़ा वर्ग आम जनता का लगभग राजनीति के चुनावी माहौल से अपने आप को अलग-थलग एवं दूरी बनाता हुआ दिखता है, जो लोकतंत्र के लिए सही नहीं है, पर वंशवाद, धनबल, जाति-धर्म और जर्बदस्त आर्थिक दबाब आज के सक्रिय राजनीति के लिए एक मापदंड वाला महत्वपूर्ण आधार सा बन चुका है और हर राजनीतिक दल इस पर ही अपने टिकट का बांट भी करते हैं, क्योंकि जीत की गारंटी इन्ही के कारणों से होती है। वंशाद राजनीति की समझ सभी दलों के नेताओं को है पर स्वार्थ एवं पारिवारिक दबाव के कारण हर दल में यह लगातार यह गलत प्रथा कायम है। हर चुनावी मौके पर हर स्तर पर नेताओं द्वारा अपने पुत्र, पुत्री एवं परिवार के सदस्यों को सक्रिय राजनीति हेतु मौके के तलाश में रहते ही हैं। हाल के पांच राज्यों के चुनावी टिकट के बंटवारे में भी इसका प्रमाण दिख रहा है, जो हो यह देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। सच बात यह भी है की देश में हर राज्य में परिवारों के गिरोह सरीखे वंशवादी दल किस तरह से विकास कर रहे है, वह भी किसी से छुपा नहीं है। वंशवाद और लोकतंत्र दोनो विपरित विचार वाला है और वंशवाद से ग्रसित राजनीति लोकतंत्र का गला घोटने में सक्रिय भूमिका अदा करती है। यह कई बार देश के राजनीति में अपना रूप का प्रमाण दे चुका है। जो हो, इस गलत परंपरा को काबू करने के लिए देश के नेताओं एवं सभी राजनीतिक दलों को इमानदारी से निर्णय लेने का समय आ चुका है एवं आम लोगों को भी इस कुप्रथा को खत्म करने के लिए सभी बुराइयों, चाहे वह धर्म, जाति या क्षेत्रवाद पर आधारित हो, उससे दूरी बनाने होंगे। ईमानदार एवं सेवा भावना वालों को ही अपना प्रतिनिधि बनने का मौका प्रदान करना होगा। हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला महान विरासत का राष्ट्र है। जरूरी है की अपने लोकतांत्रिक की गरिमा एवं सम्मान को बनाये रखे और पूरे विश्व में अपना लोकतंत्र का उदाहरण प्रस्तुत करें, जिसका चर्चा विश्व के पटल पर सम्मान से होता है। आज देश के युवाओं को अपने देश के विकास हेतु जागरूक होने की जरूरत है और यदि कोई भी गलत एवं विषैला बयानबाजी और अपशब्दों का इस्तेमाल भाषण, बयानबाजी करता हो तो उस पर विरोध का आवाज उठाए ओर इस तरह के बयानबाजी जिससे समाज में वैमनस्य और माहौल बिगड़ता हो, चाहे किसी राजनीतिक दल भी संगठन का हो

उसे समर्थन ना दिये जाये, क्योंकि गलत एवं भड़काऊ बयानो का मकसद केवल देश विरोधी एवं अपने स्वार्थ हेतु ही होता है, देश हित में नहीं होता। भारत के लोग कतई इस तरह का बयानबाजी, नफरत वाले बातों को स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि हमारा देश का संविधान और हमारी सभ्यता, संस्कृति सभी धर्मों एवं सबका साथ पर आधारित है। हमें अपने देश के विरासत पर गर्व है। देश के प्रति समर्पण की भावना कूट-कूटकर हम आम लोगों में है। इन्ही भावनाओं से हम अपने देश का विकास के मार्ग में आगे बढ़ने को प्रयासरत्त भी है। आज कुछ कट्टरपंथी सोच वालो और देश विरोधी तत्वों से जरूर सतर्क रहने की जरूरत है, जो देश में माहौल को खराब करने के मौके के तलाश में हैं। हालांकि हमारी सरकार, एजेंसियां सतर्क एवं सचेत है।

देश में एक समस्या जो देश को खोखला करता हुआ प्रयासरत्त है 'भ्रष्टाचार'। पूरा देश इस बीमारी से त्रस्त है। सरकार और प्रशासन इस पर सख्त है, पर यह बिमारी दीमक के तौरपर देश को खोखला करता है। इस बात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए साल के मन की बात कार्यक्रम में कहा था। उन्होंने एक बात कहा, जो पूरे देश के लिए सोचना आवश्यक है-कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। जहां ईमानदारी से कर्तव्य सर्वोपरि होता है, वहां भ्रष्टाचार नहीं रह सकता। प्रधानमंत्री जी का देशवासियों से और युवा पीढ़ी को मिलकर इस गंभीर समस्या से मुक्ति के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान मंत्र के समान है; जिस पर काम करने की आज जरूरत है। आज देश बाहरी एवं आंतरिक सुरक्षा में लगातार पाकिस्तान और चीन से कई मौके पर सामना कर रहा है और इसी बाबत कुछ राष्ट्र विरोधी तत्वों का भी गठजोर देश के चुनावी मौके पर अपना रंग दिखा रहा है। भड़काऊ भाषण एवं

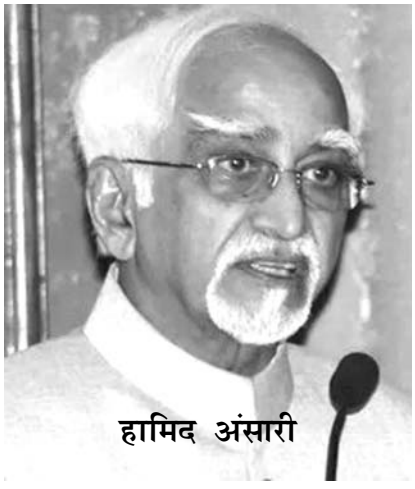
हामिद अंसारी

नफरती और विषैला सोच समाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों पर अपने-अपने स्वार्थों के लिए कार्यरत्त हैं। आज देश के आम लोगों को इस तरह के नपाक सोच वालो एवं देश विरोधी उकसाने वालों पर नजर और सकर्त होने की भी जरूरत है। भारत देश की विशेषता है की कोई भी हो उसे अपने धर्म, कर्म और सही सोच की पूरी आजादी है, मर्यादित ढ़ंग से बोलने और अपने हक के लिए लोकतांत्रिक तरीके से जन आंदोलन एवं उम्मीदों को पूरा करने हेतु हर मंच पर आवाज उठाने की छूट है, पर चाहे नेता हो या कोई आम जनमानस का संगठन संविधान के दायरे में ही बोलने और कार्यों को संपादित करने का अधिकार है, यह सब को समझना आवश्यक है।

हाल के दिनों में कई कट्टरपंथी और मजहबी सोच रखने वाले लोग साथ ही माननीय पदों पर रहे लोग भी बेतुकी और शर्मनाक बयान देकर क्षुद्र मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। उनके बयानों भाषणों से उनके ही गरिमा और सम्मान पर ठेस पहुंची है। एक उदाहरण हाल के दिनों अतर्राष्ट्रीय मंच 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' नामक संस्था में दिया गया कि पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के द्वारा जो पद की गरिमा के प्रतिकूल बयानो से साफ पता चलता है, इस संस्था पर भारत में दंगे कराने एवं पाक के खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारो पर काम करने के आरोप भी लगते रहे हैं। इस तरह का बयान भारत की छवि को खराब करने की साजिश वाली है, जो अनावश्यक राष्ट्रविरोधी, कमजोर मानसिकता को दर्शाता है। भारत के लिए इस तरह का गलत बयानबाजी देश के गौरवपूर्ण उपलब्धियों एवं सर्व-धर्म के सम्मान पर 'हिन्दुत्व के बाबत' केवल सोची समझी रणनीति के तहत है। इस तरह का बयान यदि कोई धर्म से जुड़े संगठन या नेता, रसूकदार देता है तो कानूनी प्रक्रिया द्वारा इन पर कार्यवाही की आवश्यकता है, अन्यथा इन अमर्यादित वचनों, भाषणों से बोलने वालों की साख तो गिरती ही है और इनके प्रति आम आदमी का विश्वास भी समाप्त होता है, जो लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। कुछ लोग बेवजह इस तरह के बयानों और भाषणों से मीडिया और अपने स्वार्थ के साथ ही सत्ता पर काबिज होने का सुगम रास्ता बनाने में प्रयासरत्त है, जिस पर नकेल कानूनी तरीके से करना देशहित के लिए आवश्यक है।

हमारे देश में महान संत, नेता, क्रांतिकारियों का विरासत रहा है। महान संतों के विचारों एवं कथन पर देश आजतक विकास पथ में लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारे संत के विचारों पर गर्व रहा है। महान स्वामी विवेकानंद जी का एक कथन प्रगति और उन्नति के साथ संपन्नता का एकमात्र साधन पुरूषार्थ ही है और आज इन्ही संतों की पुरानी विरासत पर कायम रहते हुए हमारे देश को विश्व गुरू बनने का मार्ग पर चलना हम सभी देशवासियों का धर्म है। इसी क्रम में हमारा देश अब 'आत्म-निर्भरता' के लक्ष्य

को हर क्षेत्र में प्राप्ति के लिए चल चुका है और समय का तकाजा है कि देश का हर आम आदमी राष्ट्रविरोधी तत्वों, कट्टरवादी सोच वालों को देश में राजनीतिक या सामाजिक माहौल में अपने पैर को ना पसार पाये। इस पर सख्ती से इनसे दूरी बनाये और इन धर्म, जाति क्षेत्रवाद के नाम पर सत्ता के उपर काबिज होने का मौका ना दे। हम सभी आम लोगों को राष्ट्रधर्म देश हित पर पूरी तौरपर सर्तक होकर चाहे चुनावी समय हो या कभी भी ईमानदारी से धर्म, जाति और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर अपने देश को मजबूती प्रदान करे। देश के युवाओं का जोश एवं काबिलियत से हर क्षेत्र में विकास करे। इसके लिए लोकतंत्र पर पूरी तौर पर विश्वास और बेहतरी के साथ राजनीति में भी अपना योगदान करे और पुराने भारतीय विरासत का सम्मान 'सोने की चिड़ियां' वाला भारत का निर्माण करे।

चुनावी राजनीति में सत्ता के स्वार्थ में जाने या अनजाने में राजनेताओं द्वारा अजीबोगरीब एवं धर्म, जाति पर सहानुभूति प्राप्ति हेतु विवादास्पद बयानों से समाजिक भावनाओं एवं आपसी भाइचारे पर ठेस पहुंचाने का काम करते हैं। इससे आम जनता भी असमंजश और चिंता में सोचने को मजबूर होता है की क्या इन नेताओं से आम जनता का विकास हो पायेगा? यही कारण है कि नेताओं और राजनीति के प्रति लोगों के बीच इनको आजकल शक के नजर से देखा जा रहा है। आम जनता लोकतंत्र के अपने चुने हुए प्रतिनिधियों से अपने बेहतरीन सुनहले विकास और अपने अच्छे समय आने की उम्मीद लगाये होते हैं पर राजनेताओं के बयानों में एकतरफा सोच और वोट की लालच और सत्ता पर काबिज होने के येन-केन-प्रकारेण वाली हरकतों से सोच पर आघात जैसा लगता है। इस बात को हर राजनीतिक दल के नेताओं को सोचना चाहिए। हर आम आदमी चुनावी महापर्व के बाद अपने मूलभूत सुविधाओं की चाहत में उम्मीद लगाकर बैठा रहता है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, बिजली, पानी के बेहतर मौके का, पर अनावश्यक बयानबाजी नफरत वाली सोच जैसी बोली और वोट के लिए जाति, धर्म, क्षेत्रवाद आधारित माहौल से आम जनता का मन व्यथित होना स्वभाविक है। मूलभूत जरूरतों पर चर्चा का आभाव भी आज की चुनावी राजनीति में साफ नजर आता है। यही कारण है कि वंशवादी, दल-बदल और धर्म, जाति के आधारित सक्रिय राजनेता सत्ता के चाहत में आंतरिक सुरक्षा के माहौल को और लॉ एण्ड ऑर्डर पर लगातार अपने बयानबाजी, विवादास्पद और गलत बोली से आपसी भाईचारे पर समस्या खड़े करते रहते हैं। इससे देश में राष्ट्रविरोधी तत्वों एवं शत्रु देशों को भी अंगुली उठाने का मौका प्राप्त होता है, जो देश के छवि को खराब करने की साजिश वाली होती है।

हमारे देश में देशभक्तों की कमी कभी नहीं रही। आज भी वर्तमान में भी है, जिनके जज्बे से हमारे देश की सीमा और देश पूरे तौरपर महफूज है। पाक जैसे आतंकपरस्त एवं चीन जैसे विस्तारवाद सोच एवं इनके नापाक इरादों पर कामयाबी न मिलना इसका उदाहरण है। इसमें हमारे लोग, समाजिक संगठन, राजनेताओं की जमात है। जो सरकार में हो या विपक्ष में, देशहित में लगातार कार्यरत्त हैं। समय-समय पर इनके नीतिगत कार्य-कलापों एवं उत्साही कार्यों से हमारी भारत की सम्मान विकास पथ पर आगे बढ़ रही है, इस पर भी हमें नाज है। भारत की लोकतंत्र की जड़े बहुत मजबूत और गहरी है। यही कारण है कि कोई असर नहीं पड़ता और हमारे लोकतंत्र का सम्मान और विश्व के कई देश के प्रतिनिधि मंडल हमारी चुनावी प्रक्रिया से और लोकतंत्र के चुनावी महापर्व पर सीखने का प्रयास करते हैं। हमारे निर्वाचन आयोग के कार्यकलापों और प्रक्रिया का अवलोकन कर अपने देश में इसका फायदा उठाते हैं। हमारे विचारधारा नीतिगत राजनीति में अलग होते हैं, पर सोच देशहित का होना मूल कारण है। हाल के दिनों में संसद के बजट सत्र में बुर्जग समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव को सहारा देते हुए सत्ता पक्ष के मंत्री और महिला नेत्री का चरण स्पर्श जो इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में वायरल भी हुआ था, एक उदाहरण वाहा है। देश इसी विरासत और संस्कृति पर नाज करता है और इस बात का हमे गर्व है। भविष्य में अपनी देश की विरासत संभाल कर भी रखना है।

एक बात देश के लिए बहुत आवश्यक है। कोई भी अमर्यादित, राष्ट्र विरोधी बयान भी सामाजिक वैमस्य और सामाजिक सौहार्द को खराब करने वाली साजिश कार्य कही न्यास संगत कानूनी प्रक्रिया के तहत सख्ती से हो चाहे वह किसी जाति, धर्म, सम्प्रदाय से हो या कोई कितनी भी ऊँचे पद पर रहा हो। क्योंकि यह देशहित के लिए जरूरी है और एक जैसा कानूनी कार्रवाई का होना जरूरी है, चाहे नरसिंहानंद, कालीचरण हो या तौकीर राजा हो या कोई बड़े पद पर रहा माननीय हो। तुष्टीकरण वाली सोच देश के माहौल में अवश्य समस्या ही उत्पन्न करता है और सख्त कानूनी कार्यवाही नहीं होना या देरी होना अव्यवस्था को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। भारत देश

मुलायम सिंह यादव

क्षेत्रफल और आबादी में बहुत ही बड़ा देश है और बाहरी तथा आंतरिक सुरक्षाओं से हमारे देश को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और इस तरह की अमर्यादित बयानों का प्रतिकूल असर देश पर भारी पड़े ना, यह साफ है। हाल के दिनों में भारत सरकार 35 यूट्यूब चैनल, इंस्ट्राग्राम एवं ट्वीटर साथ ही बेवसाईट, फेसबुक एकाउंट को भी ब्लॉक किया गया है, जो पाकिस्तान द्वारा संचालित हो रहे थे। जिसका मकसद भारत विरोधी झूठी खबरे और इन प्रसारणों से देश में अव्यवस्था फैलाने का रणनीति जो कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई के द्वारा देश के अंदर कुछ राष्ट्रविरोधी तत्वों से मिलकर की जाती थी। इस पर रोक लगाने के लिए सरकार का समय पर सही निर्णय लिया गया। आज कल सीमाओं पर घूसपैठ नहीं कर सकने के वजह से पंजाब, जम्मू और नेपाल के इलाके में ड्रोन एवं स्लीपर सेल द्वारा विस्फोटक, हथियारों के खेप एवं ड्रग्स का साजिश हो रहे हैं, जिससे पंजाब के चुनावी माहौल में गड़बड़ी फैलाने की साजिश की भी जानकारी मिली है, एलएसी, एलओसी पूरी तौरपर भारतीय सुरक्षा बलों के चौकसी के कारण, आतंकी संगठनों को घूसपैठ का कोई मौका नहीं मिल रहा हैं अब नेपाल के रास्ते से भी पाक के साजिश की जानकारी खूफिया सूचनाओं से प्राप्त हो रही है, क्योंकि नेपाल सीमा खुला अंतर्राष्ट्रीय सीमा है।

अब जरूरत है पूरे तौरपर साजिशों पर नियंत्रण की, जिसके लिए भारतीय सुरक्षा बल और खूफिया तंत्र अपने-अपने स्तर पर कार्यरत्त हैं। जिसका परिणाम घाटी में और भारत के कई जगहों पर शक वाले के पकड़े जाने एवं विस्फोटक बरामदगी प्रमाण है। घाटी में नये वर्ष में 27 हार्डकोर के आतंकी मारे गये। जिसमें जैश के कमांडर जाहीद बानी जैसे लोग भी शामिल है। विदेशी पांच आतंकियों का मारा जाना ऑल आउट के तहत बहुत ही सुरक्षा बलों की कामयाबी का प्रमाण है, जो आज की जरूरत है। सुरक्षा बलों के लगातार देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकियों एवं इनके समर्थन देने वालों पर कार्रवाई से पाक परस्त बचे-खुचे राष्ट्रविरोधी तत्वों में भगदड़ सा मचा है। इनके वजूद पर देश की सुरक्षा बलों का दबाब इसका कारण है। अब कट्टरवादियों को डर सताने लगा है और इनको अब जैसे-तैसे देश के माहौल को खराब करने की सोच को अंजाम देने के लिए धर्म, जाति एवं राजनीति से जुड़कर सत्ता पर काबिज होने का प्रयास है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा निर्देशों के बावजूद क्रिमिनल और आरोपी भी चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमाने की कोशिश में हैं। हालांकि हर राजनीतिक दल को इस तरह के लोगों से दूरी बनानी चाहिए, जो देश और लोकतंत्र के लिए सही होगा। इस पर आम मतदाताओं को गंभीरता से सोचना होगा और अपने बहुमूल्य मत प्रदान करते वक्त ख्याल भी रखना होगा, क्योंकि देश से बड़ा कोई नहीं है।

भारत देश में महान लोगों की देश के प्रति समपर्ण, कुर्बानियां एवं देश प्रेम की एक से बढ़कर एक विरासत है। जिन्हें याद करने से हर भारतीये को गर्व महसूस होता है, यही वर्तमान में भी स्थिति है। सीमाओं पर हमारी सेना के साहस एवं जज्बा ही कारण है कि विस्तारवाद सोच रखने वाला देश चीन सहमा सा अब लाचार है। लगातार भारत से बातचीत द्वारा विवादों को लेकर, जो हो आज पाकिस्तान की हालत वैसी ही है कि वह भारत के खिलाफत हर मौके पर साजिश के तलाश में रहता है, पर केवल हर लड़ाई 1665, 1971, कारगील, सभी में मात ही मिला। फिर भी आदतों से मजबूर विभाजन के समय से ही कश्मीर के नाम पर अपने आतंकपरस्त आदतों से लाचार है। अब तुर्की एवं हक्कानी, अलकायदा और तालिबानी सहायता के उम्मीद पर घाटी में नापाक हरकतों से बाज नहीं आता। जो हो अब पाक की हालत और विश्व में उसकी पहचान आतंकवादी देशों वाला हो चुका है। मुस्लिम देशों से भी अब उसे कोई साथ नहीं दे रहा है, पर उसकी मजबूरी है कि वह आतंकियों से अपने साथ वाले रिश्ते को अलग नहीं कर पाता। भारत के आगे अब वह लाचार सा दिखता है, पर कश्मीर के नाम पर देश की सरकारे अपनी सत्ता को लेकर मौके की तलाश और यही उनके फौज की भी हालत है। भारत में तो वीरों की यादें हैं। इसी में एक ऐसा व्यक्तित्व, जो शायद विश्व में भी मिलना मुश्किल है। जो राजनीतिक एवं राष्ट्रीय आंदोलन के साथ खुद सैनिक के तौरपर सेना का गठन किया और स्वतंत्रता के लिए युद्ध किया और 15 हजार वर्ग मील क्षेत्र को अंग्रेजों से मुक्त करवाया। अंडमान एवं पूर्वी भारत में आजाद हिंद सरकार की स्थापना किया। 40 हजार फौज, जिसमें महिला रेजीमेंट का गठन करके नारी शक्ति का परिचय भी दिया। इस महान वीर जज्बा वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर पूरा भारत गर्व करता है। इन महान लोगों के कार्यों एवं उनके जज्बा को याद करने से हर भारतीय को जोश और देश के प्रति समर्पण की भावना उत्पन्न होना स्वभाविक है। आज देश को देश के लिए जज्बा वालों पर सम्मान प्रदान की चर्चा हो, ना कि नफरत और अमर्यादित बयानों की बाते हो। इसका ख्याल रखना आज की जरूरत है। ●

(लेखक बी.एस.एफ. के पूर्व अधिकारी हैं।)

नीरा

पौष्टिक प्राकृतिक पेय भी, गुणकारी औषधि भी

● **ललन कुमार प्रसाद**

ताड़ और खजूर के पेड़ हमारे राज्य में ही नहीं, पूरे देश के अधिकतर भागों में सदियों से पाया जाता रहा है। इस धरती पर ताड़ और खजूर को मिठास का पहला स्त्रोत माना गया है। इतना ही नहीं, इनके पेड़ों के सभी भागों का व्यवहार लाभकारी है। इसलिए ताड़ को कल्पवृक्ष यानि 'ट्री ऑफ लाइफ' की संज्ञा दी गई है।

★ **नीरा क्या है?** :- सूर्योदय के पहले ताड़ और खजूर के पेड़ों से रातभर के स्रावित रस को संग्रहित करके रखे गये तरल पदार्थ को नीरा कहते हैं। इस प्राकृतिक पेय को पीने से नशा नहीं चढ़ता है यानि आदमी मदहोश नहीं होता है। इसमें सुपाच्य शर्कराओं यानि कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन और खनिज लवणों की प्रचूरता होती है। इसलिए यह पीने में मीठा और स्वादिष्ट लगता है। अत: प्रात:काल चाय के स्थान पर एक ग्लास नीरा पी लिया जाये तो नाश्ते के अतिरिक्त अन्य पदार्थ खाने की जरूरत नहीं रहती है। सुबह सवेरे इसको पीने से ताजगी और प्रसन्नता आती है। यह बहुत ही सस्ता और सुलभ है। इसलिए गांव और कस्बों के गरीब लोग इसे बड़े चाव से पीते हैं। सूर्योदय के बाद ताड़ और खजूर से स्रावित इसी संग्रहित रस का किण्वन (फरमेंटेशन) होने के चलते ताड़ी में तब्दील हो जाता है। ताड़ी पीने से नशा चढ़ता है और आदमी बदहोश हो जाता है। अर्थात् इंसान से हैवान में तब्दील हो जाता है। जाहिर है जब आदमी होश खो देगा यानि होश में नहीं रहेगा तो शैतान हो ही जायेगा।

★ **नीरा और ताड़ी में अंतर :-**

☞ ताड़ और खजूर के ताजे रस नीरा को कहते हैं। लेकिन सूर्योदय के बाद इसे मुक्त हवा में छोड़ देते हैं तो इसमें स्वत: खमीरीकरण या किण्वन होने के चलते गैस निकलने लगती है और झाग बनने लगता है। जिससे नीरा कुछ देर बाद ताड़ी में परिवर्तित हो जाता है।

☞ नीरा पीने से जरा भी नशा नहीं चढ़ता है, लेकिन ताड़ी पीने से नशा चढ़ता है। क्योंकि खमीकरण के चलते इसमें लगभग 4% अल्कोहल पैदा हो जाता है। परन्तु ताड़ या खजूर के ताजा रस में पुरानी ताड़ी की गाद खमीर के रूप में मिला दिया जाये तो खमीरीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिससे ताड़ी में अल्कोहल की मात्रा 4% से काफी अधिक हो जाती है। गांव और कस्बे की गरीब जनता इसी ताड़ी को मादक पेय के रूप में सेवन करती है।

☞ नीरा स्वाद में मीठा और स्वादिष्ट होता है जबकि ताड़ी खट्टी तथा बेस्वाद होती है। ताड़ी पीने में जरा भी मजा नहीं आता है, लेकिन नशा जरूर चढ़ता है।

☞ ताड़ी के मुकाबले नीरा पीने में जीवनोपयोगी तत्व अधिक होते हैं।

☞ नीरा मादक पदार्थ की श्रेणी में नहीं आता है जबकि ताड़ी मादक पदार्थ की श्रेणी में आता है।

★ **नीरा के पोषक तत्व** :- नीरा में जल 84.

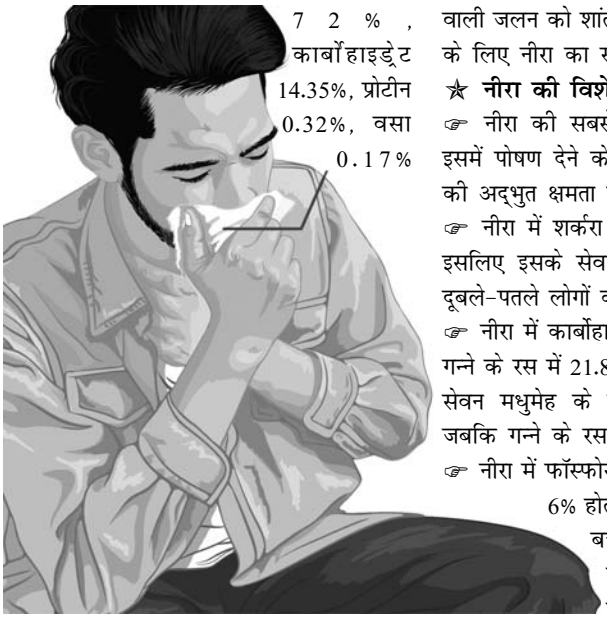

7 2 % , कार्बोहाइड्रेट 14.35%, प्रोटीन 0.32%, वसा 0.17% और खनीज-लवण 0.86% होता है। खनीज-लवण के रूप में आयरन 0.15% और फॉस्फोरस 0. 67% होता है। कैल्सियम, फॉस्फोरस और सोडियम भी पर्याप्त मात्रा में विद्यमान रहता है। इसमें विटामिन सी यानि स्कॉर्बिक एसिड 0.18-0. 30%, साइट्रिक एसिड 0.50% और विटामिन डी कॉम्पलेक्स प्रचूरता में रहता है। इसके प्रति 100 मिली लीटर से 110 कैलोरी ऊर्जा मिलती है।

★ नीरा के औषधीय गुण :- नीरा पीने से पाचक रस की वृद्धि होने के साथ कब्ज की शिकायत दूर हो जाती है। इसलिए इसके सेवन से उदर संबंधी रोग दूर हो जाते हैं। नीरा के सेवन से हेमोग्लोबिन की वृद्धि होती है। इसलिए खून की कमी वाले मरीजों के लिए इसका सेवन गुणकारी है। यह पीलिया की अति उत्तम दवा मानी जाती है। यह मूत्रल है और मूत्र मार्ग में पायी जाने वाली जलन को शांत करता है। गुर्दा संबंधी मरीज के लिए नीरा का सेवन अत्यंत गुणकारी है।

★ नीरा की विशेषताएँ :-

☞ नीरा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पोषण देने के साथ-साथ रोग मुक्त करने की अद्‌भुत क्षमता विद्यमान है।

☞ नीरा में शर्करा की मात्रा 14.35% होती है। इसलिए इसके सेवन से वजन बढ़ता है। अत: दूबले-पतले लोगों के लिए यह उत्तम टॉनिक है।

☞ नीरा में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा 14.35% और गन्ने के रस में 21.8% होती है। इसलिए नीरा का सेवन मधुमेह के मरीजों के लिए सुरक्षित है जबकि गन्ने के रस का सेवन सुरक्षित नहीं है।

☞ नीरा में फॉस्फोरस की मात्रा बहुत अधिक 0. 6% होती है। इसलिए इसके सेवन से बच्चों के दिमाग तेज हो जाते हैं। मंदबुद्धि बच्चों के लिए यह अतिउत्तम दवा है। नीरा इतना पौष्टिक होता है कि सुबह-सुबह दूध की जगह एक ग्लास नीरा बच्चों को पिला दिया जाये तो उसकी आम खुराक में किसी भी पौष्टिक तत्व की कमी नहीं रह जाती है। इसके सेवन से बच्चों की बुद्धि निखरने के साथ-साथ उनके वजन और लम्बाई दोनो में भी वृद्धि होती है।

☞ प्रात: काल नीरा पीने से न केवल छोटी आंत की कृमि निकलती है, बल्कि पुन: पैदा होने से रूकती भी है।

☞ गर्भवती स्त्रियों द्वारा नीरा का सेवन करने से न केवल पैदा होने वाले बच्चे का रंग बहुत साफ होता है, बल्कि बच्चा होने के बाद जच्चा-बच्चा दोनो का स्वास्थ भी ठीक रहता है।

☞ यह खमीर और विटामिन बी. कम्पलेक्स का उत्तम स्त्रोत है।

★ नीरा : चित भी मेरी पट भी मेरी :- यह यक्ष्मा या तपेदिक या क्षयरोग यानि टी.बी. की सबसे सस्ती और सबसे कारगर दवा है। वास्तविकता तो यह है कि नीरा या ताड़ी टी.बी. की बिल्कुल रामवाण दवा है। टी.बी. के मरीज इलाज हेतु इस्तेमाल में लायी जाने वाली जितनी भी एलोपैथिक दवाएं हैं, सब के सब नीरा या ताड़ी के समक्ष बहुत ही बौनी सिद्ध हुई है। अपने समय के देश के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ एलोपैथिक चिकित्सक स्व० डॉ० घोषाल, जो पटना के मखनिया कुआं रोड में मरीजों का इलाज करते थे, ने बगैर कोई एलोपैथिक दवा खिलाये पटना और पूरे बिहार के टी.बी. के हजारों मरीजों को केवल नीरा या ताड़ी पिलाकर भला-चंगा कर दिये। उनके कथनानुसार सुबह-शाम नित्य दो-दो ग्लास नीरा या ताड़ी पीने से टी.बी. के मरीज महज दो महीने के अंदर पूर्ण स्वस्थ हो जाते हैं। साथ ही दोबारा टी.बी. से संक्रमित होने की संभावना भी खत्म हो जाती है। उनका कहना था कि ताड़ी के मुकाबले नीरा कुछ अधिक असरदार होता है।

★ ताड़ या खजूर के पेड़ से नीरा प्राप्त करने की विधि :- ताड़ और खजूर के पेड़ से रस निकालने का काम पासी जाती के लोग करते हैं। वे उसके लिए एक खास तरीका अपनाते हैं। पांव में रस्सी का फंदा लगाकर पेड़ पर चढ़ जाते हैं। साथ ही कमर में बंधे बेल्ट के एक हूक में हसिया और दूसरे हूक में मिट्‌टी का एक पात्र, जिसे लबनी कहते हैं, लटका लेते हैं। फिर गुच्छानुमा पत्तेदार शिखर के ठीक नीचे तने की सतह पर हसिया से छिलाई करके अंग्रेजी के 'वी' अक्षर की आकृति बनाकर नीचे की ओर एक नलकी बना लेते हैं। नलकी के पास बांस की दो छोटी खूंटियां गांड़कर उन पर साथ में लगे लबनी को टांग देते हैं। रातभर लवनी में पेड़ से स्रावित रस चू-चूकर जमा होता रहता है। प्रात:

सूर्योदय के आधा घंटा पहले लबनी में एकत्रित रस को उतार लेते हैं। इस कार्य को सूर्योदय के आधा घंटा पहले कर लेना जरूरी होता है, क्योंकि सूर्योदय के बाद संग्रहित किये गये रस में झाग आ जाने पर नीरा, ताड़ी में तब्दील हो जाता है तथा वह नीरा के मुकाबले कम गुणकारी हो जाता है। ताड़ के एक परिपक्व पेड़ से प्रतिदिन 8-10 लीटर और खजूर के एक परिपक्व पेड़ से 2-3 लीटर तक नीरा प्राप्त होता है। पेड़ के जिस स्थान से एक बार नीरा निकाला जाता है, एक सप्ताह तक उसी स्थान से वही प्रक्रिया अपनाकर नीरा निकाला जाता है। लगातार एक सप्ताह तक रस निकालने के बाद स्थान बदल दिया जाता है।

★ नीरा के सेवन से संबंधित सावधानियां :-

☞ सूर्योदय के पहले पेड़ से उतारने के बाद नीरा को पीने में ज्यादा देरी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि बीतते समय के साथ प्रचूर मात्रा में हवा की मौजूदगी में नीरा स्वत: ताड़ी में परिवर्तित होने लगता है।

☞ अल्कोहल की मौजूदगी के चलते सामान्य परिमाण में ताड़ी पीने से नशा होता है, लेकिन शराब जितना नहीं, परन्तु अधिक मात्रा में ताड़ी पीने से शराब जैसा ही नशा आता है। इसलिए सूर्योदय के पहले ताड़ या खजूर के पेड़ से उतारे गये रस या नीरा का सेवन सूर्योदय के पहले ही कर लेना चाहिए, वरना वह रस खमीरीकरण के चलते ताड़ी बन जाता है। मादक पेय होने के कारण ताड़ी पीना निंदनीय है।

★ नीरा को ताड़ी में परिवर्तित होने से रोकने के उपाय :-

☞ ताड़ और खजूर के पेड़ से स्रावित रस को संग्रहित करने के लिए नित्य शाम को सूर्यास्त के बाद साफ गर्म पानी से लबनी को अच्छी तरह से धोने के बाद पोटैशियम परमैंगनेट के जलीय घोल से भी धो लें और तब लबनी को पेड़ से टांगना चाहिए और तब नित्य सूर्योदय के आधा घंटा बाद स्रावित रस को पेड़ से उतार लेना चाहिए। लबनी को धोने के लिए आधा लीटर साफ पानी में आधा ग्राम (500 मिली ग्राम) पोटैशियम परमैंगनेट मिलाकर घोल तैयार करना चाहिए।

☞ नीरा को भंडारित करने वाले मिट्टी के पात्र को भी अच्छी तरह से साफ पानी से धोने के बाद पोटैशियम परमैंगनेट के घोल से धोना चाहिए और तब उसमें नीरा को भंडारित करना चाहिए। प्रचूर मात्रा में मुक्त हवा के सम्पर्क से बचाने के लिए मिट्टी के पात्र को मोटे किन्तु साफ कपड़े से अच्छी तरह बांधकर छांव में ठंडी जगह रखना चाहिए। ऐसा करने से बीतते समय के साथ नीरा के स्वत: ताड़ी में परिवर्तित होने की प्रक्रिया बाधित हो जाती है। साथ ही धूल और अन्य किसी भी प्रकार की गंदगी से दूषित होने से नीरा बच जाता है। मिट्टी के पात्र की भितरी सतह पर लगा पोटैशियम परमैंगनेट का घोल प्रीजरवेटिव का काम करता है। अर्थात् नीरा के खमीरीकरण को रोक देता है। लबनी के अंदर चूना का लेप लगा देने से भी नीरा, ताड़ी में जल्दी तब्दील नहीं होता है, लेकिन पोटैशियम परमैंगनेट का घोल पन्द्रह दिनों तक नीरा को ताड़ी में तब्दील होने से बचाता है। फिर लबनी के अंदर चूने का लेप लगाने की तुलना में पोटैशियम परमैंगनेट के घोल से धोना हर तरह से बेहतर होता है। पोटैशियम परमैंगनेट के घोल से धोने के चलते सूर्योदय के बाद भी जब लबनी में दिनभर नीरा स्रावित होता रहता है, लेकिन ताड़ी में तब्दील नहीं होता है।

☞ नीरा में ताड़ी या ताड़ी का गाद नहीं मिलाना चाहिए, वरना नीरा तेजी से ताड़ी में परिवर्तित होने लगता है।

★ कानून बनाकर नीरा पीने के लिए प्रेरित करे सरकार :- ताड़ या खजूर के पेड़ से स्रावित रस को उतारने वाले अधिकांश पासी ताड़ के खुद मालिक नहीं होते हैं। मालिक वे होते हैं, जिनकी जमीन में ताड़ उगा होता है। ताड़ और खजूर के पेड़ बटाई की चीज है। इसलिए पेड़ के मालिकों को घर बैठे फायदा मिल जाता है। फिर भी बिहार सरकार को अविलंब कानून बनाकर तय कर देना चाहिए कि पेड़ से रस उतारने वाले और पेड़ के मालिक की हिस्सेदारी अलग-अलग कितनी हो, जिससे की किसी की हकमारी न होने पाये। सरकार को यह भी कानून बना देना चाहिए कि नीरा के उत्पादन का लाइसेंस उसी को मिले, जो ताड़ के पेड़ से रस उतारता हो। ताड़ी बेचने पर पाबंदी जरूर हो, लेकिन नीरा बेचने पर कोई पाबंदी न हो। नीरा को कही भी सूर्योदय के एक घंटा पहले से लेकर सूर्यास्त के एक घंटा बाद तक बेचा जा सके। इसे कही भी सड़क से हटकर पेड़ के नीचे खुले में या झोपड़ी में बेचे जाने की इजाजत हो। लेकिन जहां भी बेचा जाये, वह जगह साफ-सुथरा जरूर हो तथा

स्कूल-कॉलेज के समीप न हो।

☆ आसान नहीं है ताड़ी पीने की लत से मुक्ति दिलाना :- प्रश्न उठता है कि दलित, खासकर मुसहर जाति के लोग ताड़ी पीने के लिए इतने लालायित क्यों रहते हैं? पहली बात की ज्यादातर मूसहर या अन्य दलित लोग बहुत ही गरीब व अनपढ़ हैं। उनके पास अपना जमीन नहीं होता है। दूसरे के खेतों में हल चलाकर, कुदाल चलाकर, रोपणी करके, तैयार फसलों की कटाई करके, निरायी-गोरायी करके, तैयार हो रही फसलों के बीच से खर-पतवार निकालकर, तैयार कटे हुए फसलों का गट्ठर बनाकर, फसलों के गठरों कों खेत से खलियान तक ढ़ोकर ले जाने का काम करके गुजर-बसर करने के लिए मेहनत-मजदूरी करते हैं। सुबह से शाम तक जीतोड़ मेहनत करने के चलते शाम होते-होते थककर चूर हो जाते हैं। इसलिए थकान मिटाने के लिए मादक पदार्थ के रूप में ताड़ी का सेवन करते हैं। ताड़ी गांव और कस्बों में हर जगह आसानी से उपलब्ध होने वाला बहु ही सस्ता मादक पेय है। विशेषकर मुसहर और थारू जाति के लोगों का यह बहुत ही पसंदीदा पेय है। अब प्रश्न उठता है कि मूसहर शारीरिक रूप से बलिस्ट कैसे होते हैं, जबकि उनको भरपेट भोजन का लाला पड़ा रहता है। इसलिए उनके भोजन में पौष्टिक तत्वों का भारी आभाव होता है। बात यह है कि ताड़ी एक बहुत ही पौष्टिक प्राकृतिक पेय है। यह उनके लिए अतिउत्तम टॉनिक का काम करता है। यह उत्तम औषधि के रूप में भी उन्हें बीमारियों के हमले से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

पूर्वी चम्पारण में बुढ़ी गंडक नदी के किनारे बसा मेहसी नामक एक स्थान है, जहां सीप के बटन तथा सीप के बने रंग-बिरंगे खूबसूरत व आकर्षक खिलौने बनाये जाते हैं। मेहसी में बने दिल को मोह लेने वाले सीप के खिलौनों का देश-विदेश में भारी मांग है। इन खिलौनों का अच्छी-खासी मात्रा में निर्यात किया जाये तो देश को विदेशी मुद्रा की अच्छी-खासी कमायी हो सकती है। सीप बूढ़ी गंडक यानि सिकरहना नदी में बहुतायत में पाया जाता है। मेहसी स्थित सीप उद्योग में भारी मात्रा में सीप की जरूरत पड़ती है। जिसे वहां रहने वाले मुसहर जाति के लोग उपलब्ध कराते हैं। नदी से सीप निकालना बहुत ही दमखम का काम है, जिसे सिर्फ और मुसहर जाति के लोग ही अंजाम तक पहुंचा सकते हैं। दूसरे किसी भी जाति के लोगों के लिए इतने अधिक दमखम का काम करना संभव नहीं है। अत्याधिक गरीब होने के चलते मुसहर जाति के लोगों को खाने के लाले पड़े रहते हैं, इसलिए उन्हें पौष्टिक भोजन नसीब नहीं हो पाता है। वे लोग नदी से निकाले गये घोंघा और सीप के मांस का सेवन करते हैं, जो अत्यधिक पौष्टिक प्राकृतिक खाद्य पदार्थ है। इसलिए मुसहर लोग शारीरिक रूप से बहुत अधिक बलिष्ट होते हैं। घोंघा और सीप का मांस उन्हें बीमारियों के हमले से सुरक्षा प्रदान करता है। कोरोना का वायरस भी उन्हें संक्रमित करने में सफल नहीं हो पाया है।

मुंह-नाक पर गमछा लपेटकर काम करने के दौरान सीप उद्योग में काम करने वाले मजदूरों के शरीर में कुछ न कुछ मात्रा में शीप के धूल प्रवेश कर जाते हैं, जो कई खतरनाक बीमारियों की रामवाण दवा है। मसलन टी.बी. से ग्रस्त कोई मजदूर लगातार दो महीने तक सीप के कारखाने में काम करता रहे तो उसे टी.बी. के बीमारी से मुक्ति मिल जाती है। अर्थात् वह भला चंगा हो जाता है।

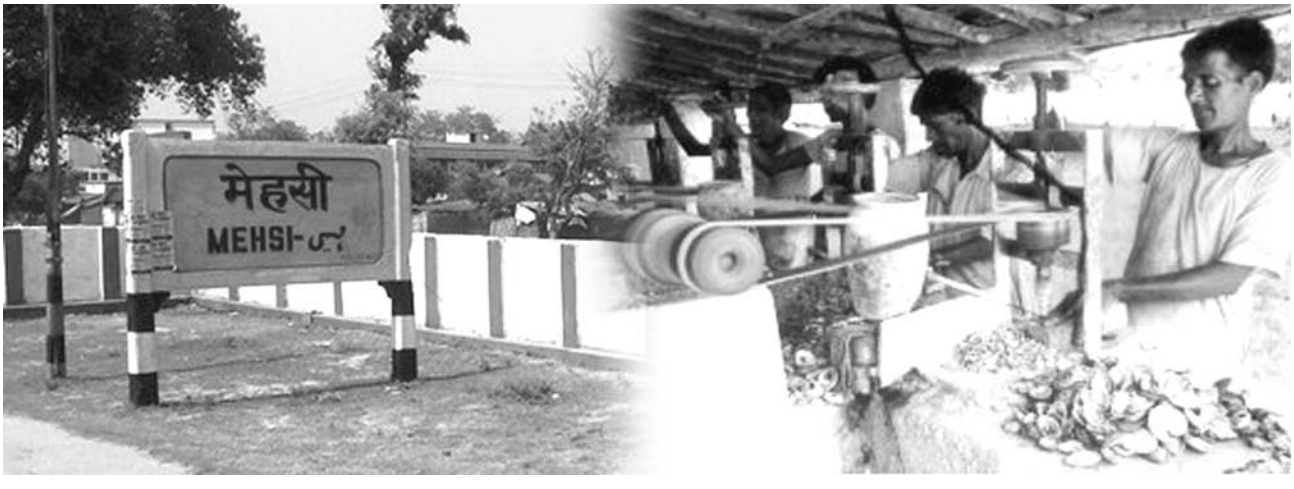

मुसहर जाति के लोगों में ताड़ी पीने की लत सदियों पुरानी है। गांव-कस्बों के बूढ़े आदमी कहते हैं कि जब वह छोट बच्चे थे, उस समय भी मुसहर तथा अन्य दलित लोगों को ताड़ के पेड़ के नीचे जमीन पर या टूटी-फूटी झोपड़ी में बैठकर ताड़ी पीते देखते थे। इसलिए सदियों पुरानी ताड़ी पीने की लत से उन्हें मुक्ति दिलाना बहुत ही मुश्किल है। इसलिए बिहार सरकार को ताड़ी की जगह सेवन करने हेतु प्रेरित करने के लिए जमीनी स्तर पर जमकर काम करना होगा।

★ शराब और ताड़ी : एक तुलनात्मक अध्ययन :- शराब और ताड़ी, दोनो ही मादक पदार्थ है। क्योंकि दोनो के सेवन से नशा चढ़ता है। फिर भी दोनो में आकाश-पाताल का अंतर है :-

☞ शराब मैनमेड मादक पेय है अर्थात् यह एक कृत्रिम मादक पेय है। लेकिन नीरा को ताड़ी में तब्दील करने के लिए जरा सी भी कोई भी प्रयास नहीं करना पड़ता है। यह अपने आप ही ताड़ी में तब्दील हो जाता है। अर्थात् ताड़ी प्राकृतिक मादक पेय है। नीरा, ताड़ी में तब्दील न हो इसके लिए जरूरी है कि नीरा में नगन्य मात्रा में कोई प्रीजरवेटिव केमिकल मिला दिया जाये।

☞ शराब काफी मंहगा मादक पेय है, जबकि ताड़ी अत्यधिक सस्ता मादक पेय है।

☞ शराब का सेवन सामान्यत: पैसा वाले सिर्फ और सिर्फ नशा और अय्यासी के लिए करते हैं जबकि ताड़ी का सेवन गरीब लोग थकान मिटाने के लिए करते हैं।

☞ शराब का सेवन सेहत के लिए हर तरह से नुकसानदेय है जबकि ताड़ी का सेवन हर तरह से लाभकारी, सिर्फ नशा चढ़ने की खराबी को छोड़कर।

★ आर्थिक दृष्टि से लाभकारी है नीरा और नीरा के खाद्य व ताड़ के अखाद्य पदार्थ :- बिहार में नीरा उत्पादन और नीरा प्रोसेसिंग उद्योग की स्थापना अप्रैल 2016 में की गई। उसी वर्ष बिहार सरकार द्वारा कराये गये सर्वेक्षण के अनुसार बिहार में कुल 90 लाख 19 हजार ताड़ के पेड़ और कुल 40 लाख खजूर के पेड़ थे। गिनती के अनुसार बिहार राज्य के 8405 पंचायतों के 42 हजार 334 गांवों में ताड़ के कुल 90 लाख 12 हजार 480 पेड़ थे और खजूर के कुल 38 लाख 4 हजार 539 पेड़ थे। गया, नवादा, नालंदा, बांका, भागलपुर, पटना, औरंगाबाद, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण और जहानाबाद जिलों में ताड़ के ज्यादा पेड़ थे। सबसे ज्यादा गया जिला में 14 लाख 57 हजार 410 पेड़, नवादा जिला में 8 लाख 65 हजार 97 पेड़, बांका जिला में 6 लाख 37 हजार 886 पेड़, भागलपुर जिले में 5 लाख 8 हजार 245 पेड़ और मुजफ्फरपुर जिला में 3 लाख 99 हजार 877 पेड़ थे। सबसे ज्यादा खजूर के पेड़ वाले जिले थे-बांका में 5 लाख 92 हजार 130 पेड़, मुजफ्फरपुर में 5 लाख 51 हजार 370 पेड़, समस्तीपुर में 4 लाख 5 हजार 662 पेड़ और गया में 3 लाख 53 हजार 37 पेड़ और दरभंगा में 2 लाख 9 हजार पेड़ थे।

★ नीरा के खाद्य उत्पाद :- नीरा सेवन के फायदे तो जगजाहिर हैं, लेकिन इसके खाद्य उत्पादों की अहमियत भी कोई कम नहीं है। नीरा के प्रमुख खाद्य उत्पाद हैं-गुड़ और मिठाइयां।

★ गुड़ :- नीरा संग्रहण के बाद उसये धातु के साथ बर्तन में अच्छी तरह उबालना चाहिए। जब नीरा उबलने लगे तो उबलने के दौरान उसमें पांच से छ: बार थोड़ा-थोड़ा करके दूध डालें। ऐसा करने से नीरा में मौजूद गंदगी झाग के रूप में निकलकर सतह पर आ जाती है, जिसे छनौटा से निकालकर फेंक दें। नीरा को सुनहरे रंग का होने तक उबलने दे और तब उसे मनचाहे आकार व आकृति के धातु के बर्तन में उरेलकर ठंडा होने के लिए छोड़ दें। लीजिए गुड़ तैयार हो गया। प्रति किलोग्राम गुड़ तैयार करने के लिए 7-8 लीटर नीरा की आवश्यकता होती है। बहुत ही उम्दा, स्वादिष्ट और गुणकारी होने के चलते बाजार में ताड़ और खजूर से बने गुड़ की भारी मांग है। यह गुड़ इतना अच्छा होता है कि इसे विदेशों में भी निर्यात किया जा सकता है। इसलिए बिहार सरकार को चाहिए कि ताड़ और खजूर से गुड़ निर्माण को लघु और कुटिर उद्योग के रूप में बढ़ावा

दिये।

✯ **मिठाइयां :-** ताड़ और खजूर के गुड़ से पेड़ा, लड्डू आदि विभिन्न प्रकार की उम्दा मिठाइयां बनायी जाती है, जो बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होती है। आइसक्रीम और पश्चिम बंगाल की सर्वाधिक लोकप्रिय मिठाई संदेश भी इससे बनायी जाती है। बाजार में उपरोक्त मिठाइयों की भारी मांग है।

✯ **ताड़ और खजूर के अखाद्य उत्पाद :-** ताड़ और खजूर के पत्तों से विभिन्न प्रकार के सुंदर, आकर्षक और मनमोहक रंग-बिरंगे खिलौने बनाये जाते हैं। सखुआ, शीशम और सागवान की लकड़ियों की तरह ताड़ और खजूर की लकड़ी भी काफी मजबूत और टिकाऊ होती है। यही कारण है कि गांवों और कस्बों के खपड़पोश मकानों के शहतीह और छत के फ्रेम ताड़ और खजूर की लकड़ के बने होते हैं।

सर्वप्रथम ताड़ व खजूर के पेड़ से नीरा का संग्रहण किया जाता है। फरवरी-मार्च के महीने में ताड़ और खजूर के पेड़ों से रस का स्राव कम होता है। धीरे-धीरे रस के स्राव की मात्रा बढ़ती चली जाती है और अप्रैल-मई पहुंचते-पहुंचते अधिकत्तम हो जाती है। जिस तरह मुजफ्फरपुर शहर और उसके आसपास के इलाकों की लीची स्वाद और गुणवत्ता में देश की सबसे अच्छी लीची होती है, यह उपरोक्त इलाके की मिट्टी और जलवायु की देन है। ठीक उसी तरह बिहार की मिट्टी और जलवायु ऐसी है कि यहां के ताड़ एवं खजूर के पेड़ों से नीरा का स्राव अन्य राज्यों के मुकाबले अधिक और बेहतर गुणवत्ता वाला होता है। ऐसा चेन्नई स्थित कृषि विश्व विद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों का कहना है। यही कारण है कि ताड़ और खजूर के गुड़ से बनी मिठाइयां गन्ने से प्राप्त चिनी की बनी मिठाइयों की तुलना में स्वाद और गुणवत्ता, दोनों में बेहतर होती हैं। इसलिए पूरे देश के बाजार में ताड़ और खजूर के गुड़ से बनी मिठाइयां अधिक कीमत में बिकती हैं। ताड़ और खजूर के गुड़ की भारी मांग है, लेकिन आपूर्ति अत्यधिक कम है। हमारे राज्य में खेतों के मेड़ों पर ताड़ और खजूर के पेड़ उगाकर वर्तमान के मुकाबले दोगुना तक आसानी से बढ़ाया जा सकता है। अर्थात् ताड़ के पेड़ 90 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ 80 लाख और खजूर के पेड़ 40 लाख से बढ़ाकर 80 लाख किये जा सकते हैं और किया ही जाना चाहिए। ऐस करने से किसानों की आय काफी बढ़ जायेगी। वे समृद्ध व खुशहाल हो जायेंगे। लेकिन यह तभी संभव होगा, जब बिहार सरकारा इस मुद्दे को लेकर जमीनी स्तर पर समुचित प्रयास करे।

वर्ष 2017 में हुए करार के तहत भागलपुर स्थित सबौर कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों की एक टीम डॉ० आफताब के नेतृत्व में 25 जुलाई 2017 को चेन्नई के दौरे पर गई और तमिलनाडू कृषि विश्वविद्यालय में रहकर नीरा उत्पादन और नीरा प्रोसेसिंग की तकनीक का अध्ययन किया। साथ ही नीरा के उत्पाद के निर्यात को लेकर जरूरी जानकारी प्राप्त की। नीरा उत्पादन और नीरा प्रोसेसिंग तकनीक के हस्तांतरण के लिए सबौर कृषि विश्वविद्यालय और तमिलनाडू कृषि विश्वविद्यालय के बीच करार हुआ। उसी वर्ष हाजीपुर और बिहारशरीफ में दो-दो हजार लीटर की क्षमता वाला नीरा प्रोसेसिंग व नीरा बोटलिंग प्लांट लगाया गया। दोनो ही प्लांटों में सबौर कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बनायी गयी पाश्चुराइजेशन तकनीक के आधार पर नीरा का प्रसंस्करण किया जाने लगा, जो बाद में नीरा के खमीरीकरण के चलते उपयोगी नहीं रहा। ऐसा इसलिए कि खमीरीकरण के चलते नीरा में अल्कोहल बनने लगा। फलस्वरूप मद्य निषेध कानून लागू हो गया। नतीजा पिछले चार वर्षों से कॉम्फ्रेड में नीरा प्रोसेसिंग प्लांट को बंद करना पड़ा। लेकिन 22 दिसम्बर 2021 को तमिलनाडू की सुभ्रथा देवी प्रोपराइटर इकोबाडी से सहयोग लेने का निर्णय लिया गया। अब नीरा का प्रसंस्करण पाश्चुराइजेशन तकनीक से नहीं बल्कि स्टेरेलाइजेशन तकनीक से किया जायेगा ताकि नीरा का खमीरीकरण न होने पाये। यानि नीरा शराब में तब्दील न होने पाये। इस तकनीक के अपनाने से पन्द्रह दिनों तक नीरा का खमीरीकरण

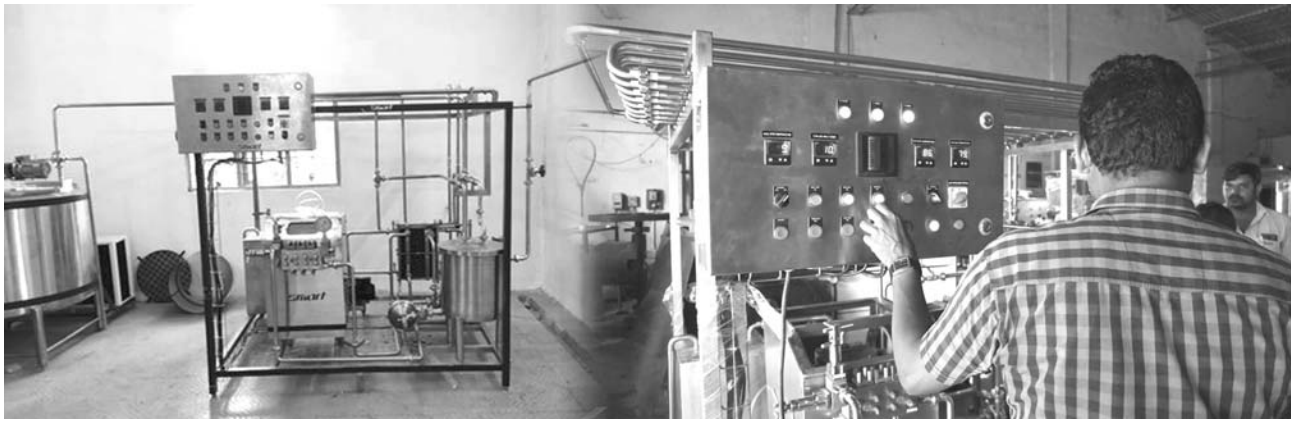

नहीं होता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 30 दिसम्बर 2021 को घोषणा किया कि नीरा के व्यवसाय में लगे लोगों के जीवनोपार्जन योजना के तहत एक-एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। साथ ही सात महीने तक एक-एक हजार रूपये भी दिये जायेंगे।

बात यह है कि पूर्ण शराबबंदी के बाद बिहार सरकार नीरा के व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए कुछ बेहतर करने की कोशिश में जुट गई है। नीरा परियोजना को लागू करने का मूल मकसद ही ताड़ और खजूर के पेड़ों से नीरा उतारने के पेशे में लगे पासी समुदाय को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करना है। नीरा परियोजना को सफलतापूर्वक चलाने के लिए कॉम्फेड और जीविका को मुख्य कार्यकारी एजेंसी बनाया गया है। एजेंसी की कवायद का ही असर है कि अबतक 32 हजार नीरा उतारने वालों का निबंधन किया जा चुका है और उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्वकांक्षी योजना नीरा उत्पादन और नीरा प्रोसेसिंग उद्योग के द्वारा नीरा तथा नीरा से बने उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने के लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) आगे आया है। आयोग के अध्यक्ष विजय कुमार सक्सेना ने बताया है कि आयोग पासी समुदाय के लोगों को नीरा के साथ-साथ गुड़ और खजूर के पेड़ों के पत्तों से डेकोरेटिव आईटम और खिलौने बनाने की ट्रेनिंग भी देगा। आयोग पासी समुदाय के लोगों को पेड़ से नीरा उतारने के लिए हाइटेक उपकरण भी देगा। ताड़ औ खजूर के पेड़ों से फरवरी से जून तक पांच महीने तक नीरा की प्राप्ति होती है। इसलिए खादी ग्रामोद्योग आयोग पासी समुदाय को नीरा प्रसंस्करण के साथ-साथ ताड़ और खजूर के पत्तों से डेकोरेटिव आईटम और खिलौने बनाने की ट्रेनिंग भी देगा। जिससे कि पासी समुदाय के लोगों को सालोभर आमदनी होती रहे।

कामये दुरवतमानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

नीरा के संवर्द्धन को लेकर बिहार सरकार पिछले पांच साल से भी अधिक समय से कार्यरत्त है। इसको लेकर सरकार करोड़ों रूपये खर्च कर चुकी है, फिर भी सरकार सफल नहीं हो सकी है। ऐसा समयबद्ध तरीके से नीरा के संग्रहण और वितरण का कार्य नहीं होने के चलते हो रहा है। जो सरकारी मुलाजिमों की लापरवाही और सुस्ती का परिणाम है। नतीजा नीरा उद्योग पटरी पर नहीं आ सका है। इसे लेकर बिहार विकासोन्मुख नहीं हो पा रहा है। यह समय और पैसा दोनो की बर्बादी है। नतीजा सरकार को नफा के बजाय नुकसान उठाना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, आज भी अधिकतर लोग नीरा की जगह ताड़ी का सेवन खुलेआम कर रहे हैं, कही कोई रोकटोक नहीं है, जो पूर्ण शराबबंदी का खुल्लमखुल्ला उलंघन है। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट www.psfsm.in

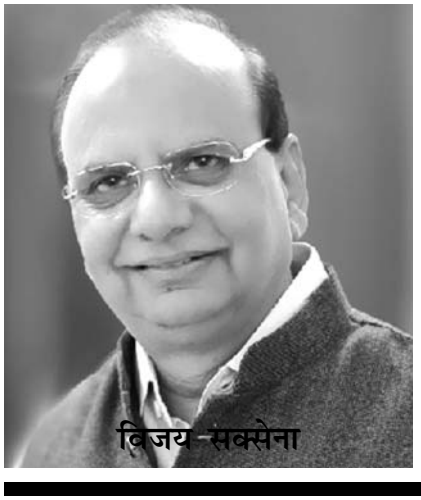

विजय-सक्सेना

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
रजिस्ट्रेशन नं०:-03-9284 of 2000-2001
Estd. 2000
पाटलिपुत्र स्कूल ऑफ
बिहार सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
रजिस्ट्रेशन नं०:-3745 of 2009
फायर एण्ड सेफ्टी मैनेजमेंट
ISO 9001:2015 Certified, Reg No.: QMS260918707
इंटरमीडिएट तथा स्नातक पास विद्यार्थियों के लिए
SAFETY INSPECTOR & SAFETY OFFICER
बनकर देश तथा विदेश में बेहतर रोजगार का सुनहरा अवसर
कम खर्च और कम समय में
शानदार नौकरी पाइये
Lalan Kumar Prasad
Director
+91-9334107607, 9234729075
Patna : 410, 4th Floor, Ashiana Galaxy, Exhibition Road, Patna-800001
website : www.psfsm.in | Email us on :- lalan1944@gmail.com

बैडमिंटन वर्ल्ड

हम किसी से कम नहीं

● ललन कुमार प्रसाद

गंटूर के रहने वाले 28 वर्षीय किदांबी श्रीकान्त पिछले साल सिंगापुर में दिसम्बर में सम्पन्न हुए वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरूष एकल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। वह पहला मौका था, जब कोई भारतीय खिलाड़ी वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरूष एकल के फाइनल में पहुंचा। लेकिन फाइनल में वह सिंगापुर के तत्कालिन वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियन लोह किन यू के हाथों 15-21 और 20-22 से पराजित हो गये हैं। पहली बार भारत के किसी खिलाड़ी ने वर्ल्ड बैडमिंटन का रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। किदांबी श्रीकांत ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले एक मात्र भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गये। उनके 28 वर्ष पहले वर्ष 1983 में प्रकाश पादुकोण ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरूष एकल का कांस्य पदक जीता

था। ऐसा पहली बार हुआ जब पिछले साल भारत के वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरूष एकल का दो पदक भारतीयों ने जीता-एक रजत और एक कांस्य। उक्त बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भारत के ही लक्ष्य सेन पुरूष एकल का कांस्य पदक जीता। पिछले साल वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पिनशिप में पहली बार भारत के चार खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले भारत के ये चार खिलाड़ी हैं-कदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन, पी. वी. सिंधु और एच.एस. प्रणय। लेकिन क्वार्टर फाइनल में पी.वी. सिंधु और एच.एस. प्रणय हारकर टुर्नामेंट से बाहर हो गये। मिक्सड डबल में पी.वी. सिंधु और एच.एस. प्रणय की जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में हारकर टुर्नामेंट से बाहर हो गई। उक्त फाइनल

पी.वी. सिंधु

सायना नेहवाल

तृष्णा जौली एवं गायत्री गोपीचंद

अश्विनी पोनप्पा

मैच की समाप्ति पर किदांबी श्रीकांत ने कहा कि स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने से मुझे थोड़ी मायूसी जरूर हुई, लेकिन रजत पदक जीतने की खुशी भी हुई। दरअसल वर्ष 2017 के फ्रेंच बैडमिंटन ओपेन के फाइनल मैच के दौरान लगी घुटने की चोट के बाद से ही किदांबी श्रीकांत फार्म में नहीं चल रहे थे। लेकिन वह अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और मजबूत इच्छाशक्ति की बदौलत लय हासिल कर लिया तथा पिछले साल उस ऊँचाई तक पहुंच गये।

किदांबी श्रीकांत वर्ष 2013 में 20 वर्ष की आयु में चीन बैडमिंटन ओपेन सुपर प्रीमियम के फाइनल में पांच बार के विश्व विजेता और दो बार के ओलंपिक चैंपियन लिनदान को हराया तो रियो ओलंपिक 2016 में भारत को उनसे उम्मीद बंध गई थी कि वह रियो ओलंपिक में भारत के लिए कोई न कोई पदक अवश्य जीतेंगे। लेकिन क्वार्टर फाइनल में लिनदान के हाथों हारकर टुर्नामेंट से बाहर हो गये। किदांबी श्रीकांत वर्ष 2017 में पांच सुपर सीरीज के फाइनल में जगह बनाकर चार खिताब जीते और एक कैलेंडर वर्ष में इतने अधिक खिताब जितने वाले ली चौंग वेई, लिनदार और चेन लोंग जैसे विश्वविख्यात बैडमिंटन खिलाड़ियों की श्रेणी में शामिल हो गये। वर्ष 2017 के फ्रेंच ओपेन के फाइनल के दौरान लगी घुटने की चोट से उबरने के बाद किदांबी श्रीकांत ग्लास्को में आयोजित कॉमनवेल्थ बैडमिंटन चैम्पियनशिप में वर्ष 2018 का स्वर्ण पदक जीता। उपरोक्त सभी उपलब्धियों को हासिल करने वाले किदांबी श्रीकांत कहते हैं कि अब बस मुझे ओलंपिक पदक जितने से मतलब है। मैं ओलंपिक पदक जीतकर देश का मान बढ़ाना चाहता हूं। इस साल एशियाइ खेल, राष्ट्रमंडल खेल, विश्व चैम्पियनशिप आदि जैसे बड़े टुर्नामेंट होने वाले हैं। श्रीकांत के कोच पुलेला गोपीचंद कहते हैं कि यदि श्रीकांत अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखे तो इस साल कुछ टुर्नामेंट के खिताब अपने नाम कर सकते हैं।

प्रकाश पादुकोण

पिछले साल के सिंगापुर वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भारत के लक्ष्य सेन का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा। 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन उक्त चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में श्रीकांत से हार जरूर गये, लेकिन उक्त मैच में दोनों के बीच कांटे का मुकाबला हुआ, जिसे श्रीकांत ने 17-21, 21-14 और 21-17 से जीत लिया। किन्तु दोनो के बीच इतने कांटे का मुकाबला हुआ कि दोनो में से कोई भी मैच जीत सकता था। उससे स्पष्ट हो गया कि युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन एक बेहतरीन विश्व स्तरीय भारतीय खिलाड़ी के रूप में उभर रहे हैं। पुरूषों में बी साई प्रणीत, सात्विक साईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी उभरते हुए विश्वस्तरीय युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। महिलाओं में तस्मीम मीर और नागपुर की 20 वर्षीय मालविका बनसेड उभरते हुए विश्वस्तरीय युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

भारत में महिला बैडमिंटन के कुछ विश्वस्तरीय खिलाड़ी मौजूद हैं। अकेले पी.वी. सिंधु ने विश्व बैडमिंटनशिप में पांच पदक जीते हैं-एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य। इनमें रियो ओलंपिक 2016 के रजत तथा टोक्यो ओलंपिक 2020 के कांस्य पदक शामिल है। साइना नेहवाल ने लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक के अलावा विश्व बैडमिंटन के महिला एकल के दो पदक जीते हैं-वर्ष 2015 में रजत और वर्ष 2017 में कांस्य। ज्वाला गट्टा और अश्विनी पोनप्पा भी विश्व स्तरीय भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

☞ **भारत को वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप और ओलंपिक बैडमिंटन में मिले पदकों का लेखा-जोखा :-** भारत वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप और ओलंपिक बैडमिंटन में अब तक कुल 13 पदक जीत चुका है-एक स्वर्ण, चार रजत और

ज्वाला गट्टा

मालविका बनसेड

तसनीम मीर

उन्नति हुड्डा

किदांबी श्रीकांत

डेंड्रा सेतियावान एवं मो० एहसान

चिराग शेट्टी एवं सात्विक साईंराज

किरण जॉर्ज

लक्ष्य सेन

आठ कांस्य। पी.वी. सिंधु ने एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक, साइना नेहवाल ने एक रजत और दो कांस्य, किदांबी श्रीकांत ने एक रजत, लक्ष्य सेन ने एक कांस्य, प्रकाश पादुकोण ने एक कांस्य और वी. साई प्रणीत ने एक कांस्य। भारत को उपरोक्त सभी 11 पदक महिला एकल और दो पुरूष एकल में मिले हैं। महिला डबल्स में भारत को अब तक का एकमात्र पदक (कांस्य पदक) वर्ष 2011 में मिला था। उक्त पदक ज्वाला गट्टा और अश्विनी पोनप्पा को लंदन में खेले गये वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पिनशिप में मिला। भारत को वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप और ओलंपिक बैडमिंटन में पुरूष डबल्स और मिक्सड डबल्स का अब तक एक भी पदक प्राप्त नहीं हुआ है। पी.वी. सिंधु भारत की एकमात्र महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने वर्ल्ड बैडमिंटनशिप का स्वर्ण पदक जीती हैं। भारत का कोई भी खिलाड़ी अभी तक ओलंपिक बैडमिंटन का एक भी स्वर्ण पदक नहीं जीत सका है, लेकिन उम्मीद है कि 2024 ओलंपिक में अवश्य जीत लेगा। गुजरात की 16 वर्षीय युवा महिला बैडमिंटन खिलाड़ी तस्मीम मीर 12 जनवरी 2022 को अंडर-19 बालिका एकल में बी.डब्लू.एफ. में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली तस्मीम भारत की पहली महिला युवा बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। पिछले साल उन्होंने बुल्गारिया, फ्रांस और बेल्जियम को मिलाकर तीनो टुर्नामेंट जीती थी। लड़कों के एकल वर्ग में सिंगापुर में आयोजित वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन के अलावा सिरिल वर्मा और आदित्य जोशी भारत के बहुत ही अच्छे बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

16 जनवरी 2022 को लक्ष्य सेन ने पुरूष एकल फाइनल में सिंगापुर के मौजूदा विश्व चैम्पियन लोह किन यू को 24-22 और 21-17 से हराकर इंडिया ओपेन चैम्पियनशिप के विजेता बन गये। उत्तराखण्ड के इस युवा खिलाड़ी का सुपर 500 स्तर के प्रतियोगिता का यह पहला

लोह किन यू

खिताब है। यह इनके करीयर का सबसे बड़ा खिताब है। इन्होंने 2019 में फ्रेंच ओपेन और सारलोरलक्स ओपेन में सुपर 100 खिताब जिते थे। पिछले साल इन्होंने बेल्जियम, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश को मिलाकर तीनो खिताब अपने नाम कर लिया।

16 जनवरी 2022 को सात्विक साईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इंडिया के तीन वर्ष के विश्व चैम्पियन मोहम्मद अहसान और डेंड्रा सेतियावान की जोड़ी को फाइनल में हराकर इंडियन ओपने चैंपियनशिप जितने वाली देश की पहली पुरूष युगल जोड़ी बन गयी। यह भारतीय जोड़ी का पहला सुपर 500 खिताब है। यह भारतीय जोड़ी 2019 में थाईलैंड ओपेन अपने नाम कर चुकी थी। यह जोड़ी 2019 में ही फ्रेंच ओपेन सुपर 750 के फाइनल में पहुंची थी। यह जोड़ी सैयद मोदी इंटरनेशनल का उपविजेता रहने के अलावा गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स का डबल्स भी जीती थी। 16 जनवरी 2022 का पुरूष एकल और पुरूष डबल्स दोनो का खिताब जितना किसी भी देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

30 जनवरी 2019 को उड़ीसा के कटक शहर में संपन्न हुए ओडिसा ओपेन बैडमिंटन टुर्नामेंटन के महिला एकल का खिताब जितने वाली 14 वर्षीय उन्नति सबसे कम उम्र की भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी है। उक्त टुर्नामेंट के सेमीफाइनल में उसने इंडियन ओपेन बैडमिंटन टुर्नामेंट के फाइनलिस्ट मालविका बनसेड को महज 35 मिनट में परास्त कर दी थी। ओड़िसा ओपने बैडमिंटन टुर्नामेंट के पुरूष एकल का खिताब एक अन्य भारतीय खिलाड़ी 21 वर्षीय किरण जॉर्ज ने जीता है। उक्त टुर्नामेंट के महिला डबल्स का खिताब त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने जीता है, जो भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

यहां पर इस बात का उल्लेख करना जरूरी है कि 21 जनवरी 2022 को संपन्न हुए इंडियन ओपेन बैडमिंटन चैम्पियनशिप एक सुपर 500 टुर्नामेंट है और 30 जनवरी 2022 को संपन्न हुआ ओड़िसा ओपेन बैडमिंटन चैम्पियनशिप एक सुपर 100 टुर्नामेंट है। अर्थात् भारत में खेले गये दोनो सुपर टुर्नामेंट इंटरनेशनल बैडमिंटन टुर्नामेंट है, क्योंकि दुनियांभर के विश्वस्तरीय खिलाड़ी उक्त दोनो टुर्नामेंटों में भाग लेते हैं। उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि आज भारत के पास पर्याप्त संख्या में विश्वस्तरीय महिलाओं और पुरूषों की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। इससे साबित हो जाता है कि दुनियांभर में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का दबदबा है, जो हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :www.psfsm.in

बी. साईं प्रणीत

स्वास्थ्य शिविर में फैलोपियन ट्यूब बंद के कारण बोझपन और बाल की होम्योपैथिक चिकित्सा

● **त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

माँ तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा में भाजपा द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पुजा कुमारी, संचालन अनामिका अग्रवाल तथा मुख्य अतिथि डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह, राणा राजेन्द्र पासवान एवं भाजपा नगर अधयक्ष शोभा देवी मौजूद थी। मुख्य अतिथि होमियोपैथी आस्पताल के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह ने कहा कि महिलाओं में फेलोपियन ट्यूब बंद का शिकायत बढ़ते जा रही है जिसके कारण बांझपन हो सकती है जिसका होम्योपैथिक में कारगर दवा है, उन्होंने इस पर विस्तार से बताएं उन्होंने कहा की महिलाओं के जननांगों में फेलोपियन ट्यूब का सर्वाधिक महत्व है यह वही ट्यूब है जो अंडों को अंडाशय से गर्भाशय तक पहुंचाने का काम करती है इसके बंद हो जाने पर बाझंपन हो सकती है और वह महिला पुत्र उत्पन्न नहीं कर पाती। महिलाओं को यदि जीरो vulation ठीक और सही है तबीयत संदिग्ध है कि फैलोपियन ट्यूब आंशिक रूप से बंद है या पूर्ण अवरुद्ध है।

यह विशेष उल्लेखनीय है की जननांगों की टीवी 90 से 100 प्रतिशत मरीजों में फेलोपियन ट्यूब को खराब करती है। इसी जांच के लिए प्रचलित टेस्ट है Hysterosal+X-ray of uterus and Tub) लेप्रोस्कोपी, पेलिमीरेज चेन रियेकशन, एंटीबॉडीज डिटेक्शन अल्ट्रासोनोग्राफी आदि। इस बीमारी का आक्रमण होते ही प्रारंभ में यदि होम्योपैथिक चिकित्सा कराई जाए तो यह ठीक हो जाता है तथा रोगिनी को संतान उत्पन्न हो सकता है साथ ही होमियोपैथिक औषधियों की विलक्षण शक्ति के प्रभाव से इस रोग के आगे बढ़ने की संभावना नहीं रहती। कहना न होगा कि यह बीमारी बढ़ जाने पर ट्यूब के रोएं नष्ट हो जाती हैं। परिणाम तो स्त्रियां संतान उत्पन्न नहीं कर पाती है। इसके लिए टेस्ट ट्यूब बेबी विधि अन्य खर्चीली विधियों द्वारा इलाज कराया जा सकता है जो जनसाधारण के लिए संभव नहीं है पाठकों से मेरा विनम्र निवेदन है की महिलाओं में फेलोपियन ट्यूब बंद होने एवं संतान सुख से वंचित होने पर प्रारंभ में ही किसी योग्य अनुभवी चिकित्सक से इलाज अवश्य कराएं। दवा का नाम कुछ इस प्रकार है :-

☞ एपीसमेल 1एम से सीएम तक दाएं ओर बंद एवं आंशिक गड़बड़ी हुए फैलोपियन ट्यूब में लाभदायक है। इसका लक्ष्ण मधुमक्खी के डंक मारने जैसा दर्द होती है एवं रोशनी को मुख बहुत सुख रहती है किंतु प्यास नहीं रहती।

☞ कोनियम मैक 6 डिम्बकोष के दोषों से उत्पन्न बांझपन यूरोपियन ट्यूब सर्वोत्तम दवा है

☞ लेकेसीस 1M-CM इस दवा का विशेष प्रभाव शरीर के बाएं और अधिक होता है। बांयी ओर के फेलोपियन ट्यूब की अवरुद्धता में इसकी उच्च शक्ति लाभदायक है।

☞ लाइकोपोडियम 10M-CM दाएं फेलोपियन ट्यूब के आंशिक या पूर्ण बंद होने बहुत लाभदायक है।

☞ मेडोरीनम 1M-CM यह नोसोड्स ग्रुप की दवा है जिसका निर्माण गोनोरिया के विष से हुआ है। यह सुजाक के इतिहास और उसके विष को दूर करता है। बायें फेलोपियन ट्यूब बंद रहने में उपयोगी है।

☆ बाल की समस्याओं में होम्योपैथिक दवा :- डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह ने कहा कि आज के समय में केवल स्त्रियां ही नहीं बल्कि पुरुष भी केसों के रख रखाव तथा साज-सज्जा पर विशेष ध्यान देने लगे हैं। इस बात का फायदा उठाने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों बालों से संबंधित अनेक उत्पाद बाजार में उतारे हैं, तरह-तरह के तेल, शैंपू, बाल धोने का साबुन, बाल काला करने के लिए विभिन्न प्रकार के उत्पादन इस्तेमाल कर रहे हैं। बताया जाता है कि इसका प्रयोग से अधिकांश बुरे परिणाम ही सामने आ रहे हैं। वास्तव में बालों की समस्या से बचने के लिए किसी तरह की औपचारिकता की जरूरत नहीं है। जरूरत इस बात की है कि अपने दिन चर्चा व्यवस्थित रखी जायें। प्रतिदिन स्नान करना, बालों में प्रतिदिन तेल लगाकर कंघी करना, पर्याप्त मात्रा में मौसमी फल सब्जियों का सेवन करना, चिंता ना करना ऐसे आसान उपाय हैं जिन्हें अपनाकर बालों की स्वस्थ्य रखा जा सकता है यहां पर बाल की विभिन्न समस्याओं जैसे असमय में सफेद होना, गंजापन, झड़ना , खुजली आदि का उपचार दिया जा रहा है। बालों का सफेद होना बालों के असमय सफेद होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे हारमोंस की गड़बड़ी, शारीरिक तंत्र की खराबी स्त्रियों की मासिक विकार आदि। बाल समय से पहले सफेद हो रहे हो तो आप निम्न दवाओं का प्रयोग कर सकते हैं। (10 बाल सफेद होने पर- थायरोडिनम 200 एक बूंद एक बार रोज लेना है। (2) बालों का झड़ने पर- एसिड फास30, सेलेनियम 30, वाइजवेडन 30 कोई भी एक दवा एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (3) बाल थक्के-थक्के गिरने तथा दाढ़ी मूछों का थक्के गिरने पर बेसिलिनम 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (4) गर्भावस्था या मासिक में खराबी के कारण बालों के झड़ने पर-सीपिया 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए। (5) किसी बीमारी या कमजोरी के बाद बालों का झड़ने पर - कार्बोवेज 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (6) दाढ़ी का बाल झड़ने पर- कैली कार्ब 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (7) गंजापन टेस्टिज 3 एक्स एक टेबलेट सुबह शाम लेना है। (8) बाल बढ़ाने के लिए बिसविडान 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (9) बाल में रुसी सोरीनम 200 एक बूंद एक बार रोज लेना है। (10) बाल में ढील -लीक होने पर- बोरेक्स 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (11) बाल दो मुंह का- थुजा 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (12) बाल उगना स्त्री के ढोढ़ी पर -इग्नेशिया 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (13) बाल उगना स्त्री के होंठ पर- नेट्रम सल्-नेट्रम म्यूर 30, चेनोपोडियम 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है दोनों से कोई एक दवा लेना है। (14) बाल उड़ना स्त्री के गाल पर नेट्रम सल 30, नेट्रम म्यूर 30 दोनों से कोई एक दवा एक बूंद सुबह शाम सेवन करना है। (15) बाल में जटा होने पर -बोरेक्स 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। (16) बाल घुघराले होने पर- मेजेरियम 30 एक बूंद सुबह-शाम सेवन करना है। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह मो०- 9204090774 ●

एक थे जॉर्ज : लोकसमता के लौहस्तंभ

● अमित कुमार

लोकसमता के लौहस्तंभ,और उनको भूलता बिहार बात करते हैं जॉर्ज साहब की जो जॉर्ज साहब हमारे बीच नहीं रहे. कोई आश्चर्य नहीं हुआ यह सुनकर क्यूँकि अपनी अज्ञात बीमारी के कारण वर्षों से हमसे दूर जो हो गए थे. आज तो सिर्फ उनकी आत्मा निकली है. वैसे भी जनता दल की नींव डालने वाले, कांग्रेस की जड़ें हिलाने वाले, पाकिस्तान को नाको चने चबवाने वाले, एनडीए के पहले संयोजक, मुजफ्फरपुर को विश्व पटल पर पहचान दिलाने वाले मजदुर नेता पद्मविभूषण से सम्मानित भारत के पूर्व केंद्र मंत्री, पूर्व राज्य सभा सांसद, पत्रकार और कुशल राजनीतिज्ञ जॉर्ज फर्नान्डिस जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ! जॉर्ज फर्नान्डिस केवल नाम ही काफी है। मुंबई का जॉर्ज, जिसके एक इशारे पर बेस्ट के पहिये तो ठीक, रेल के चक्के भी जाम हो जाते थे।वह आंदोलनों, बंद और हड़ताल का युग था, क्योंकि कांग्रेस का राज था, और विपक्ष मजबूत। यही जॉर्ज गांधीवादी मोरारजी की संगति में शांत, गंभीर और जिम्मेदार हो गया। अटलजी का साथ दिया,लेकिन अटल साथ छोड़ गए। एक समाजवादी शेर के रूप में अपने आप को स्थापित किया, उनके तृतीय पुण्यतिथि पर स्मरण करता हूँ। जॉर्ज फर्नान्डिस भारत के प्रखर राजनेता थे। उनका जन्म मैंगलोर में 03 जून 1930 को हुआ। स्कूल की पढ़ाई के बाद, 1946-1948 तक पादरी का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। 1949 में वे मुंबई काम की तलाश में आ गए, जहां उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। 1950 में राम मनोहर लोहिया के सम्पर्क में आए और सोशलिस्ट ट्रेड यूनियन के आंदोलन में शामिल हो गए तथा उसी वर्ष वे मजदूरों की आवाज बन गए। 1961 तथा 1968 में बॉम्बे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सदस्य रहे, 1967 में वे पहली बार लोकसभा का चुनाव जीते, तत्पश्चात् कई बार राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य रहे तथा भारत के रेल, संचार, उद्योग और रक्षा मंत्री रहे और उन्होंने समता पार्टी की स्थापना की। उनके रक्षा मंत्रित्व कार्यकाल में ही भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण किया तथा करगिल युद्ध हुआ। राजनीति में एकमात्र जॉर्ज हीं ऐसे राजनेता रहे जिन्हें उनके विरोधी भी जॉर्ज साहब कहकर पुकारते थे. लम्बी बीमारी के बाद 29 जनवरी 2019 को उनका निधन हो गया। 2020 में इन्हें (मरणोपरांत) पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। हम कह सकते है की वो बिहार के बिभूति थे भारत में ट्रेड यूनियन के सबसे बड़े नेता, प्रखर समाजवादी, ठेठ बिहारी स्टाइल में उन्होंने बिहार को कर्मभूमि बनाया और बिहार के ही होकर रह गए। बातचीत के क्रम में मुजफ्फरपुर के महंत राजीव रंजन दास एक स्मरण बताते है कि 1989 का लोक सभा चुनाव था, जॉर्ज साहब और स्व. ललितेश्वर शाही जी का कड़ा मुकाबला चल रहा था (गिनती में एकतरफा ही रहा)। चुनाव क्षेत्र में स्व हेमंत शाही जी की दबंगई और जीवट की भी चर्चा खुलेआम ही होती रहती थी। महंत जी खुद सीतामढ़ी और शिवहर लोकसभा में ज्यादा समय दे रहे थे। उस समय तक उनके मस्तिक में जॉर्ज का मोरारजी सरकार के खिलाफ धोखा और फिर 84 के लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरपुर छोड़ कर भाग जाना समाया हुआ था। फिर शाही जी पड़ोसी भी ठहरे और हेमंत जी से स्नेह पूर्ण रिश्ता भी था ही तो ऐसे हालात में मुजफ्फरपुर से अलग रहने में ज्यादा सुकून मिल रहा था और खुले मन से पार्टी के लिए काम भी कर ही रहे थे।

मुजफ्फरपुर में प्रचार प्रसार में कभी कभी तनाव भी हो ही जाता रहता था क्योंकि बगल के वैशाली में भी दो नामचीन घराने आमने सामने की लड़ाई में थे। एक तरह अनुग्रह बाबू की बहू तो दूसरी तरह महेश बाबू की बेटी। जॉर्ज की तो पुरानी आदत थी कि वह एक बार नामांकन के समय और एक बार अंत मे ही अपने क्षेत्र में आते थे। वोट के बाद जॉर्ज को पटना से प्लेन पकड़ कर कहीं दूसरे राज्य की तरफ चले जाना था। सुबह में महंत जी को स्व. प्रो अरुण जी ने फोन कर के कहा कि जॉर्ज को आपकी ही गाड़ी से पटना लेकर चलना है आप तैयार रहेंगे 4 बजे शाम में जॉर्ज, अरुण जी और 2 व्यक्ति मेरे साथ चलेगे संयोग बस मारुति महंत जी ही चला रहे थे। मलंग स्थान (रामदयालु) पर अरुण जी ने उन्हें गाड़ी रोकने को कहा तो उन्हे आश्चर्य हुआ कि अरुण जी तो मेरे तरह ही गाड़ी आगे बढ़ाने वाले में शामिल रहते थे, खैर गाड़ी रुकी और अरुण जी ने जॉर्ज को कहा कि आप खुद अपने हाथ से 10 रुपया पुजारी के हाथ में दें, जॉर्ज ने वैसा ही किया भी फिर जब गाड़ी आगे बढ़ी तो जॉर्ज ने अरुण जी से पूछा कि तुमने मुझसे पैसे क्यों दिलाया तब मुस्कुराते हुए अरुण जी ने बताया कि साहब यह शुभ होता है वैसे भी आज वोटिंग थी और आप सफल हों बस इसीलिये जॉर्ज ने भी अरुण जी की बात खत्म होते ही कहा कि कहीं अगर ललितेश्वर जी ने 20/-दे दिया फिर क्या होगा। महंत राजीब रंजन दास जी ने कहा कि वैसे मेरी ही गाड़ी से पटना चलने के पीछे भी कुछ राज ही था जो मुझे भी बाद में ही बताया गया कि किसी भी दूसरी गाड़ी से जाने पर शायद कुछ होता भी खैर उस समय तो कुछ नहीं हुआ मगर 1994 में लालू जी के साथ छोड़ने पर फकुली में जॉर्ज और उनके काफिले के साथ कि घटना तो लोग जानते ही हैं। एक जमाने में नीतीश लालू के मुकाबले कहीं नहीं टिकते थे. जॉर्ज पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने नितीश में मुख्यमंत्री बनने की कुव्वत देखी. नीतीश जो भी बने, उनको गढ़ने में जॉर्ज का हाथ था. नीतीश यह बात कभी भूले नहीं. इसी तरह एक और किस्सा है कि 2009 में चुनाव होना था और जॉर्ज पटना आए उन्होंने प्रेम मणि जी को कॉल किया और कहां मिलना चाहता हूं प्रेम कुमार मणि तुरंत आए फिर वो उनके साथ नीतीश कुमार से मिलने गये और वहाँ पहुँचते ही उन्होंने ने कहा कि मुझे मुजफ्फरपुर से चुनाव लड़ना हैं। लेकिन उस लोकसभा चुनाव में जदयू ने उन्हें टिकट देने से इंकार कर दिया. वजह खराब स्वास्थ कहा गया. जॉर्ज नहीं माने और मुज्जफरपुर लड़ने पहुंच गए. निर्दल प्रत्याशी के तौर पर जॉर्ज महज 22,804 वोट मिले और वो चौथे स्थान पर रहे. जॉर्ज के प्रति नितीश ने किसी भी सार्वजानिक मंच पर कभी कोई असम्मान दिखाया हो ऐसा याद करना मुश्किल है. "इस लोकसभा चुनाव में शरद यादव मधेपुरा सीट से चुनाव जीत कर आए थे. उन्होंने अपनी राज्यसभा की सीट खाली कर दी. इसके ठीक ढाई महीने बाद 30 जुलाई 2009 को जॉर्ज ने राज्यसभा के मध्यावधि चुनाव में अपना पर्चा दाखिल किया. जदयू ने इस चुनाव में अपना कोई उम्मीदवार न उतार कर उन्होंने जॉर्ज के प्रति अपना सम्मान दिखाया.और जॉर्ज निर्विरोध राज्यसभा पहुंच गए। जॉर्ज से जुड़े कई ऐसी कई कहानियां है। कभी जार्ज से मिलने के लिए उनके घर पर परमिशन नहीं लेनी पड़ती थी। बेधरक आप उनके बेडरूम तक दाखिल हो सकते थे। लेकिन अफसोस यह था कि ऐसे सख्शियत साथ ही वो पहला रक्षा मंत्री थे जो 21 बार सियाचिन ग्लेशियर गए और अपने जवानों के जीवन को आसान बनाने की कोशिश की लेकिन उसी डिफेंस मिनिस्टर को तहलका स्टिंग में भ्रष्ट बना दिया और सदन में कांग्रेसी नेताओं ने उनके व्यक्तिव को तार तार करने की कोशिश की।जार्ज साहब हर कॉमिसिन की जांच में बेदाग निकले। यह मान भी लिया जाए कि यह जॉर्ज की सम्मानपूर्ण विदाई थी, फिर भी जॉर्ज से जुड़े कई ऐसे सवाल हैं जो अक्सर अनुत्तरित रह जाते हैं.दरअसल जॉर्ज का पूरा जीवन ही विरोधाभासी रंगों से रंगा हुआ है. उनके विचार और आदर्श हमें सदैव दिशा दिखाने का काम करेंगे!! ●

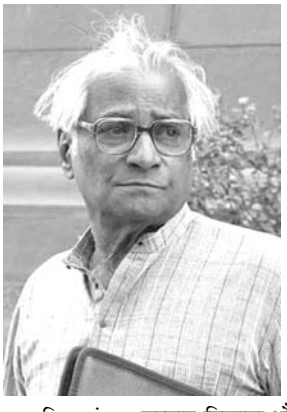

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

★ पॉक्सो कानून क्या है? यह कब और क्यों लागू हुआ?

पॉक्सो का पूरा नाम "प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस" है, जिसका हिंदी में अर्थ लैंगिक अपराधो से बालको का संरक्षण है। वर्तमान युग में मासूम एवं नाबालिग बच्चो के साथ रेप की घटनाये बढती जा रही है , लोग जगह जगह प्रदर्शन कर रहे है, बच्चों के साथ आए दिन यौन अपराधों की खबरें समाज को शर्मसार करती हैं, इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या देखकर सरकार ने वर्ष 2012 में यह विशेष कानून बनाया था, जो बच्चों को छेड़खानी, बलात्कार और कुकर्म जैसे मामलों से सुरक्षा प्रदान करता है। इस कानून से पहले भारत में यौन अपराधों के लिए कोई अलग से कानून नहीं था, इस कानून की खास बात यह है कि भारतीय दण्ड संहिता अधिनियम 1860 के अंतर्गत केवल पुरुष ही बलात्कार का दोषी माना जाता था, लेकिन पॉक्सो एक्ट में लड़का और लड़की का अपराध समान माना गया है, और दोनों के लिए सुरक्षा प्रदान की गयी है, अत: बालक के उचित विकास के लिए यह आवश्यक हैं कि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा नाबालिक बच्चो की गोपनीयता के अधिकार का सम्मान किया जाये एवं सुरक्षा प्रदान की जाए, जिससे बालक के शारीरिक स्वास्थय, भावात्मक और बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सके।

★ पॉक्सो कानून में अपराधो की सुनवाई किस प्रकार की जाती है?

पॉक्सो कनून के तहत सभी अपराधों की सुनवाई, एक विशेष न्यायालय द्वारा बंद कमरे में कैमरे के सामने बच्चे के माता पिता या जिन लोगों पर बच्चा भरोसा करता है, उनकी उपस्थिति में होती है, और इस दौरान बच्चे की पहचान गुप्त रखी जाती है। यदि पीड़ित बच्चा विकलांग है या मानसिक रूप से या शारीरिक रूप से बीमार है, तो विशेष अदालत को उसकी गवाही को रिकॉर्ड करने या किसी अन्य उद्येश्य के लिए अनुवादक या विशेष शिक्षक की सहायता लेनी होती है।

★ पॉक्सो कानून में कौन से अपराध शामिल है और इन अपराधो के लिए कितनी सजा का प्रावधान है?

18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चों के साथ किया गया किसी भी तरह का यौन व्यवहार इस कानून के अन्तर्गत आता है, जिसके तहत नाबालिग बच्चों के साथ सेक्सुअल असाल्ट ,सेक्सुअल हेरास्मेंट, और पोर्न ग्राफी जैसे अपराध शामिल है, इन अपराधो से सुरक्षा के लिए इस कानून के तहत अलग- अलग अपराध के लिए अलग-अलग सजा और जुर्माना तय किया गया हैं।

पोक्सो कानून की मुख्य धाराए :- इस कानून के अंतर्गत किये गये अपराध सजा एवं जुर्माने का प्रावधान धारा 3 व 4 मे किया गया है। धारा 3 के के तहत प्रवेशन लैंगिक हमला को परिभाषित किया गया है, जिसके तहत अगर कोई व्यक्ति किसी बच्चे के शरीर के किसी भी पार्ट में प्राइवेट पार्ट डालता है, या बच्चे के प्राइवेट पार्ट में कोई चीज डालता है या बच्चे को ऐसा करने के लिए कहता है तथा बच्चे के साथ दुष्कर्म किया गया है तो यह धारा-3 के तहत अपराध होगा। धारा 4 के अनुसार 7 साल से लेकर उम्रकेद की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान है। धारा 6 धारा 6 के तहत उन मामलों को शामिल किया जाता है जिनमें बच्चों को दुष्कर्म या कुकर्म के बाद गम्भीर चोट पहुंचाई गई हो या जिनमें बच्चो के साथ लैंगिक हमला किया गया हो, धारा 6 के अनुसार 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा और साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

धारा 7 व 8 :- धारा 7 के तहत उन मामलों को शामिल किया जाता है, जिसमें बच्चों के गुप्तांग के साथ छेड़छाड़ की गई हो । धारा 8 के अनुसार इसमें दोष सिद्ध होने पर 3 से 5 साल तक की सजा और जुर्माना भी हो सकता है।

धारा-11 व 12 :- धारा 11 के तहत उन सेक्सुअल हैरासमेंट को परिभाषित किया गया है, जिसके तहत अगर कोई व्यक्ति बच्चों को गलत नियत छूता है या सेक्सुअल हरकतें करता है, अश्लील प्रयोजनों के लिए एक बच्चे को लुभाता है या उसे पोर्नोग्राफी दिखाता है। धारा 12 के अनुसार दोष सिद्ध होने पर 3 साल तक की सजा और जुर्माना भी हो सकता है।

★ पॉक्सो में नये संसोधन के बाद क्या बदलाव हुए?

अप्रैल 2018 में पॉक्सो एक्ट में संशोधन के लिए कैबिनेट की मंजूरी के बाद इन मामलों में सजा के प्रावधान और भी सख्त कर दिए गये है, जिसमें 12 साल से छोटी बच्ची के साथ रेप पर फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। 2018 में किये गये संसोधन में 16 साल से कम उम्र की बच्चियों से रेप के मामले में सजा 10 साल से बढाकर 20 साल कर दी गयी है। नए संसोधन के अनुसार पोक्सो के मामले में अब किसी दोषी व्यक्ति को अग्रिम जमानत (Anticipatory bail) भी नहीं मिलेगी, दोषी व्यक्ति को सरेंडर करके जेल जाना होगा, तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376, 376, 376, 376 के अनुसार रेप मामले में बेल पर सुनवाई से पहले कोर्ट को पब्लिक प्रोसिक्यूटर और पीड़िता पक्ष को 15 दिन का नोटिस देना होगा।

★ पॉक्सो के नए कानून में जांच व सुनवाई की समय सीमा कितनी होगी?

पॉक्सो के नए कानून में जांच व सुनवाई की समय सीमा तय कर दी गयी है जिसके तहत रेप के हर मामले की जांच किसी भी हाल में 2 महीने के अंदर पूरी की जाएगी, रेप मामलों की सुनवाई भी 2 महीने के अंदर पूरी कर ली जाएगी, तथा रेप मामलों में अपील और अन्य सुनवाई के लिए अधिकतम छह महीने का वक्त दिया जाएगा।

★ पॉक्सो कानून में हुए संसोधन के बाद यौन अपराधो पर कितनी रोक लगी है?

पॉक्सो के अंतर्गत बच्चों के खिलाफ यौन अपराध के बहुत से मामले 2012 से 2016 के बीच दर्ज किये गए हैं, इसमें कुछ मामले अभी भी कोर्ट में लंबित पड़े हुए है जबकि अपराधी को सजा मिलने की दर बहुत कम है, जो कि अपराधों को रोकने के लिए सक्षम नहीं है, हालाँकि सरकार के 2018 के संसोधन से किये गये बदलाव व फांसी की सजा के प्रावधान से इन अपराधो पर कुछ हद तक अंकुश लगा है, लेकिन सरकार को इस एक्ट में और जरूरी सुधार करने होंगे ताकि पीड़ित को जल्दी से जल्दी न्याय मिल सके, लंबित मुकदमे और सजा की दर बताती है कि सिर्फ कानून बनाने से रेप के मामले नहीं रुकेंगे इसके लिए प्रशासनिक जवाबदेही भी तय करनी होगी, ज्यादातर मामलों में देखने में आया है कि बच्चों का शोषण जान-पहचान के लोग ज्यादा करते हैं, और घर के लोग उन पर शक भी नही करते हैं, और बच्चे डर के कारण ये बाते किसी से बता नहीं पाते और वे शोषण का शिकार हो जाते है, इसलिए माता- पिता का यह दायित्व बनता है कि वे अपने बच्चो को जागरूक करे और इन सब अपराधो की जानकारी दे और जिन लोगों के साथ बच्चे खेल रहे हैं, उन पर पूरी नजर रखें।

टुनटुन सिंह ने ठाना है, शेरघाटी नगर को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है

शेरघाटी नगर परिषद चुनाव

नगर की स्वच्छता और जन-जन की सेवा मेरी प्रथम प्राथमिकता

शेरघाटी नगर परिषद् के भावी अध्यक्ष पद के उम्मीदवार जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह

शेरघाटी नगर परिषद् के चहुंमुखी विकास के लिए
जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह को भारी मतों से विजयी बनायें।

शेरघाटी नगर परिषद के चहुंमुखी विकास के लिए इस बार जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह शेरघाटी नगर पंचायत में वर्ष 2002 में प्रथम सभापति रह चुके हैं एवं वर्ष 2007 में भी वार्ड पार्षद निर्वाचित हुए। लेकिन सरकार के आदेश के बाद सभापति सीट सुरक्षित होने के कारण अपने विश्वासी वार्ड पार्षद चनारीक पासवान को जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह ने मुख्य पार्षद पद पर निर्वाचित कराया। शेरघाटी नगर पंचायत में दूसरी बार अपने विश्वासी वार्ड पार्षद चनारीक पासवान को निर्विरोध अध्यक्ष भी निर्वाचित कराया। जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह के पिता स्वर्गीय रणजीत सिंह उर्फ फिरंग सिंह, शेरघाटी अधिसूचित क्षेत्र समिति शेरघाटी के पद पर 10 वर्षों तक प्रमुख सदस्य रहे। शहर के कई लोगों का कहना है कि जितेंद्र कुमार उर्फ टुनटुन सिंह 20 वर्षों से सभी वर्गों के लोगों को एक सूत्र में बांधकर चलते हैं। टुनटुन सिंह समाजिक आस्था के अनुरूप सभी धर्मों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

इस बार शेरघाटी नगर परिषद के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह बनते हैं तो शेरघाटी के चहुंमुखी विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

www.shrutikommunicationtrust.org

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**
Mob.- 9431073769

HURRY UP!

Limited Seats

Register Now!

7667425414
8825338825

Block Road, Tekari,
Gaya, Bihar - 824236

info@mistekari.in
www.mistekari.com

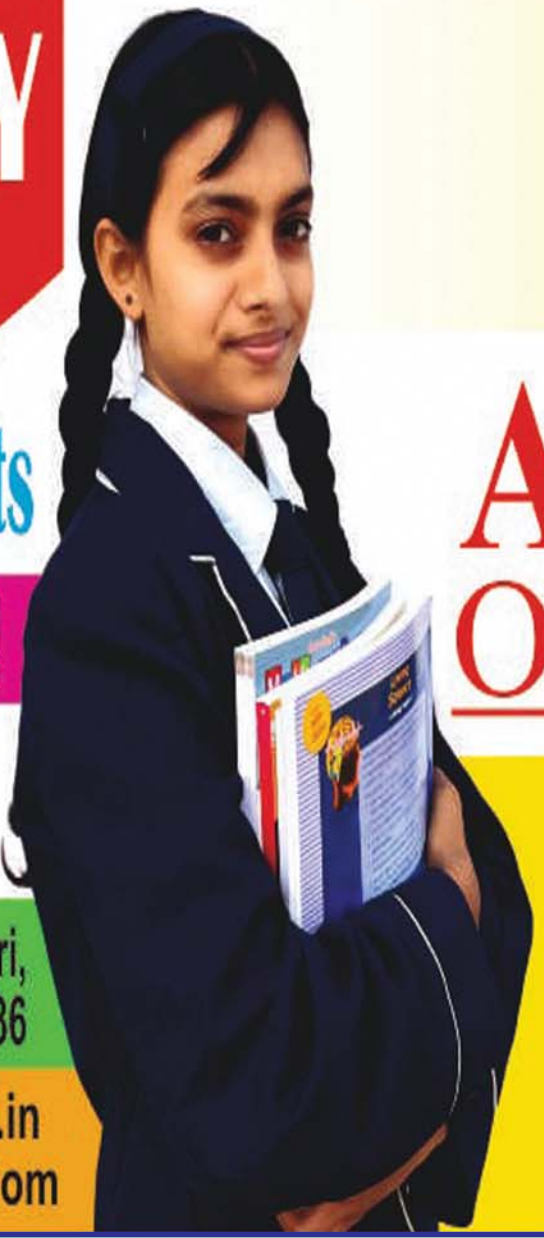

MAGADH INTERNATIONAL SCHOOL

Affiliated to C.B.S.E., New Delhi I Affiliation No. 330789

ADMISSION OPEN FOR 2022

WHY CHOOSE US

Quality School with best learning facilities. Creative education plan.

THE LEARNING BENEFITS

Helping good environment. Loving and caring atmosphere.

WHAT WE OFFER YOU

Create best future for your children.